Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 02 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-92

आपा की कारस्तानियों को विदेशी संरक्षण, 'रॉ' की नजर

खालिस्तानियों के साथ लंदन में पका रहे काली दाल

नई दिल्ली, 01 अप्रैल।

आम आदमी पार्टी (आपा) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री लंबे समय से स्वयं को एक ऐसे योद्धा के रूप में प्रस्तुत करते आ रहे हैं, जो ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्ध है। लेकिन हाल की घटनाओं ने उनकी ईमानदारी तार-तार कर दी है। केजरीवाल एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। इस बार उन पर शराब नीति घोटाले में शामिल होने का आरोप है, जिसके चलते प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें हिरासत में लिया और अब वह तिहाड़ जेल में बंद हैं। जांच एजेंसी ने उन्हें शराब नीति घोटाले का मास्टरमाइंड बताया है। केजरीवाल की गिरफ्तारी से जिस प्रकार उनके समर्थकों में अफरा-तफरी मची है, वह हमें केजरीवाल और उनकी पार्टी से जुड़े जटिल जाल की गहराई से समीक्षा करने की ओर प्रेरित करती है।

आपा का ग्राफ जिस तेजी से चढ़ा, उसे

देखते हुए उसके वित्त पोषण के स्रोत और उसके द्वारा बनाए गए गठबंधनों के संबंध में प्रश्न अनिवार्य रूप से उठते हैं। एक पार्टी,

शुभ-लाभ विमर्श

जो महज एक दशक पहले बनी, उसका राजनीतिक मोर्चे पर इतनी तेजी से आगे बढ़ना संदेह पैदा करता है। इतनी व्यापक मान्यता और प्रभाव को बनाए रखने के लिए उन्होंने आवश्यक संसाधन और मशीनरी कैसे जुटाई? ये ऐसे सवाल हैं, जिनके जवाब धुंधले वित्त पोषण स्रोतों और संदिग्ध मित्रता और गठबंधन के पास हो सकते हैं। यह कहानी तब और जटिल हो जाती है, जब हम उत्सुकता पैदा करने वाले कुछ संयोगों और जुड़ावों की जांच करते हैं।

जब हम विदेश में आपा नेताओं के कारनामों पर नजर डालते हैं, तो चीजें और भी संदिग्ध हो जाती हैं। विदेश में आपा की गतिविधियों पर केंद्रीय खुफिया एजेंसी रॉ की कड़ी नजर है। पार्टी के प्रमुख नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा यूनाइटेड किंगडम में आम आदमी अंतरराष्ट्रीय मोहल्ला क्लीनिक से कथित तौर पर चिकित्सा उपचार लेने के दौरान खुद को जांच के घेरे में पाते हैं। हालांकि यूनाइटेड किंगडम से प्राप्त तस्वीरें खालिस्तान समर्थक हस्तियों, विशेषकर सांसद प्रीत कौर गिल के साथ उनके संबंधों को उजागर करती हैं और एक अलग नजारा पेश करती हैं। यह समय महत्वपूर्ण है, ▶9पर

कांग्रेस की राष्ट्र-विरोधी करतूतों की इंतिहा नहीं...

कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को देकर खजाना लुटवा दिया

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव से पहले भारत और श्रीलंका के बीच पाल्क स्ट्रेट पर स्थित कच्चातिवु द्वीप एक बड़ा मुद्दा बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को देने के लिए कांग्रेस पार्टी को बुरी तरह कोसा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दिए जाने का सौदा वाकई चौंकाने वाला है। तथ्यों से पता चला है कि कांग्रेस ने जानबूझकर कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दे दिया था। इसे लेकर हर भारतीय नाराज है। भारत की एकता और अखंडता को कमजोर करना ही कांग्रेस के काम करने का तरीका है। यह पिछले 75 साल से जारी है।

कच्चातिवु द्वीप हिंद महासागर के दक्षिणी छोर पर स्थित है। भारत के दृष्टिकोण से देखें तो ये रामेश्वरम और श्रीलंका के बीच स्थित है। 285 एकड़ में फैला यह द्वीप 17वीं सदी में मदुरई के राजा रामानंद के राज्य का

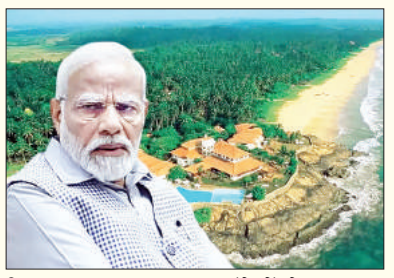

हिस्सा हुआ करता था। अंग्रेजों के शासन में यह मद्रास प्रेसीडेंसी के पास आ गया।

शुभ-लाभ सरोकार

फिर साल 1921 में भारत और श्रीलंका दोनों देशों ने मछली पकड़ने के लिए इस द्वीप पर दावा ठोका, लेकिन उस वक्त इसे लेकर कुछ खास नहीं हो सका। भारत की आजादी के बाद समुद्र की सीमाओं को लेकर चार समझौते हुए। ये समझौते 1974 से 1976 के बीच हुए थे।

कच्चातिवु द्वीप पर रामनाद (रामनाथपुरम) के राजा का अधिकार था। कच्चातिवु पर अपना दावा साबित करने में श्रीलंका बार-बार विफल रहा। इसके बावजूद यह द्वीप श्रीलंका को दे दिया गया। भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और श्रीलंका के राष्ट्रपति श्रीमावो भंडारनायके के बीच द्वीप हस्तांतरण को लेकर समझौता हुआ। समझौते में यह शर्त शामिल थी कि भारतीय मछुआरों को कच्चातिवु द्वीप पर जाने की इजाजत होगी और वे वहां अपना जाल वगैरह सुखाएंगे। लेकिन श्रीलंका ने बाद में उस शर्त को ताक पर रख दिया। मछली पकड़ने के लिए तमिलनाडु के रामेश्वरम जैसे जिलों के मछुआरे कच्चातिवु द्वीप की तरफ जाते हैं। द्वीप तक पहुंचने के लिए मछुआरों को अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करनी पड़ती है. जिसे पार करने पर श्रीलंका की नौसेना उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। ▶9पर

जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोपों पर पीएम ने कहा

न हम बाधा डालते हैं न दखल देते हैं

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष द्वारा सरकार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोपों पर तीखा जवाब दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां स्वतंत्र तौर पर काम करती हैं। उन्होंने विपक्ष के उन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि सरकार द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में मनी लॉन्ड्रिंग की रोकथाम के लिए कानून पहले से मौजूद है, लेकिन विपक्ष की सरकारों ने इसका इस्तेमाल ही नहीं किया। ▶9पर

ईडी 7000 मामलों की जांच कर रहा है

केजरीवाल को कोर्ट ने तिहाड़ जेल भेजा

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें अब न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। कोर्ट ने केजरीवाल को १५ अप्रैल तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा है। ईडी ने कोर्ट में न्यायिक हिरासत की मांग की थी। ▶9पर

कच्चातिवु द्वीप मसले पर मोदी ने कांग्रेस और डीएमके को कोसा

उन्हें केवल अपने बेटे बेटियों की फिक्र है

चेन्नई, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

वर्ष 1974 में कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर कांग्रेस और डीएमके पर कड़ा निशाना साधा। पीएम मोदी ने डीएमके और कांग्रेस को एक ही परिवार की इकाई बताया। पीएम मोदी ने एक दिन पहले ही कच्चातिवु का जिक्र करते हुए दोनों पार्टियों को राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर घेरा था।

पीएम मोदी ने कहा, डीएमके ने तमिलनाडु के हित के लिए कुछ भी नहीं किया। कच्चातिवु द्वीप पर सामने आए नए विवरणों ने डीएमके के दोहरे मापदंडों को पूरी तरह से उजागर कर दिया है। कांग्रेस और डीएमके दोनों ही पारिवारिक इकाइयां है। उन्हें केवल अपने बेटे-बेटियों की फिक्र है। इसके अलावा उन्हें किसी और की कोई फिक्र नहीं है। कच्चातिवु द्वीप पर उनकी संवेदनहीनता ने हमारे

भारत के हितों को भी बेच डालने में झिझक नहीं हुई

गरीब मछुआरों के हितों को नुकसान पहुंचाया है। भारत के हितों को भी बेच डालने में इन्हें कोई झिझक नहीं हुई।भाजपा के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कच्चातिवु द्वीप के मुद्दे पर कहा कि 1974 में भारत और श्रीलंका ने ▶9पर

भारत का द्वीप गिफ्ट में दे दिया!

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दिए जाने के मामले में साल 2008 में तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी और कच्चातिवु द्वीप को लेकर हुए समझौते को अमान्य घोषित करने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि गिफ्ट में इस द्वीप को श्रीलंका को देना असंवैधानिक है। इस मसले को लेकर तमिलनाडु की सियासत हमेशा से गर्म रही है। साल 2011 में जब जयललिता एक बार फिर तमिलनाडु की सीएम बनीं तो उन्होंने विधानसभा में इसको लेकर प्रस्ताव पास कराया। यह मसला संसद में भी उठ चुका है। उस समय तमिलनाडु में भी इसका जमकर विरोध हुआ था। ▶9पर

चुनावी बॉन्ड पर प्रधानमंत्री मोदी ने तोड़ी चुप्पी

आज जो इसका विरोध कर रहे हैं वे पछताएंगे

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी बॉन्ड योजना के खारिज होने को अपनी सरकार के लिए झटका मानने से इनकार कर दिया। तमिलनाडु के एक टीवी चैनल को दिए एक साक्षात्कार में पीएम मोदी ने पहली बार चुनावी बॉन्ड योजना को लेकर अपनी बात रखी। रिपोर्टर के यह पूछने पर कि क्या इस योजना के कोर्ट से खारिज होने को सरकार के लिए झटका माना जाए, पीएम ने कहा- 2014 से पहले चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों को मिले पैसे का कोई हिसाब नहीं मिलता था। मुझे बताइये ऐसा क्या हुआ है जिससे यह माना जाए कि यह मेरी सरकार के लिए झटका है। मैं पक्का मानता हूं कि जो लोग इसे लेकर आज नाच रहे हैं वो पछताने वाले हैं।

पीएम ने कहा, मैं पूछना चाहता उन सभी विद्वानों से कि 2014 से पहले जितने भी चुनाव हुए, उनमें पैसा तो खर्च हुआ ही होगा, तो कौन सी ऐसी एजेंसी है जो बता पाए कि पैसा कहां से आया, कहां गया? मोदी ने चुनावी बॉन्ड बनाया, इसके कारण आज आप ढूंढ़ पा रहे हो कि बॉन्ड किसने लिया, किसे

दिया। इसके कारण पैसे का ट्रेल पता चल रहा है। कोई व्यवस्था पूर्ण नहीं होती, कमियां हो सकती हैं लेकिन उन्हें सुधारा जा सकता है। चुनावी बॉन्ड एक तरह का वचन पत्र है। इसकी खरीदारी भारतीय स्टेट बैंक की चुनिंदा शाखाओं पर किसी भी भारतीय नागरिक या कंपनी की ओर से की जा सकती है। यह बॉन्ड नागरिक या कॉरपोरेट कंपनियों की ओर से अपनी पसंद के किसी भी राजनीतिक दल को दान करने का जरिया है।

चुनावी बॉन्ड को फाइनेंशियल (वित्तीय) बिल (2017) के साथ पेश किया गया था। 29 जनवरी 2018 को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने चुनावी बॉन्ड योजना 2018 को अधिसूचित किया था। उसी दिन से इसकी शुरुआत हुई। कोई भी भारतीय नागरिक, कॉरपोरेट और अन्य संस्थाएं चुनावी बॉन्ड खरीद सकते थे और राजनीतिक पार्टियां इस बॉन्ड को बैंक में भुनाकर रकम हासिल कर लेते थे। बैंक चुनावी बॉन्ड उसी ग्राहक को बेचते थे, जिनका केवाईसी वेरिफाइड होता था। बॉन्ड पर चंदा देने वाले के नाम का जिक्र नहीं होता था।

TIBCON
CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY

GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

शेयर मार्केट

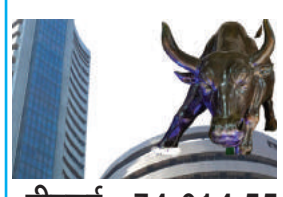

बीएसई : 74,014.55
+381.84 +0.71% ↑
एनएसई :22,462.00
135.10 (0.61%) ↑

कार्टून कॉर्नर

चुनाव से पहले कांग्रेस को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

आयकर चोरी के खिलाफ कांग्रेस पर कार्रवाई धीमी

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस पार्टी को लोकसभा चुनाव 2024 से पहले राहत दे दी है। शीर्ष अदालत में कांग्रेस द्वारा इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए फिलहाल पार्टी पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया है। आयकर विभाग ने कांग्रेस को हाल ही में 1700 करोड़ रुपए का नोटिस भेजा है।

सुप्रीम कोर्ट में इनकम टैक्स विभाग से कांग्रेस पार्टी को जारी टैक्स रिकवरी नोटिस के खिलाफ दाखिल कांग्रेस की याचिका पर जस्टिस बीवी नागरत्ना और एजी मसीही की बेंच ने सुनवाई की। इनकम टैक्स ने कोर्ट में कहा कि हमने 1700 करोड़ रुपए का नोटिस कांग्रेस को भेजा है। इनकम टैक्स ने कोर्ट को भरोसा दिया कि अभी चुनाव का समय चल रहा है। लिहाज हम इन पैसों की रिकवरी को लेकर कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। कांग्रेस की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि हम कोई प्रॉफिट कमाने वाली संस्था नहीं हैं, हम सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी हैं। प्रॉपर्टीज को अटैच करके पहले ही 135 करोड़ रुपए लिए जा चुके हैं। इस पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि 3500 रुपए की डिमांड है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मामले की सुनवाई जून महीने में की जाए। तब तक कोई कार्रवाई नहीं होगी। इस पर कोर्ट ने पूछा कि क्या आपने जो डिमांड की है उसे स्थगित कर रहे है? एसजी ने आगे कहा कि हम बस ये कह रहे हैं कि चुनाव तक कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। मामले की सुनवाई जून के दूसरे हफ्ते में की जाए। आयकर विभाग ने सोमवार को ▶9पर

आरबीआई के 90वें साल में प्रवेश करने पर बोले पीएम

बैंकिंग प्रणाली 90 वर्षों में मजबूत और टिकाऊ बनी

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 90वें साल में प्रवेश करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की बैंकिंग व्यवस्था पर बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, 2014 में जब मैं आरबीआई के 80 साल पूरे होने के कार्यक्रम में शामिल हुआ था, तब स्थिति बहुत अलग थी। भारत का पूरा बैंकिंग क्षेत्र समस्याओं और चुनौतियों से जूझ रहा था। हर कोई भारत की बैंकिंग प्रणाली की स्थिरता और भविष्य को लेकर संशय में था।

पीएम के अनुसार स्थिति इतनी खराब थी कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक देश की आर्थिक प्रगति को पर्याप्त बढ़ावा देने में सक्षम नहीं थे। और आज, भारत की बैंकिंग प्रणाली को दुनिया में एक मजबूत और टिकाऊ बैंकिंग प्रणाली के रूप में देखा जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक के 90 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में पीएम मोदी ने कहा, हमारी सरकार ने मान्यता, संकल्प और पुनर्पूंजीकरण की रणनीति पर काम किया। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की स्थिति में सुधार के लिए 3.5 लाख करोड़ रुपए का पूंजी निवेश किया, शासन से संबंधित सुधार किए। इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड की नई व्यवस्था से करीब 3.25 लाख करोड़ रुपए के लोन का समाधान हुआ।

कार्यक्रम के दौरान आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, एक संस्था के रूप में आरबीआई का विकास भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। ▶9पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 70,820/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 77,790/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 39^0
न्यूनतम : 27^0

यूएनएससी में युद्ध विराम प्रस्ताव पर यूएस का वीटो क्यों नहीं? भारतवंशी सांसद रो खन्ना ने बताई बाइडन की नीति

वॉशिंगटन, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका ने गाजा में तत्काल युद्धविराम के आह्वान के लिए संयुक्त राष्ट्र परिषद में पारित होने वाले प्रस्ताव को रोकने और वीटो न करने का फैसला किया है। बाइडन प्रशासन के इस फैसले का भारतवंशी अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने बचाव किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने में मदद मिलेगी।

एक साक्षात्कार में खन्ना ने कहा कि सुरक्षा परिषद में दुनिया के 14 देश ऐसे हैं, जो युद्धविराम और सभी बंधकों की तत्काल रिहाई की मांग कर रहे हैं। हम अबतक अकेले एक ऐसे देश थे, जो वीटो कर रहे थे। इससे हमारी क्षमता को नुकसान पहुंच रहा था। हमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ खड़े होने की जरूरत है। हमें चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के खिलाफ खड़े होने की जरूरत है। हम खुद को उन सहयोगियों से अगल कर रहे हैं, जिनकी हमें जरूरत है। पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ अकेले भी आगे बढ़ सकता है। वहीं, राष्ट्रपति बाइडन का मानना है कि हमें पुतिन और जिनपिंग के खिलाफ खड़े होकर गठबंधन बनाने की आवश्यकता है। यह बस सोच का अंतर है।

पोम्पिओ ने जताई थी आपत्ति

बता दें, पोम्पिओ ने इस प्रस्ताव पर वीटो न करने के लिए बिडेन प्रशासन की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि बाइडन के इस फैसले से न सिर्फ हमास बल्कि ईरानी आतंकवादी भी खुश होंगे। इस फैसले से रूसी खुश होंगे। इस फैसले चीनी खुश होंगे। इससे दुनिया में संदेश जाएगा कि कैसे अमेरिका ने संघर्ष के दौरान अपने सहयोगी और दोस्त से दूरी बना ली।

बाइडन के नेतृत्व में जल्द खत्म होगा युद्धः अमेरिकी सांसद

साक्षात्कार में खन्ना ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि लोगों को एहसास होगा कि वहां संकट है। वे लोगों के मरने की तस्वीर देखते हैं। वे चाहते हैं कि युद्ध समाप्त हो। वे चाहते हैं कि इजराइल सुरक्षित रहे लेकिन फलस्तीनियों की जान न जाए। उम्मीद है कि राष्ट्रपति के नेतृत्व में जल्द युद्ध समाप्त हो जाएगा।

यूएनएससी में पारित हुआ प्रस्ताव

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हाल ही में गाजा और इजराइल के बीच तत्काल युद्धविराम का आह्वान करते हुए एक प्रस्ताव पारित हुआ था। अमेरिका इस प्रस्ताव पर वोटिंग से दूर रहा। अमेरिका के इस रुख को लेकर इजराइल ने नाराजगी भी जताई थी। इतना ही नहीं, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने दो शीर्ष सलाहकारों की अमेरिका की प्रस्तावित यात्रा भी रद्द कर दी थी। यूएनएससी में पेश किए गए प्रस्ताव पर 15 में से 14 सदस्यों ने सहमति की मुहर लगाई थी। इसे सुरक्षा परिषद के 10 सदस्यों ने संयुक्त रूप से पेश किया था।

न्यूज ब्रीफ

हफ्तेभर से जहाज पर फंसा है भारतीय दल, मलबा हटने के बाद ही देश लौटेंगे

बाल्टीमोर। अमेरिका के बाल्टीमोर में फ्रांसिस स्कॉट पुल हादसे के करीब सप्ताहभर बाद भी चालक दल के 20 भारतीय सदस्य जहाज पर फंसे हुए हैं। हालांकि, कहा यह भी जा रहा है कि चालक दल जहाज की देखरेख भी कर रहे हैं। इस दौरान वे अधिकारियों के सवालों का जवाब भी दे रहे हैं। दुर्घटनाग्रस्त जहाज डाली बाल्टीमोर के बंदरगाह में फंसा हुआ है और फिलहाल, यह तय नहीं है कि मलबे को हटाने में कितना वक्त लगेगा। ऐसे में चालक दल के सदस्यों का जीवन अनिश्चितता में फंस गया है, लेकिन एक बात निश्चित है कि वे अब निकट भविष्य में दक्षिण अफ्रीका होते हुए अपने गंतव्य श्रीलंका के लिए रवाना नहीं होने वाले। जहाज का प्रबंधन करने वाली कंपनी सिनर्जी मरीन के लिए काम करने वाले क्रिस जेम्स ने कहा, चालक दल के सदस्यों के पास भोजन और पानी की पर्याप्त आपूर्ति है। जब राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड व तटरक्षक अपनी जांच पूरी कर लेंगे, तो चालक दल को बदला जा सकता है। जहाज पर तैनात मौजूदा चालक दल के सदस्यों को घर भेजा जा सकता है। हादसाग्रस्त कार्गो जहाज 985 फुट लंबा है। श्रीलंका जा रहे जहाज पर 4,700 कंटेनर लदे हैं। गत मंगलवार को भोर में बिजली आपूर्ति बाधित होने के बाद जहाज पुल से टकरा गया था। इससे पुल का एक बड़ा हिस्सा ताश की पत्ते की तरह गिर गया था। वहां निर्माण कार्य कर रहे छह लोग मारे गए थे। चालक दल ने बिजली आपूर्ति बाधित होने के तत्काल बाद मेडे कॉल (मदद की मांग संबंधी सूचना) प्रसारित कर दी थी। इससे पहले कि जहाज पुल से टकराता पुलिस को उस तरफ जाने वाले जहाजों को रोकने में मदद मिली। सूचना जारी करने में देरी होती, तो कई जानें जा सकती थीं। भारतीय चालक दल की इस तत्परता की अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी तारीफ की है।

भारत में वीजा प्रतीक्षा समय को कम करेंगे', अमेरिका के राजदूत ने दोहराया बाइडन का आदेश

न्यूयॉर्क। अक्सर देखा गया है कि भारतीयों को अमेरिका के वीजा के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। इस मामले में अमेरिका के राष्ट्रपति का नया आदेश राहत देने वाला है। बाइडन ने आदेश दिया है कि अमेरिका भारत में वीजा प्रतीक्षा समय को कम करेगा। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने ये बातें बताई हैं। उन्होंने वीजा नियुक्तियों और प्रतीक्षा समय पर जोर डालते हुए कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने उन्हें भारत में वीजा के लिए प्रतीक्षा समय को कम करने का आदेश दिया है। यह पहला उदाहरण है जब अमेरिका द्वारा किसी भी देश में इस बात पर गौर करने के लिए कहा गया है। गार्सेटी ने यह भी कहा कि ग्रीन कार्ड बैकलॉग का मुद्दा भी एक बड़ी समस्या है और जल्द ही इसका भी समाधान हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि कई वीजा मामलों देखते हुए यह निर्णय लिया गया है, इस आदेश से प्रतीक्षा समय में 75 प्रतिशत की कमी आएगी। अमेरिका के राजदूत ने कहा कि बात चाहे अप्रवासियों की हो, ग्रीन कार्ड की हो या स्थाई नागरिकता लेने वाले लोगों की हो, अमेरिका में भी सभी देशों की तरह किसी भी काम के लिए कुछ विधायी सीमाएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ये मानक भारतीयों के लिए निराशाजनक हैं क्योंकि बहुत सारे भारतीय हैं जो अमेरिका जाना चाहते हैं।

इजराइल को और लड़ाकू विमान-बम बेचने को तैयार अमेरिका, पेंटागन और विदेश विभाग ने भी पुष्टि

वाशिंगटन। दक्षिणी गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाई व वहां खराब होते मानवीय हालात के कारण पूरी दुनिया की चिंता बढ़ गई है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने गुपचुप तरीके से इजराइल को अरबों डॉलर के बम व लड़ाकू विमानों के निर्यात की मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फलस्तीनी नागरिकों पर प्रभाव की आशंकाओं के बावजूद वाशिंगटन ने हथियार पैकेजों को हरी झंडी दी है। यह इजराइल की रक्षा रणनीतियों के प्रति उसके अटूट समर्थन का संकेत है। रक्षा निर्यात मंजूरी में जिन हथियारों को शामिल किया गया है, उनमें 1,800 एमके-84 (2,000 पाउंड) बम व 500 एमके-82 (500 पाउंड) बम शामिल हैं। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन व विदेश विभाग के अधिकारियों ने भी इसकी पुष्टि की है। इस बीच फलस्तीनियों की भूख मिटाने के लिए अमेरिका, जापान व संयुक्त राष्ट्र की तरफ से गाजा में लगातार खाद्य सामग्रियों के पैकेट गिराए जा रहे हैं। रविवार को भी खाने के पैकेट गिराए गए। इजराइली पुलिस ने तेल अवीव में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के इस्तीफे की मांग कर रहे 16 प्रदर्शनकारियों को यातायात बाधित करने और सड़क पर जाम लगाने के मामले में गिरफ्तार किया है। प्रदर्शनकारी हमास की तरफ से गाजा में बंधक बनाए गए इस्राइलियों को रिहा करवाने की मांग कर रहे थे।

चौंकाने वाली रिपोर्ट : आतंकवाद का गढ़ बना पाकिस्तान

पिछले 3 महीने में 245 हमलों में 432 लोगों की मौत, 370 से ज्यादा घायल

इस्लामाबाद, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में आतंकवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) की ताजा रिपोर्ट में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं।

तीन महीने में 245 हमले, 432 लोगों की मौत

रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में 2024 की पहली तिमाही में आतंकवादी हमलों और आतंकवाद विरोधी अभियानों की कुल 245 घटनाएं हुई। इन हमलों और अभियानों में 432 लोगों की मौत हुई और 370 लोग घायल हो गए। सिर्फ तीन महीनों के भीतर 432 लोगों की मौत का ये आंकड़ा बताता है कि पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़ बन चुका है। खासतौर पर खैबर पख्तूनख्वा और अफगानिस्तान की सीमा से लगे बलूचिस्तान प्रांतों में बुरा हाल है। इन इलाकों में तीन महीनों में 90 प्रतिशत से ज्यादा मौतें हुई और 86 प्रतिशत हमले हुए।

रिपोर्ट बताती है कि इन जगहों के मुकाबले पाकिस्तान के बाकी क्षेत्रों में माहौल अपेक्षाकृत शांत रहा। बाकी बचे क्षेत्रों में आठ प्रतिशत से कम मौतें हुई। पाकिस्तान में साल 2024 की पहली तिमाही में सरकारी और निजी संपत्तियों को निशाना बनाने की 64 घटनाएं हुई।

बलूचिस्तान का बुरा हाल

साल 2024 की पहली तिमाही में बलूचिस्तान में हिंसा की घटनाओं में 96 प्रतिशत की आश्चर्यजनक वृद्धि देखने को मिली। 2023 की अंतिम तिमाही में बलूचिस्तान में कुल 91 मौतें हुई थी। इस साल यह संख्या बढ़कर 178 हो गई है। उधर सिंध क्षेत्र में भी हिंसा में लगभग 47 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इस अवधि के दौरान गिलगित-बाल्टिस्तान में हिंसा में कमी देखने को मिली। पिछले साल यहां एक दशक में सबसे अधिक मौतें हुई, जिसमें 17 लोगों की जान चली गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान में एक नया आतंकी संगठन उभरकर सामने आया है, जिसका नाम जाभात अंसार अल-महदी खुरासान नामक एक नया आतंकवादी समूह उभरा है।

31 मार्च, 2024 को खैबर पख्तूनख्वा के शांगला जिले में दासू बांध परियोजना पर काम कर रहे चीनी इंजीनियरों के आत्मघाती हमला किया गया था। इस हमले में पांच चीनी नागरिकों और एक स्थानीय चालक की मौत हो गई थी।

नागरिकों और सुरक्षा बल के जवानों की सबसे अधिक मौतें

साल 2024 के शुरुआती तीन महीनों में 245 आतंकी हमले और आतंकवाद विरोधी घटनाएं हुई। इनमें 200 आतंकवादी हमलों में 281 मौतें पाकिस्तान के लोगों और सुरक्षा बल के जवानों की हुई। बाकी बचे 45 आतंकवाद विरोधी अभियानों में 151 मौतें अपराधियों की हुई। सुरक्षा अधिकारियों और नागरिकों पर हमलों की संख्या आतंकियों के खिलाफ चलाए गए सुरक्षा अभियानों से करीब चार गुना अधिक है। साल 2023 की अंतिम तिमाही से तुलना करें तो पता चलता है कि इस साल की पहली तिमाही में नागरिकों और सुरक्षा अधिकारियों की मौतों में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके ठीक उलट आतंकियों की मौत में लगभग 15 प्रतिशत की कमी आई। यह देखने को मिला है कि आतंकियों और विद्रोही समूहों का मुख्य निशाना सरकारी और सुरक्षा प्रतिष्ठान थे। इनमें ग्वादर पोर्ट कॉम्प्लेक्स, माच जेल और तुरबत नेवल बेस भी शामिल थे।

निकाय चुनाव में एर्दोगन को लग सकता है झटका, मुख्य विपक्षी पार्टी ने बड़े शहरों में बनाई बढ़त

सीएचपी देश के 81 प्रांतो में से 36 में आगे चल रही है

इस्तांबुल, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। तुर्किये में नगर निकाय चुनाव में राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोगन को झटका लगा है। तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी जीत के करीब है। विपक्षी दल रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) ने प्रमुख शहरी क्षेत्रों पर बढ़त बनाई है। करीब 60 प्रतिशत मतपेटियों की गिनती के बाद, सीएचपी के निवर्तमान मेयर एक्रेम इमामोग्लू ने इस्तांबुल में पार्टी का नेतृत्व किया। वहीं, अंकारा के निवर्तमान मेयर मंसूर यावस ने भी काफी अंतर से जीत हासिल की। सीएचपी देश के 81 प्रांतो में से 36 में आगे चल रही है।

सीएचपी नेता ओजगुर ओजेल ने अपने समर्थकों से कहा कि जनता ने देश में एक नई राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करने का फैसला किया है। जनता ने 22 साल पुरानी तस्वीर को बदलने और एक नए राजनीतिक माहौल का द्वार खोलने का फैसला किया है।

एर्दोगन के राजनीतिक करियर पर नजर

एर्दोगन ने राजनीतिक करियर की शुरुआत इस्तांबुल से ही की है। साल 1994 में तुर्की के पूर्व प्रधानमंत्री नेजमेट्टिन एरबाकां की वेलफेयर पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर एर्दोगन इस्तांबुल के मेयर चुने गए और 1998 तक इस पद पर रहे। इसके बाद 2003 में प्रधानमंत्री बनकर इस पद पर तीन कार्यकाल बिताने के बाद 2014 में वह देश के राष्ट्रपति बने। वह कई मौकों पर कह चुके हैं कि जो भी इस्तांबुल जीतता है, वो तुर्किये को जीतता है।

2019 में हुआ था स्थानीय चुनाव

एर्दोगन 2014 से तुर्की के राष्ट्रपति हैं। मई 2023 में हुए आम चुनाव में वह दोबारा जीतकर राष्ट्रपति बने। जीत के बाद दिए गए अपने भाषण में ही उन्होंने स्थानीय चुनावों का बिगुल बजा दिया था। हालांकि, साल 2019 में देश भर में हुआ पिछला स्थानीय चुनाव उनके लिए निराशाजनक रहा था। उनकी जस्टिस ऐंड डेवलपमेंट पार्टी (एकेपी) देश के तीन सबसे बड़े शहरों- इस्तांबुल, अंकारा और इजमीर में हार गई थी। प्रमुख प्रतिद्वंद्वी एक्रेम इमामोग्लू से इस्तांबुल हारना एर्दोगन के लिए बड़ा झटका था। इसके बाद साल 2023 में हुए चुनाव में बहुमत हासिल करके राष्ट्रपति बनकर एक बार फिर अपने विपक्षियों पर पलटवार किया।

अमेरिका में भाजपा समर्थकों ने निकाली कार रैली, 20 शहरों से 300 लोगों ने लिया हिस्सा

वॉशिंगटन, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका में ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी (ओएफबीजेपी-यूएसए) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के समर्थन में 20 अलग-अलग शहरों में कार रैलियां निकाली। उन्होंने भारत के लोगों से आगामी चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए को 400 से अधिक सीट दिलाकर भारी बहुमत से विजयी बनाने का आग्रह किया।

मोदी के समर्थन में अमेरिका में कार रैली

ओएफबीजेपी-यूएसए के अध्यक्ष अदापा प्रसाद ने कहा, अमेरिका में भारतीय समुदाय नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा और एनडीए को 400 से अधिक सीट पर जीतता देखने के लिए बहुत उत्साहित है। मैंने भारतीय-अमेरिकी प्रवासियों में ऐसा उत्साह इससे पहले कभी नहीं देखा था।

ओएफबीजेपी-यूएसए के राष्ट्रीय महासचिव वासुदेव पटेल ने कहा, ओएफबीजेपी द्वारा पूर्वी तट से पश्चिमी तट और उत्तर से दक्षिण तक लगभग 20 शहरों में आयोजित कार रैलियों में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। अमेरिका की राजधानी और उसके आसपास के इलाकों में सिख समुदाय के लोगों ने भी पीएम मोदी के समर्थन में कार रैली निकाली। उन्होंने बताया कि भाजपा की जीत न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया में भी शांति और स्थिरता लाने के लिए महत्वपूर्ण होगी।

रैली में शामिल हुए 300 लोग

रैली में करीबन 200 कारों को शामिल किया गया था। इसमें भाग लेने के लिए विभिन्न शहरों से करीबन 300 लोग पहुंचे। अटलांटा, जॉर्जिया में 150 कारों ने इस रैली में हिस्सा लिया। इस रैली में लोग बैनर और पोस्टर लेकर पहुंचे, जिसमें लिखा था, अबकी बार 400 पार, मोदी 3.0 के लिए सिख अमेरिकी, मोदी गारंटी। लोगों ने 2024 लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते हुए देखने की इच्छा जताई।

बता दें कि कार रैली वॉशिंगटन डीसी के मैरीलैंड में आयोजित की गई। इस रैली में शामिल होने वाले लोग पहले गुरुद्वारे गए और फिर वहां से रैली वाले स्थान पर पहुंचे। सभी कारों को भाजपा और अमेरिकी झंडो से सजाया गया था।

दो अप्रैल को मतदान के लिए चुनाव आयोग ने कसी कमर, अलग-अलग मतपत्रों को लेकर की तैयारी

इस्लामाबाद, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने 2 अप्रैल को होने वाले आगामी राष्ट्रव्यापी सीनेट चुनावों के लिए सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। नेशनल असेंबली के साथ-साथ सभी चार प्रांतीय विधानसभाओं में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। सीनेट चुनावों के लिए चार अलग-अलग रंगों में विशिष्ट मतपत्र मुद्रित किए गए हैं, जो सीटों की विभिन्न श्रेणियों को दर्शाते हैं।

इस तरह मुद्रित किए गए मतपत्र

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, श्वेत पत्र सामान्य सीटों के लिए, हरा टेक्नोक्रेट सीटों के लिए, गुलाबी महिलाओं के लिए और पीला अल्पसंख्यक सीटों के लिए इंगित करेगा।रिटर्निंग अधिकारियों तक चुनाव सामग्री का परिवहन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है, जिससे चुनावी प्रक्रिया का सुचारू संचालन सुनिश्चित हो गया है। इन अधिकारियों ने सीनेट की 48 रिक्त सीटों के लिए चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची पहले ही जारी कर दी है।

इन चुनावों में 29 सामान्य सीटें, महिलाओं के लिए आठ सीटें, टेक्नोक्रेट/उलेमा के लिए

नौ सीटें और गैर-मुसलमानों के लिए दो सीटें आरक्षित हैं। इन रिक्त सीटों के लिए कुल 147 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। विशेष रूप से, 18 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं, जिनमें पंजाब की सामान्य सीटों से सात और बलूचिस्तान से अन्य शामिल हैं। हालांकि, शेष 30 सीटों के लिए मुकाबला मंगलवार को होगा, इन पदों के लिए 59 उम्मीदवार मैदान में हैं।

इसके अलावा, संघीय राजधानी से एक सामान्य और एक टेक्नोक्रेट सीट के साथ-साथ विभिन्न प्रांतों से अतिरिक्त सीटों के लिए चुनाव भी 2 अप्रैल के एजेंडे में हैं। इसमें पंजाब, सिंध और खैबर पख्तूनख्वा में महिलाओं, टेक्नोक्रेट/उलेमा और गैर-मुस्लिम सीटों के लिए चुनाव शामिल हैं।

हालांकि, खैबर पख्तूनख्वा में सीनेट चुनाव में संभावित देरी हो सकती है। ऐसा तब हो सकता है जब केपी विधानसभा के अध्यक्ष आरक्षित सीटों पर पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) से निर्वाचित महिलाओं और अल्पसंख्यक सांसदों को शपथ नहीं दिलाते हैं, जैसा कि चुनावी निकाय ने चेतावनी दी है।

गाजा अस्पताल पर इजराइली हमले पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के डायरेक्टर का बयान

मेरे पास दुख जाहिर करने के लिए शब्द नहीं : टेड्रोस गैब्रेसस

वॉशिंगटन, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। इजराइली सेना द्वारा गाजा के अस्पताल पर हवाई हमला करने की खबर है। इस हमले में चार लोगों की मौत हुई है। इजराइली हमले के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन के डायरेक्टर जनरल टेड्रोस गैब्रेसस ने बीती 18 मार्च को गाजा के अल-शिफा अस्पताल पर हुए हमले के बाद की स्थिति को लेकर दुख जताया। उन्होंने लिखा कि अस्पताल पर जब से हमला हुआ है, तब से वहां हालात बेहद खराब हैं। डब्लूएचओ चीफ ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि उनके पास अपना दुख व्यक्त करने के लिए शब्द ही नहीं हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन चीफ ने सोशल मीडिया पर लिखी ये बात

डब्लूएचओ चीफ ने सोशल मीडिया पर

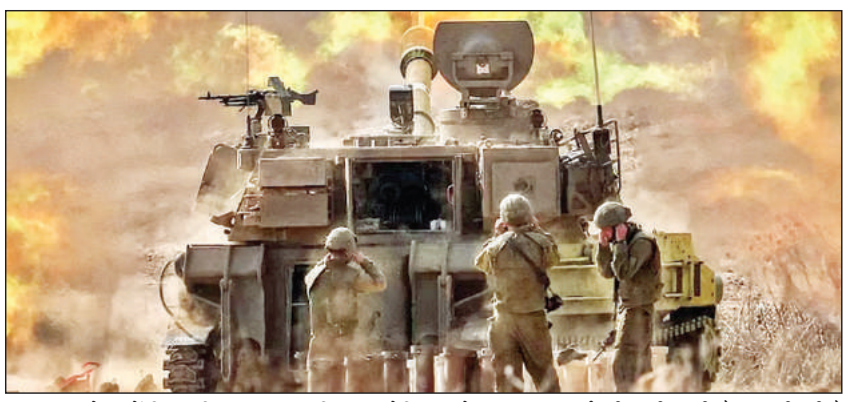

साझा एक पोस्ट में लिखा कि अस्पताल परिसर में 107 मरीज ठहरे हुए हैं, जिनके पास जरूरी चीजों की भारी कमी है। स्वास्थ्य सहायता, मेडिकल देखभाल, सप्लाई की भारी कमी है। अस्पताल के मरीजों में से चार बच्चों और 28 अन्य की हालत गंभीर है और लोग बुनियादी चीजों जैसे डायपर, यूरिन बैग और यहां तक कि पानी की भी कमी झेल रहे हैं।

डब्लूएचओ चीफ ने दावा किया कि अस्पताल में बीते हुए कल हर 15 मरीजों पर सिर्फ एक बोतल पानी उपलब्ध था। खाना भी काफी सीमित है और यह डायबिटीज जैसे मरीजों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। टेड्रोस ने इजराइल से तुरंत सीजफायर करने की अपील की। उन्होंने लिखा कि हम फिर दोहराते हैं कि सीजफायर के लिए हर पल कीमती है। एक अन्य पोस्ट में डब्लूएचओ चीफ ने कहा कि उनके पास इस पूरे दुख को व्यक्त करने के लिए शब्द ही नहीं हैं।

इजराइल का दावा- इस्लामिक जिहाद के ठिकाने पर किया हमला

विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब हाल ही में इजराइली सेना ने गाजा में अल अक्सा अस्पताल पर हवाई हमला किया है। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसके हवाई हमले में इस्लामिक जिहाद के ठिकाने के निशाना बनाया और इस हमले में इस्लामिक जिहाद आतंकी संगठन के चार आतंकी मारे गए हैं। हालांकि अस्पताल प्रशासन ने इन आरोपों से इनकार किया है कि अस्पताल परिसर का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। इस्लामिक जिहाद, हमास का सहयोगी संगठन है और अभी तक इस्लामिक जिहाद की तरफ से इजराइल के हवाई हमले को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। गौरतलब है कि गाजा में अल अक्सा अस्पताल ही आखिरी अस्पताल है, जो गाजा में संचालित हो रहा है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा

आतंकवादी पन्नू मामले से भारत के सुरक्षा हित जुड़े हैं

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश की जांच से भारत के भी सुरक्षा हित जुड़े हुए हैं। विदेश मंत्री का यह बयान भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी के उस बयान के बाद सामने आया है, जिसमें गार्सेटी ने हाल ही में कहा था कि किसी देश के नागरिक की हत्या की साजिश में दूसरे देश की सरकार के एक अधिकारी का शामिल होना, ऐसी चीज है, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता और यह लाल रेखा है।

सोमवार को जब मीडिया ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से इसे लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि इस मामले की जांच से हमारे भी सुरक्षा हित जुड़े हैं। अमेरिकी राजदूत के बयान

पर उन्होंने कहा कि अमेरिकी राजदूत वही कहेंगे, जो उनकी सरकार की सोच है। इस मामले में हमें कुछ जानकारियां उपलब्ध कराई गई हैं, जिनकी हम जांच कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने मामले की जांच पर कहा कि जब भी हमारे पास बताने के लिए कुछ होगा, तो हम जरूर उसके बारे में बताएंगे। अभी जांच चल रही है और हमारे पास बताने के लिए कुछ भी नहीं है। भारतीय नागरिकों के यूक्रेन युद्ध में फंसने पर विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने इस मामले को रूस की सरकार के समक्ष पूरी मजबूती से उठाया है। हम कोशिश कर रहे हैं कि सभी लोगों को सुरक्षित भारत लाया जा सके। बीते महीने भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी कहा था कि कई भारतीयों को भ्रम में रखकर रूस की सेना में शामिल किया गया। नई दिल्ली ने इस मामले को मजबूती से मॉस्को के सामने उठाया और सभी भारतीयों को वापस स्वदेश भेजने की मांग की। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों से ये भी अपील की कि वे एजेंट्स के भ्रामक दावों में न आएं।

कश्मीर में नेशनल हाईवे पर लड़ाकू विमान लैंड करने का ट्रायल

जम्मू, 01 अप्रैल (ब्यूरो)। कश्मीर के अनंतनाग के बिजबिहाड़ा में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनाए गए आपातकालीन रनवे पर लड़ाकू विमान उतारने को लेकर भारतीय वायुसेना अभ्यास में जुटी हुई है। वायुसेना की तरफ से इसे लेकर सभी तैयारियां कल से ही पूरी कर ली गई थीं और इसके लिए अन्य सुरक्षाबलों द्वारा सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इस ट्रायल और तैयारियों के बीच सेना ने एलओसी पर नापाक ड्रोन पर भी गोलियां बरसाईं जिसके प्रति संदेह है कि वह हथियार या नशीले पदार्थ गिरा कर गया होगा। फिलहाल तलाश जारी है।

बिजबिहाड़ा में नेशनल हाईवे पर लैंडिंग और टेक-आफ परीक्षणों से पहले सुरक्षा बढ़ाए जाने के बाद सुरक्षाकर्मी जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहरा देते नजर आए थे। वहीं, ट्रैफिक को भी डायवर्ट किया गया है। अब जम्मू-श्रीनगर के बीच यात्रा करने वाले वाहनों को पुराने राजमार्ग की

ओर मोड़ दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, 2020 में इस रनवे को तैयार किया गया था। इस रनवे को आज ट्रायल किया जाना है।

इस बीच राजौरी के सुंदरबनी सेक्टर में सोमवार को एलओसी के पास पाकिस्तानी ड्रोन ने घुसपैठ की कोशिश की। सतर्क भारतीय सेना के जवानों ने जब ड्रोन को अपनी सीमा में प्रवेश करते देखा तो गोलीबारी की। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि के दौरान केरी सेक्टर में कुछ लोगों की संदिग्ध गतिविधि भी देखी गई, जिन्हें आतंकवादी माना जा रहा है। संदिग्ध गतिविधि का पता चलने के बाद सैनिकों ने कुछ राउंड दागे। इसके बाद वे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की ओर भाग निकले। ड्रोन की हरकत के तुरंत बाद दोनों जगहों पर सेना की तरफ से बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई ड्रोन न गिराया गया हो और संदिग्धों द्वारा कुछ भी संदिग्ध न फेंका गया हो।

अधिकारियों ने बताया का एलओसी के पास दो अलग-अलग स्थानों पर एक पाकिस्तानी ड्रोन और संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही देखने के बाद सेना के जवानों ने गोलीबारी की। सुंदरबनी सेक्टर के एक अग्रिम इलाके में ड्रोन की गतिविधि देखी गई। उन्होंने कहा कि सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करते ही पाकिस्तानी क्वाडकॉप्टर को मार गिराने के लिए कम से कम चार राउंड फायरिंग की। गोलीबारी होते ही ड्रोन वापस पाकिस्तान की ओर लौट गया।

मैं सपा की नहीं, गठबंधन की विधायक: पल्लवी

अखिलेश यादव को जो करना है करें

लखनऊ, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। अपना दल (कमेरावादी) की नेता और सपा विधायक पल्लवी पटेल ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के साथ मिलकर नया गठबंधन बना लिया है। इस नए सियासी गठबंधन को पिछड़ा, दलित, मुस्लिम न्याय मोर्चा (पीडीएम) नाम दिया गया है। इस गठबंधन में प्रगतिशीत मानव समाज पार्टी और राष्ट्र उदय पार्टी भी शामिल हैं।

इस नए गठबंधन को सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की काट की तौर पर देखा जा रहा है। पल्लवी और ओवैसी ने रविवार को यहां संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में इसका एलान किया। सपा का नाम लिए बगैर पल्लवी ने कहा कि पीडीए में ए अक्षर को लेकर भ्रम की स्थिति

थी। इस भ्रम को दूर करने के लिए हमने अपने गठबंधन को पीडीएम नाम दिया है और इसमें जातियों के नाम स्पष्ट किए हैं। सपा रिश्ता खत्म होने के बाद विधायकी से इस्तीफा देने के सवाल पर पल्लवी ने कहा कि मैं सपा की विधायक नहीं हूं, बल्कि गठबंधन से विधायक हूं। अलबत्ता उनसे इस्तीफा मांगने या निकालने का अधिकार सपा अध्यक्ष के पास है। वह इस्तीफा मांग लें या मुझे निकाल दें। कर लें जो करना है, लेकिन अब पीडीएम झुकने वाला नहीं है।

वहीं, ओवैसी ने कहा कि पीडीएम न्याय मोर्चा की लड़ाई सिर्फ लोकसभा चुनाव तक ही नहीं रहेगी। मुरादाबाद में एसटी हसन का टिकट काटे जाने का जिक्र करते हुए कहा कि मुरादाबाद और रामपुर में मुसलमानों के साथ क्या हो रहा है, यह सबको पता है।

कमलनाथ के करीबी महापौर भाजपा में शामिल

भोपाल, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों में वोटिंग से पहले कांग्रेस को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। कांग्रेस और कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहाके भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। इससे पहले अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह ने भाजपा का दामन थामा था। इस पर कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ ने उन्हें गद्दार करार दिया। इसे आदिवासी नेता का अपमान बताया गया और इससे आहत होकर ही विक्रम अहाके ने कथित तौर पर भाजपा की सदस्यता ली है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने सोमवार को छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहाके को भाजपा की सदस्यता दिलाई। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा में नकुलनाथ के अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह को लेकर दिए बयान से अहाके आहत हैं। शाह आदिवासी वर्ग के बड़े नेता हैं। विक्रम अहाके भी आदिवासी हैं।

विक्रम के साथ छिंदवाड़ा नगर निगम में जल विभाग सभापति प्रमोद शर्मा, अनुसूचित जाति विभाग जिला अध्यक्ष सिद्धांत थनेसर, पूर्व एनएसयूआई जिला अध्यक्ष आशीष साहू, पूर्व एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष धीरज राऊत, पूर्व एनएसयूआई जिला कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य उपाध्याय, पूर्व एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष सुमित दुबे भी भाजपा में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा में कमलनाथ जी ने बहुत गड़बड़ की है। नकुलनाथ जी ने आदिवासी अंचल का अपमान किया था। उन्होंने विधायक कमलेश शाह को बेइमान और गद्दार कहकर आदिवासी वर्ग का अपमान किया। इसी बात से आहत होकर विक्रम अहाके ने कहा कि मुझे उस पार्टी में नहीं रहना, जहां आदिवासी वर्ग का अपमान होता है। उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली है। हम छिंदवाड़ा के विकास में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखेंगे। इस अवसर र विक्रम अहाके ने कहा कि देश और प्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। छिंदवाड़ा में इस बार कमल का फूल ही खिलेगा।

छिंदवाड़ा जिले में भाजपा लगातार पूर्व सीएम कमलनाथ को झटके दे रही है। कुछ दिन पहले छिंदवाड़ा नगर निगम में कांग्रेस के सात पार्षदों ने भाजपा की सदस्यता ली। इससे पहले पाढुर्ना नगर पालिका अध्यक्ष संदीप घोटोड़े 16 सरपंचों समेत भाजपा में आए थे। कमलनाथ के करीबी सैयद जाफर और पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना के पुत्र अजय सक्सेना के साथ ही पूर्व मंत्री तेजीलाल सरयाम की बहू सुहागवती सरयाम भी कांग्रेस से छोड़ चुके हैं। अमरवाड़ा से विधायक कमलेश शाह ने पहले विधायकी छोड़ी और फिर कांग्रेस। उपचुनाव में भाजपा उन्हें चुनाव मैदान में उतार सकती है।

छिंदवाड़ा में लगातार कांग्रेस के बड़े नेता पार्टी का साथ छोड़ रहे हैं, ऐसे में कमलनाथ को लोकसभा चुनाव जीतने के लिए नई रणनीति बनानी पड़ेगी। पिछले चार दिन में दो बड़े आदिवासी नेताओं ने पार्टी का साथ छोड़ा है। छिंदवाड़ा में आदिवासी वोट बैंक का अच्छा प्रभाव है। यदि चुनाव तक आदिवासी वोट बैंक को नहीं साधा गया तो पार्टी को काफी नुकसान हो सकता है। कमलनाथ को आदिवासी वोट बैंक को साधने के लिए नई रणनीति बनानी पड़ेगी।

भाजपा ने कमलनाथ के गढ़ में सेंध लगाने के लिए बड़ी रणनीति तैयार की है। पहले पूर्व सीएम कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगी। जब यह विफल हो गई तो भाजपा ने उनके करीबियों को तोड़ना शुरू कर दिया।

छिंदवाड़ा में भाजपा के पदाधिकारी हजारों कांग्रेसियों के पार्टी में शामिल होने का दावा कर रहे हैं। 2019 में नकुलनाथ को लोकसभा चुनाव में करीब 37 हजार वोटों से जीत मिली थी। कमलनाथ भी विधानसभा का चुनाव 25 हजार वोटों से जीते। ऐसे में कयास लग रहे हैं कि इस बार पूर्व सीएम को अपना गढ़ बचाना बड़ी चुनौती होगा।

दान की प्रेम-परिभाषा लिखी जा रही है कश्मीर में

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 01 अप्रैल (ब्यूरो)। कश्मीर में दान की बिल्कुल नई परिभाषा लिखी जा रही है। जहां लोग परंपरागत रूप से शांतिपूर्ण जीवन के लिए दान करते रहे हैं, वहीं एक अज्ञात युवक अपने प्यार के लिए लोगों को रोजा तोड़ने में मदद कर रहा है।

इसके प्रति सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसे बाद में हटा लिया गया था। इस वीडियो में इफ्तार नाश्ते की किटें एक लड़के या एक आदमी को श्रीनगर की सड़क पर वितरित करते हुए दिखाया गया है, जिसमें एक चिट है जिसमें वह प्रार्थना कर रहा है कि उसकी प्रेम कहानी सफल हो। वीडियो ध्यान और व्यूज बटोर रहा था, क्योंकि इसे विभिन्न पेजों ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर व्यापक रूप से साझा किया था। यह कहानी श्रीनगर शहर के डॉ. अली जान रोड के आसपास की है, जहां कुछ लोगों ने लोगों के बीच इफ्तारी के पैकेट बांटे। एक यात्री, जिसे उनमें से दो पैकेट मिले, वह उन्हें घर ले गया और जब उसने पैकेट खोले, तो उसमें जूस, खजूर और एक छोटी चिट का पैकेट

था।

चिट पर लिखे संदेश ने ही उस व्यक्ति का ध्यान खींचा। चिट में लिखा था, कृपया मेरे लिए प्रार्थना करें कि मैं उससे शादी कर लूं। यही संदेश उर्दू भाषा में भी लिखा हुआ था। दान को दिलचस्प पाते हुए, अज्ञात रेसर ने इसका एक छोटा सा वीडियो बनाने और इसे सोशल मीडिया पर डालने का फैसला किया। पिछले तीन दिनों में यह वायरल हो गया। वीडियो साझा करने वाले उपयोगकर्ता को अपने परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में संदेश को जोर से पढ़ते हुए सुना जा सकता था, जबकि परिवार की एक महिला सदस्य उसका उच्चारण सही कर रही थी। जैसे ही वीडियो वायरल हुआ, इसे बेतुकी समीक्षाएं मिलने लगीं। कुछ टिप्पणियां सराहनीय थीं क्योंकि लोगों को लगा कि लड़के ने लोगों से उसके प्यार के लिए प्रार्थना करने को कहा है, जबकि कुछ अन्य टिप्पणियां थोड़ी घटिया थीं।

कश्मीर में, लोगों के एक बड़े वर्ग को अक्सर तीर्थस्थलों पर जाते देखा जाता है, जहां वे या तो कपड़े के टुकड़े बांधकर या धागे बांधकर या गहने पेश करके या बलिदान देकर अपनी इच्छाएं या मन्नत मांगते हैं। आस्था की इन गांठों को शेष दुनिया में शिमेनावा के नाम से जाना जाता है, ज्यादातर शिंटो तीर्थस्थलों के संदर्भ में। कुछ परिधीय मंदिरों में, कपड़े की झाड़ियां भी हैं जहां लोग अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए कपड़े के टुकड़े बांधते हैं।

हालांकि, यह वीडियो लड़के या आदमी के लिए ताजी हवा के झोंके की तरह आता है; नायक इफ्तारी के पैकेट वितरित करके अपने लोगों की इच्छाओं और दुआओं को मांगना चुनता है। लड़के को इस बात का श्रेय जाता है कि उसने न तो अपनी पहचान बताई और न ही ऐसा कोई संकेत दिया जिससे महिला की पहचान हो सके। इफ्तारी बांटना कश्मीर में एक पुरानी प्रथा रही है, जहां विशेष रूप से युवा लड़कों को सड़कों पर यात्रा करने वाले लोगों को बाबरी ब्यौल ट्रेश (दूध, पानी और तुलसी के बीज से बना एक पारंपरिक पेय) और खजूर बांटते देखा जाता है। श्रीनगर में इफ्तार के समय युवाओं के समूह बसें रोककर यात्रियों को इफ्तार के पैकेट बांटते नजर आते हैं।

भले ही लोगों ने प्यारे इफ्तार-खिलाने वाले के लिए प्रार्थना की हो या नहीं, तथ्य यह है कि सफलता के लिए उनका संघर्ष लंबे समय तक सार्वजनिक डोमेन में रहेगा। इसके अलावा, यह पहली बार है कि किसी ने अपने दिल के करीब किसी चीज के लिए अज्ञात से आशीर्वाद लेने का दिलचस्प रास्ता अपनाया है।

पप्पू यादव अब लालू के भरोसे

कांग्रेस को पूर्णिया सीट देने का आग्रह

पटना, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। जन अधिकार पार्टी का विलय करवा कर कांग्रेस में शामिल हुए पप्पू यादव ने नामांकन पर्चा दाखिल करने की तारीख में बदलाव कर दिया है। पप्पू यादव अब दो अप्रैल की जगह चार अप्रैल को अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे। पप्पू यादव अब भी कांग्रेस के सिंबल का इंतजार कर रहे हैं। आलाकमान से उनकी लगातार बात हो रही है। साथ ही पप्पू यादव राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से भी पूर्णिया सीट पर विचार करने की अपील कर रहे हैं। उन्हें अब भी उम्मीद है कि उनकी बात मान ली जाएगी। इधर, सोशल मीडिया पर पूर्व सांसद पप्पू यादव ने लिखा कि देश भर में फैले पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र के साथी मेरे जन नामांकन में शामिल होना चाहते हैं, उनकी सुविधा के लिए पूर्णिया की महान जनता द्वारा प्रस्तावित नामांकन तिथि 2 अप्रैल की जगह 4 अप्रैल हो गया है। आप सब इसमें शामिल हो, आशीष दें। पप्पू यादव ने आगे लिखा कि बिहार में इंडी गठबंधन के बड़े भाई राजद के प्रमुख आदरणीय लालू जी से पुनः आग्रह है कि वह गठबंधन हित में पूर्णिया सीट पर पुनर्विचार करें, कांग्रेस के लिए छोड़ दें!

कश्मीर में जोर नहीं पकड़ रही तरबूज की बिक्री

जम्मू, 01 अप्रैल (ब्यूरो)। खाद्य सुरक्षा विभाग की मंजूरी मिलने के बावजूद इस साल कश्मीर में तरबूज की बिक्री कम बनी हुई है। कई विक्रेताओं ने कहा कि हालांकि मंजूरी के बाद बिक्री में थोड़ा सुधार हुआ है, लेकिन पिछले साल की तुलना में यह काफी कम है। तरबूज विक्रेताओं का कहना था कि यह गिरावट कुछ डाक्टरों द्वारा तरबूज को कृत्रिम रूप से पकाने के दावों और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण है। विक्रेता मोहम्मद रमजान का कहना था कि कृत्रिम रूप से पकाने की खबरें सामने आने के बाद उनके परिवार के सदस्यों ने भी तरबूज खाने से परहेज किया है।

खाद्य सुरक्षा विभाग से मंजूरी के बावजूद, उपभोक्ताओं के बीच अनिच्छा जारी है, खासकर रमजान के दौरान जब तरबूज की खपत पारंपरिक रूप से अधिक होती है। अन्य फल विक्रेताओं ने भी इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए कहा कि कृत्रिम रूप से पकाने के दावों का तरबूज की बिक्री पर हानिकारक प्रभाव पड़ा है। कश्मीर वैली फ्रूट ग्रोअर्स कम डीलर्स यूनियन के अध्यक्ष बशीर अहमद बशीर कहते हैं कि विभाग की मंजूरी के बावजूद, बिक्री अभी भी

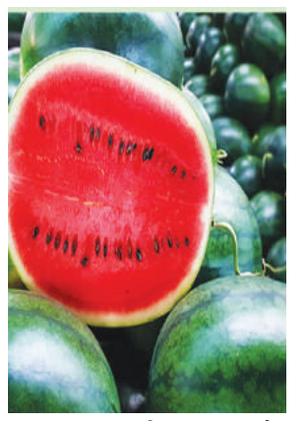

लगभग 40 प्रतिशत कम है। बिक्री में गिरावट तब देखी गई जब क्लिनिकल आन्कोलाजिस्ट डॉ वजाहत ने कैंसर सहित संभावित स्वास्थ्य जोखिमों के कारण कृत्रिम रूप से पकाए गए तरबूज खाने के प्रति आगाह किया। आठ मार्च को उनका सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो गया और साथी डॉक्टरों का समर्थन प्राप्त हुआ।

इसके बाद, खाद्य सुरक्षा विभाग ने परीक्षण के लिए विभिन्न जिलों से सैकड़ों नमूने एकत्र किए और निष्कर्ष निकाला कि कुछ भी प्रतिकूल नहीं पाया गया और तरबूज उपभोग के लिए सुरक्षित हैं। हालांकि, डाक्टरों द्वारा किए गए शुरुआती दावों का असर उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है, जिसके कारण कश्मीर में तरबूज की बिक्री कम हो गई है।

कश्मीर में सिर्फ मीट ही नहीं बल्कि तरबूज और खजूर की खपत भी पिछले साल एक रिकार्ड बना चुकी है। कश्मीरियों ने पिछली बार रमजान के पवित्र महीने में खजूर खाने में नया रिकार्ड कायम किया था। हालांकि वर्ष 2022 की तरह तरबूज की खपत प्रथम स्थान पर ही रही थी पर इस बार इसमें खजूर भी जुड़ गई थी। रिकार्ड के अनुसार, पिछले साल रमजान के दिनों में कश्मीरियों ने 150 ट्रक खजूर खा ली थी। और इस साल इनकी खपत 200 ट्रक से अधिक होने की है।

दरअसल हर साल रमजान के पवित्र महीने में तरबूज की बिक्री आम तौर पर बढ़ जाती है। पर पिछली बार कश्मीरियों को खजूर भी बहुत पसंद आई थी। पत्रकारों से बात करते हुए ड्राई फ्रूट एसोसिएशन के अध्यक्ष बहादुर खान ने बताया कि पिछले रमजान में करीब 150 ट्रक खजूर कश्मीर पहुंचे थे और इस बार इनका आना शुरू हो चुका है। कश्मीर में जो खजूर खाए जाते हैं उनमें ज्यादातर अजवा हैं और ज्यादातर श्रीनगर लाए जाते हैं। फिर श्रीनगर से, विभिन्न जिलों के विभिन्न वितरकों को खजूर बेचे जाते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

थोड़ा विश्राम करें और काम के बीच-बीच में जितना हो सके, उतना आराम करते रहें। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपनी रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है। आपकी चिंताएं आज आपको जीवन का आनंद लेने से आपको रोक सकती हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। आपका जीवनसाथी आपसे नाराज़ हो सकता है, क्योंकि आप उनसे कोई बात साझा करना भूल गए थे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। दिन अच्छा है दूसरों के साथ-साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे। किसी ख़ूबसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है। इसलिए वाद-विवाद की हालत में पुराने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें। स्वयं के लिए अच्छा समय निकालना बढ़िया रहेगा। यदि आप अपने मित्रों को इसमें सहभागी बनाएँ, तो आनन्द दोगुना हो जाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़ुद को ज़्यादा आशावादी बनने के लिए प्रेरित करें। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आध्यात्म की ओर आज आपका झुकाव देखा जा सकता है और आप किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। उदास न हों, कभी-कभी विफल होना कोई ख़राब बात नहीं है। यह तो ज़िंदगी की ख़ूबसूरती है। आपके जीवनसाथी की कामकाज को लेकर व्यस्तता आपकी उदासी का कारण बन सकती है। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बहुत ज़्यादा चिंता और तनाव की आदत आपकी सेहत बर्बाद कर सकती है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। आपके लिए अपने प्रिय से दूर रहना बहुत मुश्किल होगा। आज आपको महत्वपूर्ण मामलों पर ध्यान लगाने की ज़रूरत है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है। जिन दोस्तों से अरसे से मुलाक़ात नहीं हुई है, उनसे मिलने के लिए सही समय है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता हैं।किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। आज आप अपने जीवनसाथी से काफ़ी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं। ऑफिस के दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताना आपके लिए अच्छा नहीं है ऐसा करके आप अपने घर वालों के गुस्से का शिकार हो सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। आपकी मुलाक़ात एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, या धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। ऐसा लगता है कि आपके जीवनसाथी आज आपके ऊपर ख़ास ध्यान देंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के साथ शाम वक्त बिता सकते हैं थकावट दूर होगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आज के दिन आपको जो खाली समय मिलने वाला है, उसका भरपूर लाभ लें और अपने परिवार के साथ कुछ प्यार भरे पल गुज़ारें। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक़्क़तों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। किसी करीबी और पुराने मित्र से मिलकर आज आप अतीत के सुनहरे दिनों में खो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को जमीन के कारोबार मे आपको मुनाफा होगा। बच्चे भले ही आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हों, लेकिन साथ ही ख़ुशियों की वजह भी साबित होते हैं। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। पूजा-पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। ख़र्चों को लेकर जीवनसाथी से तनातनी संभव है। बिना किसी को बताए आज आप घर में छोटी-मोटी पार्टी रख सकते हैं।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 02 अप्रैल 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2080
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 08:11 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा रात्रि 10:49 तक
योग : परिघ रात्रि 06:34 तक
करण : बालव प्रातः 08:46 तक
चन्द्रराशि : धनु उत्तर रात्रि 04:37 तक
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कालाष्टमी
शीतला अष्टमी ,खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

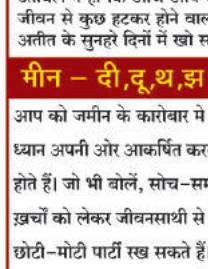

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बेटे को मुख्यमंत्री बनाना गहलोत का एक ही लक्ष्य: शाह

जोधपुर, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा है कि राजस्थान में कांग्रेस नेता अशोक गहलोत का एक ही लक्ष्य है कि बेटे को मुख्यमंत्री बनाना हैं।

श्री शाह ने सोमवार को यहां जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इसी तरह सोनिया गांधी राहुल गांधी को, लालू प्रसाद, उद्धव ठाकरे एवं स्टालीन अपने बेटे को तथा ममता बनर्जी अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते है। उन्होंने कहा कि ऐसे में ये नेता भारत के युवाओं के लिए क्या सोचेंगे। युवा के बारे में तो श्री मोदी और भाजपा सोचती हैं।उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता लोकतंत्र को बचाने की बात कर रहे है लेकिन 12 लाख करोड़ के घोटाले करोगे तो जेल भी जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के चुनाव के समय से ही भाजपा ने कहा था कि जो भ्रष्टाचार करेगा वह जेल की सलाखों के पीछे जायेगा।

श्री शाह ने राजस्थान की भजनलाल सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि एसआईटी बनाकर पेपरलीक के मामले में चुनचुन कर आरोपियों को जेल में डालने का काम किया गया है। पांच ही महीने में ईआरसीपी को जमीन पर उतारने का काम किया गया और श्री मोदी के आर्शीवाद से युमना के जल पर समझौते का काम भी पूरा कर दिया गया। इतना ही नहीं 450 रुपए में गैस सिलेण्डर भी देने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि श्री राहुल गांधी की दादी ने आपातकाल में नेताओं को जेल में डालने का काम किया, ऐसे में राहुल गांधी को लोकतंत्र की बात करने का अधिकार नहीं हैं।उन्होंने कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि ये तुष्टिकरण करने वाले लोग हैं लेकिन भाजपा के शासन में न्याय सबके साथ होगा और तुष्टिकरण किसी के साथ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि चाहे कितने ही दल इक्कट्ठा कर लो आयेगा तो मोदी ही। जनता के पास जाये हिसाब लेकर जाये। उन्होंने कहा कि श्री मनमोहन सिंह को सत्ता में दस साल मिले लेकिन उन्होंने राजस्थान को क्या दिया, केवल एक लाख 61 हजार करोड़ जबकि श्री मोदी ने अपने अपने दस साल में छह लाख 24 हजार करोड देने का काम किया।उन्होंने कहा कि हमने सार्वजनिक रुप से हिसाब दे दिया हैं और श्री गहलोत अपने बेटे को जीताने से फ्री हो जाये तो उनसे बहस के लिए भी भाजपा तैयार है।

राजस्थान में आठ सौ से अधिक अवैध हथियार जब्त 1.53 लाख लाइसेंसी हथियार कराए गए जमा

जयपुर, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान में भयमुक्त, निष्पक्ष और भेदभाव रहित चुनाव करवाने के लिए प्रदेश भर में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इस सिलसिले में राज्य पुलिस ने अब तक आठ सौ से अधिक अवैध हथियार जब्त किए हैं। साथ ही 1.53 लाख लाइसेंसी हथियार जमा किए गए हैं। चुनाव गतिविधियों के संदर्भ में इस कार्रवाई के बारे में राजस्थान पुलिस मुख्यालय की ओर से भारत निर्वाचन आयोग को नियमित रूप से रिपोर्ट भी भेजी जा रही है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त प्रवीण गुप्ता ने बताया कि 16 मार्च को लोकसभा आम चुनाव 2024 का कार्यक्रम घोषित हो गया था। उसके साथ ही आचार संहिता लागू कर दी गई थी। उसके बाद से ही राज्य पुलिस द्वारा अवैध हथियारों और वांछित अपराधियों की धरपकड़, लाइसेंसी हथियारों को जमा करने तथा चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें पाबंद करने की कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, राज्य पुलिस ने अब तक 804 अवैध हथियार, 372 गोलियां, 1,268 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ और सात आईईडी (बम) जब्त किए हैं। एक अवैध हथियार निर्माण फैक्ट्री पर भी छापे की कार्रवाई की गई है।

गुप्ता ने बताया कि राज्य पुलिस ने प्रदेश भर में कुल 1,62,777 लाइसेंसशुदा हथियारों में से 1,53,459 को विभिन्न पुलिस थानों में जमा करवाया है। 1,692 हथियार लाइसेंस निरस्त किए गए हैं और 46 हथियारों को जब्त किया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने 36,247 लोगों को अपराध प्रक्रिया संहिता की धाराओं 107, 108, 110 और 151 आदि के तहत पाबंद किया है। इसी प्रकार, 77,108 लोगों को संहिता की उक्त धाराओं के साथ ही 109 और 116(3) धाराओं के तहत पाबंद किया है। इस अवधि में 1,621 लोगों को विभिन्न अपराधों के विषय में नोटिस भी जारी किए हैं। गुप्ता ने बताया कि राजस्थान पुलिस ने प्रदेश में कुल 1,400 ढाणियों को संवेदनशील आबादी और 4,321 व्यक्तियों को गड़बड़ी फैलाने वाले संदिग्ध लोगों के रूप में चिन्हित किया है। साथ ही, राजस्थान में 229 अन्त:राज्य और 297 अंतर्राज्यीय पुलिस नाके लगाए गए हैं। स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रलोभन तथा धन-बल रहित चुनाव के लिए राज्य भर में कुल 3,781 सतर्कता दल भी सक्रिय हैं।

खाटू श्याम से लौट रही कार में अचानक लगी आग, बाल-बाल बचे चालक और श्रद्धालु

सीकर,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

जिले के रींगस कस्बे में उस समय एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब शाम को श्रद्धालुओं से भरी एक स्कॉर्पियो गाड़ी ने अचानक आग पकड़ ली। गनीमत यह रही कि गाड़ी का चालक और गाड़ी में सवार सभी लोग समय रहते उतर गए, जिससे उनकी जान बच गई। जानकारी के अनुसार, कोटपूतली निवासी संदीप राठौर अपने परिजनों के साथ खाटू श्याम जी के दर्शन करने के लिए आया हुआ था।

वह लोग खाटू श्याम जी में बाबा श्याम के दर्शन करने के बाद वापस लौट रहे थे। रींगस कस्बे के पास पहुंचते ही अचानक उनकी स्कॉर्पियो गाड़ी के बोनट में से धुंआ उठने लगा। इसके कुछ ही देर में आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। गाड़ी में आग लगती देख आसपास के इलाके में भी सनसनी फैल गई। उसके बाद गाड़ी में आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड दी गई, जिस पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

छात्रों की लड़ाई में बीच बचाव करने पहुंचे शिक्षक को परिजनों ने जमकर पीटा

भरतपुर, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

बयाना थाना इलाके के एक टीचर की पिटाई का वीडियो वायरल हो रहा है। छात्रों के दो गुटों में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। मौके एक गुट के छात्रों का टीचर भी पहुंच गया। इतने में दूसरे गुट के छात्रों के परिजन मौके पर पहुंच गए। फिर उन्होंने टीचर की लाठियों से पिटाई कर दी। अब पिटाई के वीडियो को सोशल मीडिया पर साझा किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना 30 मार्च की है। बताया जा रहा है कि 30

मार्च को 10वीं कक्षा का पेपर था। कनावर गांव के पुरोहित शिक्षण संस्थान स्कूल और नगला जहाजिया गांव के एक निजी स्कूल का सेंटर दहगांव के सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पड़ा था। दोनों निजी स्कूलों के छात्र पेपर देने पहुंचे। पेपर खत्म होने के बाद दोनों निजी स्कूलों के छात्र स्कूल से बाहर आए। इसी दौरान दोनों स्कूल के छात्रों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। उसके बाद दोनों गुट आपस में कहासुनी करने लगे।

इस बीच कनावर गांव के स्कूल पुरोहित शिक्षण संस्थान का एक टीचर मौके पर पहुंच गया और छात्र गुटों के बीच-बचाव करवाने लगा।

इतने में वहां नगला जहाजिया गांव के निजी स्कूल में पढ़ने वाले स्टूडेंट के परिजन पहुंच गए। उन्होंने आते ही टीचर की पिटाई करना शुरू कर दिया।

छात्र और उनके परिजनों ने टीचर की लाठी-डंडों से जमकर पिटाई की। इसी दौरान वहां मौजूद एक व्यक्ति ने घटना का वीडियो बना लिया। उसके दो दिन बाद टीचर की पिटाई के वीडियो को सोशल मीडिया पर डाल दिया।

किसान मौत मामले में हरियाणा सरकार को झटका

शीर्ष अदालत का हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार

चंडीगढ़/नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के एक आदेश पर रोक लगाने से इनकार किया। दरअसल, उच्च न्यायालय ने किसान शुभकरण सिंह की मौत की जांच के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश दिया था। हरियाणा सरकार ने इसे शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति द्वारा मामले की निगरानी निष्पक्षता और पारदर्शिता को बढ़ावा देगी। सर्वोच्च न्यायालय हरियाणा सरकार की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में उच्च न्यायालय के 7 मार्च के आदेश को चुनौती दी गई थी। उच्च न्यायालय ने इस साल फरवरी में प्रदर्शनकारी किसानों और हरियाणा के सुरक्षा कर्मियों के बीच झड़प के दौरान शुभकरण सिंह की मौत की जांच के लिए एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित की थी।

बठिंडा के रहने वाले शुभकरण (21 वर्षीय) की मौत पंजाब-हरियाणा सीमा पर खनौरी में 21 फरवरी को हुई झड़प के दौरान हो गई थी। तब कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे। यह घटना तब हुई, जब प्रदर्शनकारी किसान बैरिकेड की ओर जाने की कोशिश कर रहे थे। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें राज्य की सीमा पार करने और दिल्ली की ओर जाने से रोक दिया था। हरियाणा सरकार की याचिका न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथ की पीठ के सामने सोमवार को सुनवाई के लिए आई। राज्य सरकार की ओर से सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए। उन्होंने उच्च न्यायालय के आदेश के एक पैराग्राफ का हवाला दिया और कहा कि इससे पुलिस बल का मनोबल गिरेगा।उन्होंने कहा, अगर पुलिस को हर घटना के लिए जनहित याचिका (पीआईएल) का सामना करना पड़ेगा तो वह कानून-व्यवस्था कैसे बनाए रखेगी। मेहता ने कहा, सैकड़ों लोग घातक हथियारों के साथ वहां जमा हो

गए थे। इस पर पीठ ने कहा कि कभी-कभी जन आंदोलन में कुछ शरारती तत्व स्थिति का अनुचित फायदा उठाते हैं। इसके बाद मेहता ने कहा कि घटना के दौरान 67 पुलिस कर्मी घायल हुए और अगर समितियां गठित की जाती हैं तो कानून-व्यवस्था बनाए रखने वालों का मनोबल क्या होगा। पीठ ने कहा, उच्च न्यायालय मौत को लेकर चिंतित है और मृतक के परिजनों ने कुछ आशंकाएं व्यक्त की हैं। तीन सदस्यीय समिति की अध्यक्षता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश कर रहे हैं। हम निष्पक्षता और पारदर्शिता लाने के लिए पूर्व न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। इस पर मेहता ने कहा, शीर्ष अदालत किसी अधिकारी को चुन सकती है और मामले में जांच की निगरानी कर सकती है। फिर अदालत ने टिप्पणी की, उच्च न्यायालय 10 अप्रैल को फिर से इस मामले पर सुनवाई करेगा। देखते हैं क्या होता है। मामला उच्च न्यायालय के सामने लंबित है। इस पर मेहता ने कहा कि वह समिति या उसके सदस्यों के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने उच्च न्यायालय के एक निर्देश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि समिति इस मुद्दे का भी अध्ययन करेगी कि इन तारीखों में इस्तेमाल किया गया बल स्थिति के अनुरूप था और अपनी रिपोर्ट देगी।

पीठ ने कहा, पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली समिति केवल मामले की निगरानी करेगी। इससे भरोसा पैदा होगा। इसने आगे कहा, हम नहीं चाहते कि शीर्ष अदालत सभी समस्याओं का रामबाण इलाज बने। पीठ ने कहा, उच्च न्यायालय भी एक संवैधानिक अदालत है और वह इस मुद्दे से निपटेगा। अदालत ने आगे कहा, यह कोई सामान्य मामला नही हैं। यह ऐसा मामला है, जहां अलग-अलग राज्यों के दो पुलिस बलों का रुख अलग-अलग है और उच्च न्यायालय ने एक 'अंपायर' नियुक्त किया है। शीर्ष अदालत ने कहा, न्यायपालिका पुलिस बल के साथ-साथ लोगों के मनोबल का भी ध्यान रखेगी। मामले की अगली सुनवाई 19 अप्रैल को होगी। उच्च न्यायालय ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश जयश्री ठाकुर की अध्यक्षता में समिति गठित की थी। इसके साथ ही कहा था कि शुभकरण की मौत के संबंध में जांच का जिम्मा न तो पंजाब को सौंपा जा सकता है और नहीं हरियाणा को। क्योंकि दोनों राज्यों के पास छिपाने के लिए कई बाते हैं। इसमें कहा गया था कि समिति की सहायता अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (पंजाब) प्रमोद बान और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (हरियाणा) अभिताभ सिंह ढिल्लों करेंगे। पंजाब पुलिस ने इस मामले में एक जीरो एफआईआर दर्ज की थी।

भंडारे में गई नौ साल की मासूम से सामूहिक दुष्कर्म, केस दर्ज

सोनीपत, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

खरखौदा थाना क्षेत्र के गांव में रहने वाली नौ साल की बच्ची के साथ पड़ोस के लड़के व उसके साथी ने सामूहिक दुष्कर्म कर दिया। बच्चे घर से भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने गई थी। वहां दोनों लड़के बच्ची को एक ड्रेन की तरफ ले गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के का एक परिवार खरखौदा थाना क्षेत्र के गांव में किराये पर रहता है। परिवार की महिला ने बताया कि रविवार को उनकी नौ वर्षीय बेटी गांव में आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने के लिए गई थी। उसके बाद काफी देर तक घर नहीं लौटी। उन्होंने बेटी की तलाश की, लेकिन वह कहीं पर भी नहीं मिली। काफी देर बाद बेटी घर पहुंची और उसने बताया कि पड़ोस का ही एक लड़का अपने साथी के साथ उसे बहकाकर ड्रेन के पास ले गया था। महिला का आरोप है कि बेटी ने बताया कि दोनों ने वहां उसके साथ गलत काम किया। महिला ने दोनों युवकों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है। इस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश की जा रही है। दोनों का पता लगाकर जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डाइट संस्थान में 100 से अधिक लोगों को मधुमक्खियों ने काटा

चरखी दादरी, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

जिले के गांव बिरहीकलां स्थित डाइट संस्थान में सोमवार को मधुमक्खियों के झुंड ने छात्र अध्यापकों और अभिभावकों पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों के काटने पर 100 से अधिक लोगों को एंबुलेंस और दूसरी गाड़ियों में सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। इस दौरान मधुमक्खियों का झुंड भी उनका पीछा करते हुए बिरहीकलां से 18 किलोमीटर दूर स्थित सिविल अस्पताल तक पहुंच गया। इससे अस्पताल परिसर में भी अफरा-तफरी मच गई। सोमवार को बिरहीकलां स्थित डाइट संस्थान में चरखी दादरी और भिवानी के 35 डीएलएड (डिप्लोमा इन एलिमेंटरी एजुकेशन) संस्थानों के 1300 छात्र अध्यापकों का प्रशिक्षण शिविर था।

करनाल उपचुनाव मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई चुनाव आयोग से 30 अप्रैल तक मांगा जवाब

चंडीगढ़, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

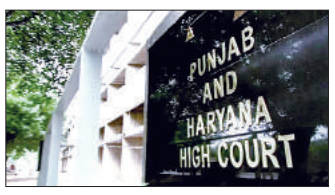

हरियाणा में करनाल विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। अब इस याचिका पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने चुनाव आयोग सहित अन्य प्रतिवादियों को 30 अप्रैल के लिए नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। करनाल में 25 मई को उपचुनाव होना है। पंचकूला निवासी रविंदर सिंह ने एक जनहित याचिका दाखिल कर हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल एक साल से कम होने की दलील देते हुए चुनाव रद्द करने की मांग की थी। इस याचिका में बीते दिनों आए महाराष्ट्र के अकोला उपचुनाव को रद्द करने के मुंबई हाईकोर्ट की नागपुर बेंच के फैसले को आधार बनाया गया है। वहां पर भी विधानसभा कार्यकाल एक वर्ष से कम होने के चलते उपचुनाव रद्द करने का आदेश जारी किया गया है।

याची ने बताया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 151ए के अनुसार यदि विधानसभा का कार्यकाल एक वर्ष से कम है तो चुनाव आयोग के पास उपचुनाव कराने का अधिकार नहीं होता है। महाराष्ट्र के अकोला के लिए भी चुनाव आयोग ने 15 मार्च को अधिसूचना जारी कर 26 अप्रैल को चुनाव करवाने का निर्णय लिया था। इस फैसले को बांबे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी और कोर्ट ने चुनाव अधिसूचना को रद्द कर दिया। याची ने कहा कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 151-ए की व्याख्या बहुत सरल और स्पष्ट है और इसमें कोई अस्पष्टता नहीं है। एडवोकेट हेमंत कुमार ने बताया कि यदि मामला केवल एक विधानसभा सीट का होता तो चुनाव रोका जा सकता था लेकिन यहां मामला मुख्यमंत्री से जुड़ा है जिन्हें 6 माह के भीतर चुनाव जीतना है। ऐसे में चुनाव आयोग को अधिकार है कि वह उपचुनाव करवा सकता है। 1986 में भी भिवानी जिले की तोशाम सीट पर ऐसे ही उपचुनाव कराया गया था। वर्ष 1999 में ओडिशा के तत्कालीन मुख्यमंत्री और लोकसभा सांसद गिरिधर गमांग के लिए भी एक वर्ष से कम अवधि के लिए विधानसभा उपचुनाव कराया गया था।

बायजूस कर्मचारियों को 8 अप्रैल तक मिलेगी मार्च की सैलरी, फरवरी की सैलरी मिलने में भी हुई थी देरी

नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

नकदी के संकट से जूझ रही एडटेक कंपनी बायजूस के एम्प्लॉइज को मार्च की सैलरी के लिए 8 अप्रैल तक इंतजार करना होगा। इस बात की जानकारी 01 अप्रैल को कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक लेटर में दी है। बायजूस में अभी 15 हजार से ज्यादा एम्प्लॉइज काम करते हैं। सभी एम्प्लॉइज को उम्मीद थी कि उन्हें उनकी सैलरी सोमवार को मिल जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बायजू को अपने एम्प्लॉइज को मार्च की सैलरी देने में देरी का सामना इसलिए करना पड़ रहा है, क्योंकि इन्वेस्टर्स के साथ चल रहे विवाद के कारण हालिया राइट्स

इश्यू के माध्यम से जुटाया गया फंड एक अलग अकाउंट में लॉक कर दिया गया।

बायजूस के मैनेजमेंट ने एम्प्लॉइज को भेजे लेटर में कहा, हम आज आपको भारी मन से लेकिन आशा और आश्वासन के साथ यह लेटर लिख रहे हैं। हमें आपको यह बताते हुए खेद है कि कंपनी को सभी एम्प्लॉइज को सैलरी देने में फिर से देरी होगी। कंपनी ने लेटर में आगे लिखा, बायजूस के कुछ मिसगाइड फॉरेन इन्वेस्टर्स को फरवरी के आखिरी में एक इंटरिम ऑर्डर प्राप्त हुआ है, जिसमें सक्सेसफुल राइट्स इश्यू के माध्यम से जुटाए गए फंड के यूज पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। चार फॉरेन इन्वेस्टर्स की इस गैर-जिम्मेदाराना हरकत ने हमें प्रतिबंध हटने तक सैलरी डिस्ट्रीब्यूशन को अस्थायी रूप से रोकने के लिए मजबूर कर दिया है।बायजूस को पिछले महीने भी अपने कर्मचारियों को सैलरी देने में देरी हुई थी। तब कंपनी ने कर्मचारियों को फरवरी की सैलरी के लिए 10 मार्च तक इंतजार करने को कहा था। तब कंपनी के फाउंडर और सीईओ बायजू रवींद्रन ने कर्मचारियों को एक लेटर भेजकर इस बात की जानकारी दी थी। तब बायजू रवींद्रन ने कर्मचारियों से कहा था, 'हमारे 150 से ज्यादा निवेशकों के ग्रुप में से 4 निवेशक निचले स्तर तक गिर गए हैं। इस कारण हम आपको वेतन का भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। हमने सैलरी देने के लिए ही राइट्स इश्यू के जरिए फंड जुटाया था, लेकिन यह निवेशकों के साथ चल रहे कानूनी विवाद के चलते अभी एक अलग खाते में बंद है।रवींद्रन ने कहा था, 'यह एक दुखद वास्तविकता है कि कुछ निवेशकों ने पहले ही पर्याप्त मुनाफा कमा लिया है। इनमें से एक ने अपने शुरुआती निवेश से 8 गुना तक अधिक मुनाफा कमाया है। हम फिलहाल आपको वित्तीय सहायता देने में असमर्थ हैं, जिसके आप हकदार हैं। हम प्रयास कर रहे हैं कि आपके वेतन का भुगतान 10 मार्च तक कर दिया जाए। हम सैलरी तभी दे सकेंगे, जब हमें कानून के मुताबिक ऐसा करने की अनुमति मिलेगी। पिछले महीने कंपनी को फंड की कमी के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा था और अब हम फंड होने के बावजूद देरी का सामना कर रहे हैं। बायजूस के निवेशकों प्रोसस एनवी, पीक एक्सवी पार्टनर्स, जनरल अटलांटिक और सोफिना एसए ने 225 मिलियन डॉलर के पोस्ट-मनी वैल्यूएशन पर 200 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,657 करोड़ रुपए जुटाने के कंपनी के फैसले का विरोध किया है, जो कि कंपनी के पिछले फंडिंग राउंड से 99% कम है। पिछला फंडिंग राउंड 22 बिलियन डॉलर यानी करीब 1.82 लाख करोड़ रुपए की वैल्यूएशन पर हुआ था। बायजू के निवेशकों का आरोप है कि कंपनी ने अमेरिका में एक अस्पष्ट हेज फंड में 533 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी करीब 4,416 करोड़ रुपए की हेराफेरी की और 1,657 करोड़ रुपए के राइट्स इश्यू पर रोक लगाने की मांग की।

न्यूज ब्रीफ

वित्तीय धोखाधड़ी के एक मामले में 25 साल के लिए जेल पहुंचा क्रिप्टो-अरबपति

मुंबई। दुनिया में क्रिप्टो किंग के नाम से मशहूर क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स के फाउंडर सैम बैंकमैन-फ्रायड

कभी अरबों की संपत्ति के मालिक हुआ करते थे। सैम की कभी तूती बोला करती थी। सैम की नेटवर्थ 26 बिलियन डॉलर आंकी गई है। अब सैम को 25 साल जेल की सजा कटना होगा। वित्तीय धोखाधड़ी के दो साल पुराने मामले में अमेरिकी कोर्ट ने उन्हें 25 साल की सजा सुनाई है। सैम को अरबों डॉलर की धोखाधड़ी का दोषी पाया गया है। सैम बैंकमैन-फ्रायड की सजा की खबर से लोगों को बड़ा झटका लगा है। दो साल पुराने मामले में निवेशकों के अरबों रुपये डूब गए। सैम को एफटीएक्स की बर्बादी का दोषी पाया गया। इस अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी में से एक माना जा रहा है। एफटीएक्स कंपनी के फाउंडर सैम बैंकमैन-फ्रायड को क्रिप्टो-अरबपति और क्रिप्टो की दुनिया का सबसे दिग्गज निवेशक माना जाता था। सैम बैंकमैन ने अमेरिका के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक- मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से पढ़ाई की है। सैम की शुरू से ही डिजिटल वर्ल्ड में दिलचस्पी थी। सैम ने साल 2013 में इंटरनेशनल ईटीएफ बिजनेस करने वाली एक कंपनी में काम किया। लेकिन, उनकी तकदीर बदली साल 2017 में, जब उन्होंने क्वांटिटेटिव ट्रेडिंग फर्म अल्मेडा रिसर्च की नींव रखी। इसमें अमेरिकी अरबपति कंप्यूटर प्रोग्राम जॉन टालिन ने भी पैसे लगाए। फिर जब अमेरिका के मुकाबले जापान में क्रिप्टो का दाम बढ़ गया, तब सैम ने मुनाफा कमाने की नई तरकीब निकाली।

हवाई अड्डों पर भीड़भाड़ 'अस्वीकार्य', इससे निपटने के लिए बीसीएएस ने कई कदम उठाए

नई दिल्ली। नागरिक विमान सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के प्रमुख जुल्फिकार हासन ने कहा है कि हवाई अड्डों पर भीड़भाड़ ''अस्वीकार्य'' है और इससे निपटने के लिए एजंसी ने इष्टतम मानक तथा उपकरण विकसित किए हैं। एजेंसी के प्रमुख हासन ने राष्ट्रीय राजधानी में 38वें बीसीएएस स्थापना दिवस समारोह में कहा कि आने वाले महीनों में हवाई अड्डों पर 'फुल-बॉडी स्कैनर' लगाए जाएंगे। हवाई अड्डों पर यात्रियों के लिए बेहतर अनुभव सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत विमानन सुरक्षा निगरानी संस्था स्मार्ट सुरक्षा लेन भी स्थापित करेगी। हासन ने कहा, ''हवाई अड्डों पर भीड़भाड़ अस्वीकार्य है।'' उन्होंने कहा कि इस मुद्दे के समाधान के लिए इष्टतम मानकों के साथ-साथ उपकरण भी विकसित किए गए हैं। उन्होंने कहा, बढ़ते हवाई यातायात के बीच, हवाई अड्डों पर भीड़भाड़ तथा उड़ान में देरी को लेकर चिंताएं हैं। अधिकारियों ने मुद्दों से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। बीसीएएस के महानिदेशक ने कहा, ''वृद्धि के साथ तालमेल बनाए रखना एक चुनौती है।

तेल कंपनियों ने घटाईं कमर्शियल और एफटीएल सिलेंडरों की कीमतें

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने 19 किलो कमर्शियल सिलेंडर और पांच किलो एफटीएल (फ्री ट्रेड एलपीजी) सिलेंडर की कीमतें कम कर दीं हैं। सूत्रों ने बताया कि 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत अब 30.50 रुपये कम की गई है। दिल्ली में एक अप्रैल से इसकी कीमत 1764.50 होगी। पांच किलो एफटीएल की कीमत अब 7.50 रुपये कम हो गई है। एक मार्च को तेल कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की थी। 19 किलो कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें 25 रुपये बढ़ा दी गई थी, जिसके बाद इसका दाम बढ़कर 1795 प्रति सिलेंडर हो गया था। बता दें कि एक फरवरी को इंडेन गैस सिलेंडर की कीमतें मेट्रो शहर दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में अलग अलग थी। एक मार्च के बाद से सभी मेट्रो शहरों में इंडेन गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि देखी गई। मार्च में सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को 3,300 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 4,600 रुपये प्रति टन कर दिया था। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। अधिसूचना के मुताबिक, घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ाया गया था, लेकिन डीजल के निर्यात पर लगने वाले कर को 1.50 रुपये प्रति लीटर से घटाकर शून्य कर दिया गया था। इसके अलावा पेट्रोल और विमान ईंधन (एटीएफ) पर लगने वाले कर को पहले की तरह शून्य रखा गया था। हालांकि, फिलहाल सिलेंडर की कीमतों को कम करने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

वित्त वर्ष 2024-25 की धमाकेदार शुरुआत, सेंसेक्स और निफ्टी ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

नए वित्तीय वर्ष के पहले ही दिन निवेशकों ने की 6.38 लाख करोड़ की कमाई

नई दिल्ली,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार ने सोमवार को नए वित्त वर्ष की धमाकेदार शुरुआत की। सोमवार के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी ने ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बना कर 7 मार्च 2024 के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इस मजबूती के कारण निवेशकों को एक दिन में ही 6 लाख करोड़ से भी अधिक का मुनाफा हो गया।

सोमवार के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार अभी तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचने में सफल रहा। पहले घंटे के कारोबार के बाद बाजार में मुनाफावसूली भी शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.49 प्रतिशत और निफ्टी 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

सोमवार के कारोबार के दौरान फार्मास्यूटिकल, एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी और बैंकिंग इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। एफएमसीजी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों पर दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी सोमवार को लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.98 प्रतिशत की जोरदार छलांग लगा कर सोमवार को कारोबार का अंत किया।

सोमवार को बाजार में आए उछाल के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन सोमवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 393.35 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 386.97 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को सोमवार के कारोबार से करीब 6.38 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

सोमवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,058 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 3,230 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। 674 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 154 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए।

एनएसई में सोमवार को 2,305 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,054 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 251 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स सोमवार को 317.27 अंक की मजबूती के साथ 73,968.62 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में चौतरफा लिवाली शुरू हो गई, जिसके कारण थोड़ी देर बाद ही ये सूचकांक 603.27 अंक उछल कर अभी तक के सर्वोच्च स्तर 74,254.62 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफावसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर पर अधिक देर तक टिका नहीं रह सका। पूरे दिन बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 363.20 अंक की तेजी के साथ 74,014.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने सोमवार को 128.10 अंक की बढ़त के साथ 22,455 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 203.05 अंक की मजबूती के साथ ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 22,529.95 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफावसूली का दबाव बनने पर इस सूचकांक की रफ्तार धीमी पड़ती हुई नजर आई। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी ने 135.10 की तेजी के साथ 22,462 अंक के स्तर पर सोमवार के कारोबार का अंत किया। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से जेएसडब्ल्यू स्टील 5.03 प्रतिशत, टाटा स्टील 4.68 प्रतिशत, डिवीज लेबोरेट्रीज 3.56 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 3.05 प्रतिशत और अडाणी पोर्ट्स 2.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ सोमवार के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

दूसरी ओर, आयशर मोटर्स 1.51 प्रतिशत, टाइटन कंपनी 1.67 प्रतिशत, नेस्ले 1.40 प्रतिशत, बजाज ऑटो 1.16 प्रतिशत और एलटी माइंडट्री 1.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ सोमवार के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

हम जल्द होंगे दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, एसजीसीसीआई के कार्यक्रम में बोले जयशंकर

सूरत,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

साउथ गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था, भारत-यूएई संबंध और फ्रांस से रिश्तों को लेकर खुलकर बातचीत की है। अपने संबोधन में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि आज हम दुनिया के शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं। जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से विकास कर रही है इससे साफतौर पर लगता है कि बहुत जल्द हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। मोदी की गारंटी की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी जानते हैं कि यह किसकी गारंटी है। हमें पूरा विश्वास है कि अगले 25 वर्षों में हम भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बना देंगे।

यूएई में भारत के प्रति धारणा बदल गई- जयशंकर

साउथ गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के कार्यक्रम में विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत-यूएई संबंधों पर जोर देते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में यूएई में भारत के बारे में धारणा बदल गई है। उन्होंने हमारे साथ मुक्त व्यापार समझौता किया और आज यूएई के साथ व्यापार करीब 80 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। हमने वहां मंदिर बनाने के लिए अनुरोध किया था तो उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2016 में यूएई गए थे। उनसे पहले इंदिया गांधी आखिरी प्रधानमंत्री थी जिन्होंने यूएई का दौरा किया था।

पिछले 10 वर्षों में हर साल 8-9 नए एयरपोर्ट बनाए- प्रसाद

विदेश नीति से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करते हुए जयशंकर ने कहा कि गणतंत्र दिवस पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मुख्य अतिथि थे, तो मैंने उनका जयपुर एयरपोर्ट पर स्वागत किया था। जयपुर में उनकी यह पहली यात्रा थी। इस दौरान मैंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन को जानकारी दी कि भारत में पिछले 10 वर्षों में हर साल 8-9 नए एयरपोर्ट बनाए गए। 2014 में पूरे देश में मात्र 75 हवाई अड्डे थे, लेकिन आज यह संख्या दोगुनी हो गई है।

वार्षिक क्लोजिंग: SBI की नेट बैंकिंग, मोबाइल सेवाएं बंद, HDFC में भी एनईएफटी सेवा नहीं

नई दिल्ली,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

एसबीआई इंटरनेट बैंकिंग, योनो लाइट, योनो बिजनेस वेब व मोबाइल ऐप, योनो और यूपीआई एक अप्रैल को भारतीय समयानुसार 12.20 बजे से 15.20 बजे के बीच उपलब्ध नहीं होंगे। स्टेट बैंक ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। बैंक ने बयान में कहा कि ऐसा वार्षिक क्लोजिंग गतिविधि के कारण होगा। इस अवधि के दौरान यूपीआई लाइट और एटीएम की सेवाएं उपलब्ध होंगी।

इसके अलावा एक अप्रैल को 2,000 रुपये के नोटों को बदलने और जमा करने की सुविधा नहीं होगी। आरबीआई ने एक बयान में कहा, खातों के सालाना क्लोजिंग से जुड़े परिचालन की वजह से रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में 2,000 रुपये के नोटों को बदलने/जमा करने की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। यह सुविधा मंगलवार, 2 अप्रैल, 2024 को फिर से शुरू होगी। आरबीआई ने 28 मार्च, 2024 को जारी एक अधिसूचना में यह बात कही थी।

वहीं, एचडीएफसी बैंक ने भी अपने ग्राहकों को सूचित किया है कि नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड

ट्रांसफर (एनईएफटी) संचालन 1 अप्रैल, 2024 को उपलब्ध नहीं होगा। बैंक ने कहा कि जो ग्राहक सेवा का उपयोग कर सकते हैं, वे कुछ देरी का सामना करना पड़ सकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार, कई राज्यों के अधिकांश बैंक 1 अप्रैल, 2024 को वार्षिक क्लोजिंग होने के कारण बंद रहेंगे। इस दौरान अगरतला, अहमदाबाद, बेलापुर, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नई, देहरादून, गुवाहाटी, हैदराबाद (आंध्र प्रदेश और तेलंगाना), इंफाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोच्चि, कोहिमा, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पणजी, पटना, रायपुर, रांची, श्रीनगर और तिरुवनंतपुरम में बंद हैं।

बैंकों में अब तक 2000 के करीब 97.69 फीसदी नोट वापस आए,आरबीआई ने दिया बड़ा अपडेट

मुंबई, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि 2,000 रुपये के करीब 97.69 फीसदी नोट बैंकिंग प्रणाली वापस आ गए हैं। केंद्रीय बैंक ने जानकारी दी कि चलन से बाहर किए गए नोटों में से केवल 8,202 करोड़ रुपये ही अभी भी जनता के पास हैं।

आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2,000 रुपये मूल्य वर्ग के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने का एलान किया था। एक बयान में आरबीआई ने कहा, 19 मई 2023 को कारोबार बंद होने के समय प्रचलन में 2000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था, जब 2000 रुपये के बैंक नोटों को वापस लेने की घोषणा की गई थी। 29 मार्च 2024 को कारोबार बंद होने पर यह घटकर 8,202 करोड़ रुपये रह गया है।

इस तरह 19 मई 2023 तक प्रचलन में 2000 रुपये के बैंक नोटों का 97.69 फीसदी वापस आ गया है। 2,000 रुपये के बैंक नोट अभी भी वैध मुद्रा बने हुए हैं। लोग देशभर में आरबीआई के 19 कार्यालयों में 2000 रुपये के बैंक नोट जमा या बदल सकते हैं और देश में अपने बैंक खातों में क्रेडिट के लिए किसी भी डाकघर से आरबीआई के किसी भी कार्यालय में इंडिया पोस्ट के जरिए 2000 रुपये के बैंक नोट भेज सकते हैं।

इससे पहले ऐसे नोटों को रखने वाली सार्वजनिक और निजी संस्थाओं को शुरू में 30 सितंबर 2023 तक या तो उन्हें बदलने या बैंक खातों में जमा करने के लिए कहा गया था। बाद में समयसीमा बढ़ाकर 7 अक्तूबर 2023 कर दी गई थी। बैंक शाखाओं में जमा और विनिमय सेवाएं 7 अक्तूबर 2023 को बंद कर दी गईं। इसके बाद 8 अक्तूबर 2023 से लोगों को आरबीआई के 19 कार्यालयों में या तो मुद्रा का विनिमय करने या उनके बैंक खातों में समान राशि जमा करने का विकल्प प्रदान किया गया। बैंक नोटों को जमा या बदलवाने वाले आरबीआई के 19 कार्यालय अहमदाबाद, बंगलूरू, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं।

सूक्ष्म, छोटे एवं मझोले उद्योगों को 45 दिन में मिलेगा भुगतान

अब विफल रहने पर कारोबारियों को खर्च के बजाय देना होगा टैक्स

नई दिल्ली,01 अप्रैल (एजेंसियां)।

सूक्ष्म, छोटे एवं मझोले यानी एमएसएमई उद्योगों को आज से किसी भी कारोबार का 45 दिन में पैसा मिल जाया करेगा। अगर कोई कारोबारी 45 दिन में भुगतान नहीं करता है तो उसके खाताबही में इस देनदारी को आय मान लिया जाएगा और इस पर उसे टैक्स देना होगा। हालांकि, अगर वह इसका देरी से भुगतान करता है तो उसे अगले वित्त वर्ष में टैक्स के सामने इस रकम को समायोजित किया जा सकता है।

दरअसल, नए नियमों के तहत सेक्शन 43 बी (एच) को चालू वित्त वर्ष यानी 2024-25 से लागू किया जाना है जो एक अप्रैल से होगा। इसके तहत अगर एमएसएमई और कारोबारी के बीच करार हुआ है तो इस आधार पर एमएसएमई को 45 दिन में पैसा मिलना चाहिए। एमएसएमई के लिए तो वैसे यह नियम अच्छा है, पर उनको डर भी है कि

इससे बड़े खरीदार उनसे सौदा तोड़ सकते हैं। वे किसी और साधन से खरीद सकते हैं। नियमों के मुताबिक, वो एमएसएमई जो सरकार के उद्यम में पंजीकृत नहीं हैं या ऐसे कारोबार जो एमएसएमई में नहीं आते हैं, कारोबारी ऐसे लोगों से खरीद बढ़ा देंगे। क्योंकि यहां पर 45 दिन का नियम लागू नहीं है।

वहीं, यूपी कपड़ा उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष अशोक मोतियानी का कहना है कि नए नियम को कारोबारी समझ नहीं पाए हैं। खुदरा कारोबार पहले से प्रभावित हैं। इस नियम को एक साल के लिए बढ़ाने की मांग वित्तमंत्री से की गई थी।

एक साल टालने की मांग

इससे पहले, फरवरी में कई राज्यों के उद्योग संगठनों से वित्त मंत्रालय से अपील की थी कि इस योजना को अगले वित्त वर्ष यानी अप्रैल, 2025 से लागू किया जाए। तब तक कारोबारी इसे समझ लेंगे और अपनी तैयारी कर लेंगे। लेकिन वित्त मंत्रालय ने इस पर कोई फैसला नहीं लिया। वैसे जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में यह संभावना है कि इस योजना को टाला जा सकता है।

30 फीसदी का आयकर लगेगा

कोई व्यापारी 45 दिन में भुगतान नहीं करता है तो भुगतान वाली रकम को कमाई मान कर 30 प्रतिशत आयकर लगेगा। इस रकम का अगले वित्त वर्ष में भुगतान किया जाता है तो फिर उस साल में कुल आयकर की देनदारी में इसे समाहित किया जाएगा। इसमें भी पेंच यह है कि अगर किसी व्यापारी ने 10 लाख का माल खरीदा। अगर 7 लाख चुका दिया और 3 लाख बाकी रह गया। अगले साल अगर उसका कारोबार दो ही लाख का होता है तो फिर तीन लाख रुपये में से एक लाख रुपये उसके अगले साल समाहित करना होगा।

केंद्रीय जीएसटी अधिकारियों के लिए निर्देश जारी, बिना मंजूरी बड़ी कंपनियों की जांच नहीं कर पाएंगे अधिकारी

नई दिल्ली। जीएसटी के क्षेत्रीय अधिकारियों को अब किसी भी बड़े औद्योगिक घराने या प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले अपने क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्तों की मंजूरी लेनी होगी। उन्हें पहली बार वस्तुओं/सेवाओं पर शुल्क लगाने के लिए भी क्षेत्रीय प्रधान मुख्य आयुक्तों की मंजूरी लेनी होगी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) अधिकारियों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके मुताबिक, जब एक करदाता की जांच राज्य जीएसटी और डीजीजीआई अधिकारी कर रहे हैं, तो प्रधान आयुक्त इस संभावना पर विचार करेंगे कि उसके संबंध में सभी मामलों को एक कार्यालय की ओर से आगे बढ़ाया जाए। कर अधिकारियों को जांच शुरू होने के एक साल के भीतर इसे पूरी करनी होगी। सीबीआईसी ने आगे कहा, किसी सूचीबद्ध कंपनी या सरकारी कंपनी (पीएसयू) के संबंध में जांच शुरू करने या उनसे विवरण मांगने के लिए सीजीएसटी अधिकारियों को इकाई के नामित अधिकारी को समन भेजने के बजाय आधिकारिक पत्र जारी करना चाहिए। इस पत्र में जांच के कारणों का विवरण देना चाहिए और उचित समय अवधि के भीतर दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की मांग करनी चाहिए। कर अधिकारियों को करदाता से वह जानकारी नहीं मांगनी चाहिए, जो जीएसटी पोर्टल पर पहले से ही ऑनलाइन उपलब्ध है।

संपादकीय

पुनर्वास का आश्रयस्थल

पुनर्वास के मानदंड पर सुक्खू सरकार ने, कांगड़ा एयरपोर्ट विकास के सभी पहलुओं को एक नई परिभाषा दी है। विकास की जरूरतों में महज योजना नहीं, इनसान की सहमति का नया परिदृश्य भी खड़ा करना पड़ता है। भीतर ही भीतर हर विकास की कड़ियों में मानव की गतिविधियों का संसार भी बसाना पड़ता है। जाहिर तौर पर कांगड़ा एयरपोर्ट सिर्फ विस्तार का नक्शा नहीं, सरकार की इच्छाशक्ति और भविष्य के समर्थन की सहमति भी है। यहां महज विकास का भविष्य नहीं, विस्थापित जनता का भविष्य भी सर्वोपरि दिखाई दे रहा है, इसलिए अब मुआवजे की राशि वास्तविक कीमत को पांच गुना तक पहुंचा रही है तो कर्मक्षेत्र को भी आश्रय दे रही है। हिमाचल में यह अपनी तरह का फैसला है जहां विस्थापन को पुनर्वास के आश्रय में समझा जा रहा है। बेशक उजड़ने की सिसकियां कभी कम नहीं होतीं, लेकिन विकास की गति में आर्थिकी के जिस पड़ाव पर हिमाचल खड़ा है, वहां भूमि पर नक्शे भी बड़े करने होंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में कांगड़ा एयरपोर्ट का नक्शा लगातार फैलता रहा और अब अपने मुकाम पर आकर बता रहा है कि इसके विस्तार की अनिवार्यता में यह सदी नई कहानी लिखेगी। शायद कल जब एयरपोर्ट विस्तार की खूंटियां स्पष्ट नजर आएंगी, तो हम बच्चों को कहानी सुनाएंगे, 'एक था गगल का कस्बा' या बताएंगे कि फलां बाजार कांगड़ा एयरपोर्ट ने बसाया। दरअसल विस्थापन को शहादत का दर्जा मिलना चाहिए। अपने घर और आंगन को खोना कोई आसान समाधान नहीं, फिर भी देश के निर्माण में नागरिक योगदान की परिभाषा पर मंथन, सहमति और संरक्षण होना चाहिए। आज एयरपोर्ट विस्तार के बहाने पुनर्वास का खाका और माथा सामने आया है, तो इसकी पैमाइश में सरकार ने हर सूरत इच्छा शक्ति दिखाई है। यह केवल पुनर्वास की नई सुर्खी नहीं, बल्कि इच्छा शक्ति का विस्तार भी है। यानी सरकार चाहे तो किसी भी हद तक जाकर मसलों का हल और जनता की सहमति के आदर्श स्थापित कर सकती है। बावजूद इसके कि मानव संवेदना के हर पहलू के अपने तर्क वितर्क और आस्थाएं रहती हैं, विकास की अपरिहार्यता में कुछ मंजिलें ऐसी भी आएंगी जहां सफलता का सेहरा बहुत कुछ खरीद लेगा। बहरहाल पुनर्वास के लिए मानदंड पर सरकार पांच गुना मुआवजे के अलावा बसाने व कमाने के लिए अधोसंरचना निर्माण का रास्ता भी बना रही है। पुनर्वास का यह मॉडल ऐसी आशा जगा रहा, जहां भविष्य की चुनौतियां पूरी की जा सकती हैं। हम इस परियोजना के कई पहलू देख सकते हैं और यह हिमाचल में टिहरी बांध परियोजना की तरह नागरिक समाज से सीधे मुखातिब है। न्यू टिहरी शहर का निर्माण याद दिलाता है कि विस्थापन के दर्द में पुनर्वास के अर्थ मिल जाएं, तो हर कुर्बानी खुद को जिंदा रखती है। ऐसा समझा जाता है कि कांगड़ा एयरपोर्ट की नई बुर्जियों की आहट में विस्थापितों के लिए पुनर्वास के घुंघरू सुनाई दे रहे हैं। हम आरंभ से ही पुनर्वास की आवश्यक शर्तों में कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की संभावना को आवश्यक मानते रहें ताकि रोजगार के बदले रोजगार और व्यापार के बदले व्यापार मिल सके। यह फार्मूला प्रदेश स्तरीय परियोजनाओं में अमल में लाने के लिए अभी से कम से कम आधा दर्जन निवेश शहर विकसित करके पूरा किया जा सकता है। जहां तक एयरपोर्ट विस्तार का मसला है, तो इसे या तो एक पुनर्वास सेटेलाइट शहर की दृष्टि से या कांगड़ा को पर्यटन राजधानी बनाने के साथ भी मुकम्मल किया जा सकता है। नगरोटा बगवां की पर्यटन परियोजानाओं या धर्मशाला के साथ नरघोटा में पर्यटक गांव के साथ पुनर्वास के दरवाजे खुल जाएं तो राहत का पैमाना और भी सौहार्दपूर्ण होगा। कम से कम मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू विकास के मॉडल पर कांगड़ा के मानचित्र में अपनी इच्छा शक्ति के रंग भरते हुए दिखाई देते हैं, भले ही लोकसभा चुनाव में इसी विषय पर अलग विमर्श खड़ा हो जाए।

विकास की जरूरतों में महज योजना नहीं, इनसान की सहमति का नया परिदृश्य भी खड़ा करना पड़ता है। भीतर ही भीतर हर विकास की कड़ियों में मानव की गतिविधियों का संसार भी बसाना पड़ता है। जाहिर तौर पर कांगड़ा एयरपोर्ट सिर्फ विस्तार का नक्शा नहीं, सरकार की इच्छाशक्ति और भविष्य के समर्थन की सहमति भी है। यहां महज विकास का भविष्य नहीं, विस्थापित जनता का भविष्य भी सर्वोपरि दिखाई दे रहा है, इसलिए अब मुआवजे की राशि वास्तविक कीमत को पांच गुना तक पहुंचा रही है तो कर्मक्षेत्र को भी आश्रय दे रही है। हिमाचल में यह अपनी तरह का फैसला है जहां विस्थापन को पुनर्वास के आश्रय में समझा जा रहा है। बेशक उजड़ने की सिसकियां कभी कम नहीं होतीं, लेकिन विकास की गति में आर्थिकी के जिस पड़ाव पर हिमाचल खड़ा है, वहां भूमि पर नक्शे भी बड़े करने होंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में कांगड़ा एयरपोर्ट का नक्शा लगातार फैलता रहा और अब अपने मुकाम पर आकर बता रहा है कि इसके विस्तार की अनिवार्यता में यह सदी नई कहानी लिखेगी। शायद कल जब एयरपोर्ट विस्तार की खूंटियां स्पष्ट नजर आएंगी, तो हम बच्चों को कहानी सुनाएंगे, 'एक था गगल का कस्बा' या बताएंगे कि फलां बाजार कांगड़ा एयरपोर्ट ने बसाया।

गतिशील निषेधात्मक आदेश जारी कर कॉपीराइट की नकल रोकने के सशक्त प्रयास किए

अब बौद्धिक क्षमता की बढ़त जरूरी

डा. जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों देश और दुनिया में बौद्धिक सम्पदा विषयों पर प्रकाशित हो रही रिपोर्टों को पढ़ा जा रहा है। इनमें कहा जा रहा है कि भारत के तेज विकास के लिए नवाचार और बौद्धिक सम्पदा की डगर पर तेजी से बढ़ना जरूरी है। हाल ही में अमरीकी उद्योग मंडल 'यूएस चैंबर्स ऑफ कॉमर्स' के ग्लोबल इनोवेशन पॉलिसी सेंटर के द्वारा जारी वार्षिक रिपोर्ट में वैश्विक बौद्धिक संपदा (आईपी) सूचकांक 2024 में भारत दुनिया की 55 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से 42वें स्थान पर है, पिछले वर्ष भी भारत इसी क्रम पर स्थित था। आईपी सूचकांक के तहत शीर्ष क्रम पर जिन 10 देशों की अर्थव्यवस्थाएं हैं, उनमें क्रमशः संयुक्त राज्य अमरीका, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन, जापान, नीदरलैंड, आयरलैंड, स्पेन तथा स्विट्जरलैंड हैं। बौद्धिक सम्पदा में आविष्कार, रचनात्मक कार्य, कलात्मक कार्य, डिजाइन, कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क, शोध व नवाचार शामिल हैं। गौरतलब है कि इस नई आईपी रिपोर्ट में भारत की बौद्धिक सम्पदा आधारित नवाचार गतिविधियों की प्रशंसा की गई है और कहा गया है कि भारत बौद्धिक नवाचार के जरिये अर्थव्यवस्था को और तेजी से बढ़ाने की संभावनाओं वाला देश है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आईपी मापदंडों के मद्देनजर भारत का आकार और आर्थिक रसूख वैश्विक पटल पर बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने कॉपीराइट अधिकारों के उल्लंघन पर गतिशील निषेधात्मक आदेश जारी कर कॉपीराइट की नकल रोकने के सशक्त प्रयास किए हैं। इसके अलावा आईपी- आधारित कर रियायतें देकर और नकली उत्पादों के बारे में जागरूकता फैलाकर भी भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय काम किया है। यदि हम बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार से जुड़े अन्य वैश्विक संगठनों की रिपोर्टों को देखें तो पाते हैं कि भारत इस क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ने का प्रयास कर रहा है। लेकिन अभी भी देश के तेज विकास के ऊंचे लक्ष्यों के लिए बौद्धिक संपदा शोध और नवाचार में भारत को ऊंचाई प्राप्त करना जरूरी है। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा प्रकाशित वैश्विक नवाचार सूचकांक (जीआईआई) 2023 की रैंकिंग में 132 अर्थव्यवस्थाओं में भी भारत 40वें पायदान पर दिखाई दे रहा है। खास बात यह भी है कि इस सूचकांक में भारत 37 निम्न-मध्यम-आय समूह अर्थव्यवस्थाओं के बीच अग्रणी बनकर

उभरा है। साथ ही भारत नवाचार के संबंध में मध्य और दक्षिणी एशिया की 10 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ऊपर है। बौद्धिक सम्पदा शोध एवं नवाचार की दुनिया में भारत की रैंकिंग यह दर्शा रही है कि भारत इनोवेशन का हब बनता जा रहा है। भारत में शोध एवं नवाचार को बढ़ाने में डिजिटल ढांचे और डिजिटल सुविधाओं की भी अहम भूमिका है। भारत आइटी सेवा निर्यात और वेंचर कैपिटल हासिल करने के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है। विज्ञान और इंजीनियरिंग ग्रेजुएट तैयार करने में भी भारत दुनिया में सबसे आगे है। भारत के उद्योग-कारोबार तेजी से समय के साथ आधुनिक हो रहे हैं। कृषि से संबंधित चुनौतियों के समाधान के लिए भारत ने जिस तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग किया, उससे भारत कृषि विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि भारत ने कारोबारी विशेषज्ञता, रचनात्मकता, राजनीतिक और संचालन से जुड़ी स्थिरता, सरकार की प्रभावशीलता जैसे विविध क्षेत्रों में अच्छे सुधार किए हैं। साथ ही भारत में घरेलू कारोबार में सरलता, विदेशी निवेश जैसे मानकों में भी बड़ा सुधार दिखाई दिया है। भारत की शोध एवं नवाचार ऊंचाई में अपार ज्ञान पूंजी, स्टार्टअप और यूनिकॉर्न, पेटेंट वृद्धि, घरेलू उद्योग विविधकरण, हाइटेक विनिर्माण और सार्वजनिक और निजी अनुसंधान संगठनों द्वारा किए गए प्रभावी कार्यों के साथ-साथ अटल इनोवेशन मिशन ने भी अहम भूमिका निभाई है। कोविड-19 भारत में नए चिकित्सकीय शोध और नवाचार को बढ़ावा देने का भी एक अवसर बना है। भारत बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, डिजिटल, कृषि, शिक्षा, रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। भारत के नवाचार दुनिया में सबसे प्रतियोगी, किफायती, टिकाऊ, सुरक्षित और बड़े स्तर पर लागू होने वाले समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। आज भारत में करीब 1.25 लाख स्टार्टअप हैं, जिनमें 100 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार के बहुआयामी लाभ होते हैं। इनके आधार पर किसी देश में विभिन्न देशों के उद्यमी और कारोबारी अपने उद्योग-कारोबार शुरू करने संबंधी निर्णय लेते हैं। पूरी दुनिया के विभिन्न देशों की सरकारें भी ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स को ध्यान में रखकर अपने वैश्विक उद्योग-कारोबार के रिश्तों के लिए नीति बनाने की डगर पर बढ़ती हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध और विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते हुए अमरीका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने ग्लोबल इन हाउस सेंटर (जीआईसी) तेजी से शुरू करते हुए दिखाई दे रही हैं। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स के तेजी से बढ़ने से भारत में ख्याति प्राप्त वैश्विक फायनेंस और कॉमर्स कंपनियां अपने कदम तेजी से बढ़ा रही हैं। यद्यपि भारत के विकास में बौद्धिक संपदा, शोध एवं नवाचार से जुड़े तीन आधारों की बढ़ती भूमिका दिखाई दे रही है, लेकिन इन आधारों से विकास को ऊंचाई देने के लिए इस क्षेत्र में सरकार व निजी क्षेत्र का परिव्यय बढ़ाना होगा। इस समय भारत में आर एंड डी पर जीडीपी का करीब 0.67 प्रतिशत ही व्यय हो रहा है। दुनिया के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब दो फीसदी शोध एवं विकास में व्यय किया जाता है। यूरोपीय संघ में आर एंड डी पर जीडीपी का करीब 2 प्रतिशत तथा अमरीका, जापान और अन्य कई विकसित देशों में इस पर 3 फीसदी से भी अधिक व्यय किया जा रहा है। भारत में शोध एवं नवाचार पर खर्च ब्रिक्स देशों की तुलना में कम है और विश्व औसत 1.8 फीसदी से भी कम है। इस समय देश में निजी क्षेत्र का आर एंड डी पर खर्च जीडीपी के करीब 0.35 फीसदी के स्तर पर है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि सरकार बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार की अहमियत को समझते हुए इस क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए दिखाई दे रही है। वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में वित्तमंत्री सीतारमण ने उभरते क्षेत्रों में नवाचार और शोध को प्रोत्साहन देने के लिए एक लाख करोड़ रुपए के कोष की स्थापना करने की घोषणा की है।

आईपी सूचकांक के तहत शीर्ष क्रम पर जिन 10 देशों की अर्थव्यवस्थाएं हैं, उनमें क्रमशः संयुक्त राज्य अमरीका, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन, जापान, नीदरलैंड, आयरलैंड, स्पेन तथा स्विट्जरलैंड हैं। बौद्धिक सम्पदा में आविष्कार, रचनात्मक कार्य, कलात्मक कार्य, डिजाइन, कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क, शोध व नवाचार शामिल हैं। गौरतलब है कि इस नई आईपी रिपोर्ट में भारत की बौद्धिक सम्पदा आधारित नवाचार गतिविधियों की प्रशंसा की गई है और कहा गया है कि भारत बौद्धिक नवाचार के जरिये अर्थव्यवस्था को और तेजी से बढ़ाने की संभावनाओं वाला देश है।

दृष्टि कोण

वरिष्ठ नागरिकः महंगा है अकेले सेवानिवृत्ति के बाद जीवनयापन, जानें ऐसा क्यों

जब आपका पाला सेवानिवृत्त हो चुके और होने वाले लोगों से पड़ता है तो कई बार किसी बात के लिए आपकी आलोचना जरूर हो सकती है। हाल ही में मैं अलग-अलग अवसरों और जगहों पर दो अनोखे लोगों से मिला। उनमें सिर्फ एक ही समानता थी कि दोनों अविवाहित थे। एक की उम्र 63 वर्ष थी, जबकि दूसरे की 56 साल। हरि कोविड महामारी के दौरान सरकारी नौकरी में लंबे करियर के बाद सेवानिवृत्त हुए। उमा कुछ साल में सेवानिवृत्त होने वाली हैं। तलाक के बाद वह कई साल से अकेली रह रही हैं। बहुत से लोग मानते हैं कि किसी जोड़े के सेवानिवृत्त होने के लिए आवश्यक संख्या को दो से विभाजित करने का तरीका अकेले रिटायर होने वाले से ज्यादा सही है। पर, वास्तविकता यह है कि अगर आप अकेले हैं तो आपको जो चाहिए वह उससे अधिक है, जो आप तब प्राप्त करेंगे, जब आप रिटायरमेंट संख्या को दो से विभाजित करेंगे। हां, यह थोड़ा चिंताजनक लग सकता है, लेकिन सच है कि अगर आप अकेले सेवानिवृत्त होने वाले हैं तो जोड़े के रिटायरमेंट की तुलना में आपके खर्च अक्सर ज्यादा होते हैं। अकेले सेवानिवृत्त होने वालों के पास आवास, वाहन और घर चलाने जैसी चीजों की लागत साझा करने के समान अवसर नहीं होते हैं। इसलिए, उन्हें रिटायर के लिए अधिक बचत करनी होगी। अगर आप अकेले हैं और बच्चों का पालन-पोषण नहीं कर रहे हैं तो ऐसे में आपके पास अपनी उम्र के 30 और 40 के दशक के दौरान बचत करने के कहीं अधिक अवसर होते हैं। जिनके पास बच्चों के लिए धन, घर और कई अन्य चुनौतियां होती हैं और जिनका सामना उन्हें परिवार के पालन-पोषण करते समय करना पड़ता है, उनको ज्यादा खर्च करना होता है। वास्तविकता यह

है कि प्रति व्यक्ति खर्च बहुत अधिक है, इसलिए जब रिटायरमेंट की योजना बना रहे हों तो इस पर विचार करने की जरूरत है। परिवारों की तुलना में सिंगल लोग लाइफस्टाइल पर अनजाने में अधिक खर्च करते हैं और इसे वे अपना भी लेते हैं। उदाहरण के लिए, जब एक छोटी कार से भी काम हो सकता है तो भी अकेला व्यक्ति सेडान खरीद लेता है। इसके विपरीत, एक दंपती रिटायरमेंट के करीब एक छोटी कार ही पसंद करेगा। सिंगल लोगों को 60 वर्ष की आयु तक समान उम्र वाले जोड़े की तुलना में रिटायर होने पर लगभग 15-20 फीसदी अधिक बचत की जरूरत होगी। रिटायरमेंट बचत से 4-6 फीसदी निकासी यह पता लगाने का एक आसान तरीका है कि रिटायर होने पर आपको वास्तव में कितने पैसे की आवश्यकता होगी। इसका मतलब है कि 4 फीसदी का रेट पाने के लिए आपको रिटायर होने पर वास्तव में जितना पैसा निकालना होगा, उससे 25 से 30 गुना की आवश्यकता होगी। मैंने सेवानिवृत्ति के प्रति दृष्टिकोण को समझने के लिए हरि व उमा दोनों से बातचीत करना शुरू किया। हरि ने कहा, भोजन, स्वास्थ्य देखभाल व सुरक्षा जैसी कुछ सामान्य सुविधाओं की बात आती है तो साझा लागत का लाभ उठाने के लिए वह रिटायरमेंट कम्युनिटी में चले गए हैं। दूसरी ओर, उमा ने कुछ साल पहले 50 साल की उम्र में उच्च अध्ययन के लिए अपनी लंबी नौकरी से छुट्टी ले ली थी। अब वह अपनी कंपनी में एक बड़े पद, जिम्मेदारी और वेतन पर वापस आ गई हैं, लेकिन इस नए बदलाव ने उनकी सेवानिवृत्ति की उम्र को 70 साल तक कर दिया है। एक महत्वपूर्ण पहलू जो सिंगल लोगों के लिए चुनौती बन सकता है, वह है उनका स्वास्थ्य। अक्सर अकेले रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य की देखभाल महंगी साबित होती है। सिंगल लोगों के लिए रिटायरमेंट लागत अधिक होती है क्योंकि खर्च साझा करने वाला कोई नहीं होता है। उदाहरण के लिए, यात्रा करते समय होटल के डबल रूम की लागत सिंगल रूम की तुलना में थोड़ी अधिक हो सकती है। लेकिन, दो लोगों के डबल रूम में ठहरने की प्रति व्यक्ति लागत सिंगल कमरे की तुलना में कम हो जाती है। अमूमन, किसी कपल को जिन चीजों के लिए 100 रुपये की जरूरत होगी, उसके लिए अकेले व्यक्ति को 60 से 70 रुपये खर्च करने होंगे।

कुछ अलग

शुचिता के सवाल

चर्चित कहावत रही है कि प्रेम व युद्ध में सब कुछ जायज मान लिया जाता है। अब इसमें राजनीति को भी शामिल मान लिया गया है। सत्ता के समीकरणों के लिये राजनीति की मुख्यधारा में शामिल होने के बाद शुचिता का प्रमाणन हो ही जाता है। फिर एक विज्ञापन की तर्ज पर कहा जाता है कि ये दाग अच्छे हैं। ये स्थिति हाल-फिलहाल ही नहीं, देश के राजनीतिक परिदृश्य में दशकों से जारी रही है। राजनीतिक सुविधा के हिसाब से गुण-दोषों की व्याख्या की जाती रही है। कहावत भी है- समरथ को नहीं दोष गुसाईं। जैसे सबल व्यक्ति के दोषों को भी गुणों की तरह दर्शाया जाता है, वैसे ही राजनीति की मुख्यधारा में भी अवगुणों को गुण रूप में दर्शाने का विमर्श वक्त की हकीकत है। हाल फिलहाल के दौर में कई राजनेताओं के हृदय परिवर्तन और दल बदलने पर शुचिता के जुमले आम हैं। विपक्षी दल ऐसा ही कुछ सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल होने के आठ माह बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता प्रफुल्ल पटेल से जुड़े एक मामले में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट लगने के बाद कह रहे हैं। उनके अक्सर आरोप होते हैं कि राजनीतिक भयादोहन के लिये सरकारी एजेंसियों का उपयोग किया जाता रहा है। दरअसल, प्रफुल्ल पटेल के खिलाफ एयर इंडिया व इंडियन एयरलाइन्स विलय मामले में विसंगतियों के खिलाफ सीबीआई ने रिपोर्ट दर्ज की थी। उल्लेखनीय है कि अजित पवार वाला एनसीपी घटक कुछ माह पूर्व राजग में शामिल हो गया थी। दरअसल, एयर इंडिया व इंडियन एयरलाइन्स विलय के समय प्रफुल्ल पटेल केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के पद पर थे। उसी दौरान एक मामले में उनके क्रियाकलापों को संदिग्ध बताया गया था। तब इस मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के साथ ही प्रवर्तन निदेशालय ने भी उनसे पूछताछ की थी। उन पर मुनाफे वाले रूट्स के जरिये अपने एक मित्र को लाभ पहुंचाने का आरोप लगा था। उल्लेखनीय है कि दिल्ली की एक अदालत एक मामले में क्लोजर रिपोर्ट पर अगले माह के मध्य में विचार करेगी। वहीं दूसरी ओर कर्नाटक में 'माइनिंग किंग' के नाम से चर्चित जनार्दन रेड्डी की भाजपा में वापसी भी चर्चाओं में है। कहा जा रहा है कि यह प्रसंग राजग के 'अबकी बार, चार सौ पार' की मुहिम का हिस्सा है। रेड्डी का इतिहास खासा विवादों में रहा है और उन्हें खनन की दुनिया का बड़ा खिलाड़ी कहा जाता है। उनका नाम एक बड़े अयस्क कदाचार मामले में जोड़ा जाता रहा है। इसके अलावा कई अन्य मामलों के चलते भाजपा ने कालांतर उनसे दूरी बना ली थी। पिछले विधानसभा चुनाव से पहले कल्याण राज्य प्रगति पक्ष पार्टी बनाकर वे खुद भी विधानसभा पहुंचे थे और उनके भाई व अन्य पारिवारिक सदस्यों ने अच्छे-खासे वोट अपने इलाके में हासिल किये थे। अब जबकि राज्य में कांग्रेस सत्ता में है तो भाजपा ने जनाधार बढ़ाने के लिये रेड्डी की पार्टी में वापसी की राह सुनिश्चित की है। हालांकि, एक समय रेड्डी से बात करने से भी पार्टी के बड़े नेता कतराते थे, अब वे ही माइन्स किंग की वापसी को सुखद बता रहे हैं। उनकी अपनी-अपनी दलीलें हैं। यहां तक कि रेड्डी की पार्टी के शीर्ष नेताओं से भी मुलाकात हुई है। इस पर जनार्दन रेड्डी की दलील है कि उनका तो पार्टी में ही जन्म हुआ है, यह तो घर वापसी हुई है। राजनीतिक पंडित बता रहे हैं कि पिछले विधानसभा चुनाव में न केवल जनार्दन रेड्डी विधानसभा के लिये चुने गए थे बल्कि बेल्लारी विधानसभा सीट से भी उनकी पत्नी को एकमुश्त वोट मिले थे। इसके अलावा उनकी पार्टी के कई नेताओं को भी ठीक-ठाक वोट मिले थे। जाहिर है रेड्डी के पार्टी से बाहर रहने को भाजपा अपने वोट बैंक में बिखराव के तौर पर देख रही थी।

देश दुनिया से

राजनीति में बदल रहे नैतिकता के मायने

भारतीय राजनीति में ऐसे कई उदाहरण दिए जा सकते हैं, जो आज भी नैतिकता के आदर्श हैं। लेकिन आज की राजनीति को देखकर ऐसा लगने लगा है कि नैतिकता की राजनीति दूसरा तो अवश्य करें, पर ज़ब स्वयं को नैतिकता की कसौटी पर परखने की बारी आए तब नैतिकता के मायनों को बदल दिया जाता है। भारतीय राजनीति में राजनेताओं पर आरोप लगने पर कई लोगों ने अपने पद को त्याग दिया था, दिल्ली के शराब घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने भारतीय राजनीति को अलग राह पर ले जाने का उदाहरण पेश किया है, हालांकि इस उदाहरण को आदर्श वादिता के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किए गए हैं। यह एक मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले व्यक्ति के लिए शोभनीय नहीं हैं। केजरीवाल स्वयं कहते थे कि वे राजनीति में भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आए हैं, लेकिन अब ज़ब उन पर ही सवाल उठ रहे हैं, तब उनसे भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति की आशा करना बेमानी ही कही जाएगी। यहाँ सवाल यह भी उठ रहा है कि दिल्ली के शराब घोटाले में अभी तक जिन पर आरोप लग रहे हैं, उनको जमानत लेने का पर्याप्त आधार नहीं मिल रहा, इसका आशय यह भी है कि सरकार की ओर से कोई न कोई गलत आचरण किया गया होगा, अन्यथा एक मुख्यमंत्री को ऐसे ही गिरफ्तार नहीं किया जाता। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से भी यही कहा जा रहा है, उसके पास इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि आम आदमी पार्टी के नेताओं के संकेत पर पैसों का लेनदेन हुआ। दिल्ली में शराब घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जिस प्रकार से प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया है, उस पर विपक्ष की ओर से सत्ता पक्ष पर कई प्रकार के सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल उठाना विपक्ष की राजनीतिक मजबूरी हो सकती है, लेकिन इन सवालों की परिधि में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से जो आरोप लगाए जा रहे हैं, उस पर विपक्ष कुछ भी बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। इससे इस बात को भी बल मिलता है कि दाल में कुछ काला अवश्य है। प्रवर्तन निदेशालय ने यह साफ तौर पर संकेत दिया है कि केजरीवाल शराब घोटाले का मुख्य आरोपी है। अब यह जांच के बाद ही पता चलेगा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर लगाए जा रहे आरोप किस हद तक सही हैं या फिर केजरीवाल अपने आपको निर्दोष साबित कर पाते हैं या नहीं। अगर प्रवर्तन निदेशालय की ओर से लगाए गए आरोपी प्रमाणित होते हैं तो यह स्पष्ट कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक संवैधानिक पद के प्रभाव का दुरुपयोग किया है। हम यह भली भांति जानते हैं कि अरविंद केजरीवाल अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की उपज हैं। उस समय अरविंद केजरीवाल ने अपने आपको ऐसा प्रचारित किया कि एक वे ही भारतीय राजनीति के उच्चतम आदर्श हैं। लेकिन उनके आचरण पर स्वयं अण्णा हजारे ने सवाल उठाए थे, हालांकि अण्णा हजारे के सवालों को केजरीवाल ने दरकिनार कर दिया। इसका तात्पर्य यही है कि अन्ना हजारे राजनीति में जिस प्रकार का पारदर्शी व्यवहार चाहते थे, वैसा दिखाई नहीं दे

रहा था। अब अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर भी समाजसेवी अण्णा हजारे की ओर से साफ सुथरी टिप्पणी आई है, जिसमें अण्णा हजारे ने शराब पर नीति बनाने से रोका था। अण्णा हजारे ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को उनके कर्मों का परिणाम बताया। आज दिल्ली का शराब घोटाला यही चरितार्थ करते हुए लग रहा है कि शराब किसी भी संस्था या व्यक्ति को बर्बाद कर देती है। यह बात केजरीवाल पर लागू होती है या नहीं, यह तो समय बताएगा, लेकिन जब आग लगती है तब ही धुंआ उठता है और इस धुंए का कालिमा किस किस के शक्ल को बिगाड़ने का काम करेगी, यह समय के गर्भ में है। केजरीवाल की सरकार पर सवाल उठना तो उसी समय प्रारंभ हो गए थे, जब उनका पहला मंत्री जेल में गया। उसके बाद तो जैसे लाइन ही लग गई। राजनीतिक शुचिता लाने का दम दिखाने वाले आम आदमी पार्टी के नेताओं पर इस प्रकार के आरोप लगने केवल राजनीतिक विद्वेष नहीं हो सकता। अगर यह कार्यवाही राजनीतिक होती तो स्वाभाविक रूप से इन सभी को जमानत भी मिल जाती। जमानत नहीं मिलने से यह आशंका प्रबल हो जाती है कि भ्रष्टाचार हुआ है। आम आदमी पार्टी के नेता भी केवल अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का ही विरोध कर रहे हैं, कोई भी यह नहीं कह रहा कि दिल्ली में शराब घोटाला नहीं हुआ या फिर गोवा के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार का पैसा नहीं लगाया।

भारतीय राजनीति को अलग राह पर ले जाने का उदाहरण पेश किया है, हालांकि इस उदाहरण को आदर्श वादिता के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किए गए हैं। यह एक मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले व्यक्ति के लिए शोभनीय नहीं हैं। केजरीवाल स्वयं कहते थे कि वे राजनीति में भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आए हैं, लेकिन अब ज़ब उन पर ही सवाल उठ रहे हैं, तब उनसे भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति की आशा करना बेमानी ही कही जाएगी। यहाँ सवाल यह भी उठ रहा है कि दिल्ली के शराब घोटाले में अभी तक जिन पर आरोप लग रहे हैं, उनको जमानत लेने का पर्याप्त आधार नहीं मिल रहा, इसका आशय यह भी है कि सरकार की ओर से कोई न कोई गलत आचरण किया गया होगा, अन्यथा एक मुख्यमंत्री को ऐसे ही गिरफ्तार नहीं किया जाता।

आप का नजरिया

दिल्ली में राष्ट्रपति शासन!

क्या अद्र्धराज्य दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है? यह स्थिति 2014 में भी आई थी। तब आम आदमी पार्टी (आप) की अल्पमत सरकार थी और कांग्रेस के बाहरी समर्थन पर आश्रित थी। मुख्यमंत्री केजरीवाल ही थे। वह जनलोकपाल बिल पेश करने की जिद पर थे, लेकिन उसे रोका जा रहा था। नतीजतन 49 दिन की केजरीवाल सरकार ने इस्तीफा दे दिया और दिल्ली में राष्ट्रपति शासन चस्पां कर दिया गया। अब 2024 में स्थितियां और राजनीतिक समीकरण बिल्कुल भिन्न हैं। दिल्ली विधानसभा में 'आप' और केजरीवाल के पक्ष में 62 विधायकों का प्रचंड बहुमत है। कुल विधायक 70 होते हैं। ऐतिहासिक जनादेश वाली, विश्वास मत प्राप्त, सरकार कार्यरत है। बेशक मुख्यमंत्री केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में बीते 10 दिन से हैं, लेकिन उन्होंने और 'आप' प्रवक्ताओं ने बार-बार दोहराया है कि मुख्यमंत्री जेल से ही सरकार चलाएंगे। बेशक संविधान और कानून इस संदर्भ में खामोश हैं कि भ्रष्टाचार का आरोपित और हिरासत में कैद एक मुख्यमंत्री सलाखों के पीछे से ही सरकार चला सकता है अथवा नहीं। संविधान कई मामलों में खामोश है। शायद हमारे संविधान के रचनाकारों ने ऐसी स्थितियों की कल्पना ही नहीं की होगी! लेकिन इस तरह सरकार चलाने में कई व्यावहारिक और संवैधानिक बाधाएं तो आती हैं। संवैधानिक पद पर बैठे राजनेता की नैतिकता का भी कोई तकाजा है। 'आप' नेताओं की जो जिद है, वह असमर्थनीय और प्रतिकूल है। हिरासती मुख्यमंत्री किसी विचाराधीन सरकारी आदेश को अपनी पत्नी और वकील से भी साझा नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री केजरीवाल के जो आदेश, उनके मंत्रियों ने, सार्वजनिक तौर पर पढ़े हैं, उन्हीं पर सत्ता के गलियारों में चर्चाएं जारी हैं कि क्या वे मुख्यमंत्री केजरीवाल ने ही जारी किए थे? क्या मुख्यमंत्री ऐसा कर सकते हैं? हिरासत में मुख्यमंत्री कोई बैठक तक नहीं कर सकते या आदेश की किसी फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते। एक साथ तीन से अधिक मुलाकाती हिरासती मुख्यमंत्री से मिल नहीं सकते। कैबिनेट की बैठक बुलाने का आदेश नहीं दे सकते। यदि उपराज्यपाल या मुख्य सचिव मुख्यमंत्री के विचारार्थ कोई फाइल भेजते हैं, तो उसे केजरीवाल तक कौन पहुंचाएगा? गोपनीयता भंग होने के आसार पूरे हैं। लिहाजा इस संदर्भ में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना का हालिया बयान बेहद महत्वपूर्ण और रणनीतिक है। संभव है कि भारत सरकार के स्तर पर यह विचाराधीन है कि क्या दिल्ली में राष्ट्रपति शासन की स्थितियां बन चुकी हैं? क्या दिल्ली सरकार में संवैधानिक मशीनरी अस्थिर हो गई है? अनुच्छेद 239-बी पर भी बहस शुरू हो चुकी है कि क्या राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दिल्ली सरकार से संबंधित अनुच्छेद को बर्खास्त कर सकती हैं? फिलहाल स्थितियां मुख्यमंत्री केजरीवाल के पक्ष में हैं कि यदि वह अपने पद से इस्तीफा देते हैं, तो उपराज्यपाल वैकल्पिक मुख्यमंत्री के लिए उनकी पसंद जानने की कोशिश कर सकते हैं। यदि सरकार बर्खास्त कर दी गई, तो 'आप' और सरकार के भीतर मुख्यमंत्री बनने की होड़ मच सकती है। 'आप' के नेता कोई संत नहीं हैं। फिलहाल मौजूदा सरकार के लिए फरवरी, 2025 तक का जनादेश है।

अप्रैल माह में होंगे 4 बड़े ग्रह गोचर

अप्रैल महीने से नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत होती है। हिंदू कैलेंडर और धार्मिक लिहाज से अप्रैल का महीना बहुत खास महत्व का होता है। सनातन धर्म में इस माह कई महत्वपूर्ण व्रत-त्योहार मनाए जाते हैं। मार्च-अप्रैल के महीने में ही हिंदू नववर्ष का आरंभ भी होता है। चैत्र का महीना हिंदू कैलेंडर का पहला महीना माना जाता है। इस बार चैत्र माह का आरंभ 26 मार्च को हुआ है और जिसका समापन 23 अप्रैल को होगा। अप्रैल माह में ही चैत्र नवरात्रि, गुड़ी पड़वा, उगादी, मेष संक्रांति, राम नवमी, हनुमान जयंती जैसे प्रमुख त्योहार मनाए जाते हैं। पंचांग के अनुसार अप्रैल माह की शुरुआत मूल नक्षत्र से हुई है। अप्रैल महीने में ही साल का पहला सूर्य ग्रहण भी लगेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि ग्रह गोचर के लिहाज से अप्रैल का महीना बड़ा ही ख़ास माना जा रहा है। सूर्य, बुध, मंगल और शुक्र ये चार बड़े ग्रह अप्रैल के महीने में राशि परिवर्तन करेंगे। इतना ही नहीं राशि परिवर्तन के साथ साथ ऐश्वर्य के कारक शुक्र ग्रह इसी माह अस्त भी होंगे। शुक्र के अस्त होने पर मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है। अप्रैल में 9 तारीख को चैत्र नवरात्रि भी शुरू हो रही है। इस साल चैत्र नवरात्रि पूरे नौ दिन की रहेगी।

मेष राशि में होंगे वक्री बुध

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि वैदिक ज्योतिष शास्त्र में बुध ग्रह को राजकुमार कहा गया है। बुध ग्रह बुद्धि, वाणी, तर्कशास्त्र, गणित और व्यापार के कारक ग्रह होते हैं। बुध ग्रह 2 अप्रैल 2024 की दोपहर 03 बजकर 18 मिनट पर मेष राशि में वक्री होंगे।

मेष राशि में अस्त बुध

बुध ग्रह सूर्य के सबसे नजदीक ग्रह होते हैं ऐसे में ये जल्दी-जल्दी अस्त और उदय होते हैं। बुध मेष राशि में रहते हुए 06 अप्रैल 2024 की रात 00 बजकर 58 मिनट पर अस्त हो जाएंगे।

बुध का मीन राशि में गोचर

बुध 09 अप्रैल 2024 की रात 09 बजकर 30 मिनट पर अपनी वक्री अवस्था में रहते हुए मेष राशि की यात्रा को विराम देते हुए मीन राशि में गोचर करेंगे।

सूर्य का मेष राशि में गोचर

सूर्य हर एक माह में अपनी राशि बदलते हैं। जिसे सूर्य संक्रांति के नाम से जाना जाता है। ज्योतिष में सूर्य ग्रहों के राजा हैं। सूर्य 13 अप्रैल को मीन राशि की अपनी यात्रा को विराम देते हुए मेष राशि

में प्रवेश करेंगे।

मंगल का मीन राशि में गोचर

अप्रैल माह में पृथ्वी पुत्र और युद्ध के देवता मंगल गुरु ग्रह की राशि मीन में प्रवेश करेंगे। मंगलदेव 23 अप्रैल 2024 की सुबह 08 बजकर 39 मिनट पर मीन राशि में गोचर करेंगे।

शुक्र का मेष राशि में गोचर

शुक्र ग्रह 24 अप्रैल को गुरु की राशि मीन से निकलकर मेष राशि में गोचर करेंगे। वैदिक ज्योतिष में शुक्र देव को सुख, ऐश्वर्य और प्रेम का कारक ग्रह माना जाता है।

बुध मीन राशि में मार्गी

25 अप्रैल 2024 की शाम 06 बजकर 25 मिनट पर मीन राशि में बुध मार्गी हो जाएंगे।

शुक्र मेष राशि में अस्त

शुक्र 29 अप्रैल 2024 की रात 11 बजकर 14 मिनट महीने पर मेष राशि में अस्त हो जाएंगे।

साल का पहला सूर्य ग्रहण

08 अप्रैल को इस साल का पहला सूर्य ग्रहण लहेगा। यह सूर्य ग्रहण एक पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा लेकिन इस सूर्य ग्रहण को भारत में नहीं देखा जा सकेगा। इस कारण से इसका सूतक काल मान्य नहीं होगा।

यह होगा असर

देश की राजनीति में बड़े बदलाव होंगे। नए चेहरे और युवाओं को मौका मिलेगा। कुछ नेताओं को हानि होगी। पड़ोसी देशों से तनाव बढ़ेगा। अनचाही घटनाएं होगी। वाद विवाद ज्यादा होंगे। भूकंप आ-गजनी रेल और वायुयान दुर्घटना होगी। किसी प्रसिद्ध व्यक्ति का निधन। सड़क दुर्घटनाएं ज्यादा होगी। बाजार और व्यापार को फायदा होगा। किसानो को फायदा होगा। अन्न उत्पादन ज्यादा होगा। लोहा इस्पात मेडिकल और केमिकल्स व्यापार तरक्की करेंगे। आंखों एवं त्वचा के रोग बढ़ेंगे। सोने की कीमत और विदेशी करेंसी में उतार-चढ़ाव रहेगा। पेट्रोल, डीजल और तेल के दाम बढ़ने का अनुमान है। देश में विवाद होंगे। चोरी-डकैती, अपहरण और दुष्कर्म भी बढ़ने की आशंका है। जिससे लोगों में डर और तनाव रहेगा। नई-पुरानी बीमारियों से लोग परेशान हो सकते हैं। महंगाई और टैक्स बढ़ने के योग हैं।

उपाय

हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं। भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें ।

4 ग्रहों के राशि परिवर्तन का 12 राशियों पर असर...

मेष:- आर्थिक स्थिति मजबूत होगी बीमारी का अंदेशा है।
वृष:- प्रमोशन के योग बनेंगे। सेहत संबंधी परेशानियां हो सकती हैं।
मिथुन:- रोजगार मिलेगा। समृद्धि बढ़ेगी।
कर्क:- तनाव और दौड़-भाग रहेगी। समस्याएं सुलझ जाएंगी।
सिंह:- मेहनत ज्यादा होगी और उसका फायदा मिलेगा।
कन्या:- मांगलिक कामों के योग बनेंगे। खर्चा भी बढ़ेगा।
तुला:- प्रॉपर्टी खरीदी-बिक्री के साथ ही रियल एस्टेट में निवेश के योग हैं।
वृश्चिक:- परिवार से मदद मिलेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें।
धनु:- मेहनत के मुताबिक सफलता मिलेगी। संतान संबंधी चिंता रहेगी।
मकर:- खर्चा बढ़ेगा। सेहत संबंधी परेशानी भी रहेगी।
कुंभ:- सेहत संबंधी परेशानी रहेगी। तनाव बढ़ेगा।
मीन:- धन हानि और सेहत संबंधी परेशानी होगी। स्थान परिवर्तन के योग हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

सोमवती अमावस्या के दिन लगेगा सूर्य ग्रहण, जानें क्या करें और क्या न करें

सोमवती अमावस्या के दिन अगर सूर्य ग्रहण होता है तो यह एक महत्वपूर्ण घटना होती है । सूर्य ग्रहण एक ऐसी घटना है जब सूर्य चंद्रमा के पास आने के कारण अदृश्य हो जाता है। इसके प्रभाव समय और स्थान के आधार पर अलग होते हैं। अगर सूर्य ग्रहण सोमवती अमावस्या के दिन होता है, तो यह आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण समय होता है। इस अवसर पर लोग विशेष धार्मिक अनुष्ठान और पूजा करते हैं, जो अशुभता और बुरी कामनाओं को दूर करने के लिए किया जाता है।

साथ ही, इस समय पर ध्यान और मनन करने का भी महत्व होता है। सूर्य ग्रहण के समय अनेक धार्मिक उत्सव और परंपराओं में विशेष पूजा और अर्चना की जाती है। यह एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक घटना होता है जो लोगों को धार्मिकता में समर्पित करता है और उन्हें आध्यात्मिक साधना के लिए प्रेरित करता है।

8 अप्रैल 2024 को सोमवती अमावस्या के दिन एक पूर्ण सूर्य ग्रहण लगेगा। यह ग्रहण अमेरिका, उत्तरी यूरोप, एशिया और ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों में दिखाई देगा। भारत में यह ग्रहण दिखाई नहीं देगा।

सूतक काल:

सूतक काल 8 अप्रैल 2024 को सुबह 04:15 बजे से शुरू होगा।
ग्रहण का समय 09:15 बजे से 10:29 बजे तक होगा।
सूतक काल 04:29 बजे समाप्त होगा।
क्या करें: सूर्य ग्रहण के दिन स्नान, दान और पूजा करें। ग्रहण के समय मंत्रों का जाप करें। ग्रहण के बाद दान करें।
क्या ना करें: सूतक काल में भोजन ना करें। सूतक काल में शुभ कार्य ना करें। ग्रहण के समय सूर्य को नंगी आंखों से ना देखें।

भारत में यह ग्रहण दिखाई नहीं देगा, इसलिए सूतक काल और ग्रहण का समय भारत के लिए लागू नहीं होगा। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सूतक काल में उपवास नहीं रखना चाहिए।

ग्रहण के समय सूर्य को नंगी आंखों से नहीं देखना चाहिए। हालांकि, इन मान्यताओं का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। यह केवल एक मान्यता है, और इसका कोई आधार नहीं है।

यह आपके ऊपर है कि आप इन मान्यताओं को मानना चाहते हैं या नहीं। ग्रहण एक प्राकृतिक घटना है, और इसे लेकर डरने की कोई बात नहीं है। ग्रहण के समय कुछ सावधानियां बरतकर आप ग्रहण के नकारात्मक प्रभावों से बच सकते हैं।

इन 5 चीजों का सोमवती अमावस्या पर करें दान, तरक्की मिलने में नहीं लगेगा समय

सोमवती अमावस्या को हिन्दू पंचांग में विशेष महत्व दिया जाता है। इस दिन किए गए दान का विशेष महत्व है। इस दिन जल, अनाज, वस्त्र, धन, गृह, गौशाला, चारा, तिल, वृक्ष, अग्नि, धार्मिक ग्रंथ, विद्वान्, जल-मंदिर, रखवाले गौ और विशेष रूप से मां के नाम से दान करना शुभ माना जाता है। यह दान उपाय लोगों को स्वास्थ्य, धन, सुख-शांति, और कल्याण के लिए किया जाता है, और आने वाले समय में उन्हें सुख-शांति प्रदान करने में सहायक होता है।

सोमवती अमावस्या पर दान करने से धर्मिक और सामाजिक उत्थान होता है। इस अवसर पर दान करने से दानकर्ता का परिवार सुख-शांति से भर जाता है और उन्हें समृद्धि मिलती है। इसके अलावा, दान करने से विपत्तियों से बचाव होता है और जीवन में समृद्धि आती है। सोमवती अमावस्या पर दान करने से पितृदोष भी दूर होता है और पितरों को शांति प्राप्त होती है। इसलिए, इस अवसर पर दान करना धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

सोमवती अमावस्या, अमावस्या तिथि और सोमवार का संयोग होने पर आने वाली एक विशेष तिथि है। इसे अत्यंत शुभ माना जाता है। इस तिथि पर दान करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है।

सोमवती अमावस्या पर दान की जाने वाली कुछ वस्तुएं:

कपड़े: गरीबों और जरूरतमंदों को कपड़े दान करना पुण्य का कार्य माना जाता है।
भोजन: गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन दान करना भी पुण्य का कार्य माना जाता है।
पानी: गरीबों और जरूरतमंदों को पानी दान करना भी पुण्य का कार्य माना जाता है।
दान पुण्य: दान पुण्य के लिए सोना, चांदी, तांबा, पीतल, कांस्य, लोहा, और स्टील जैसी धातुएं दान की जा सकती हैं।
अन्न: गेहूं, चावल, दाल, घी, शक्कर, नमक, और मसाले जैसी वस्तुएं दान की जा सकती हैं।
फल और सब्जियां: फल और सब्जियां दान करना भी पुण्य का कार्य माना जाता है।
पुस्तकें: धार्मिक पुस्तकें दान करना भी पुण्य का कार्य माना जाता है।
गाय: गाय को दान करना भी पुण्य का कार्य माना जाता है।यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि दान सच्चे मन से और बिना किसी अपेक्षा के किया जाना चाहिए।

सोमवती अमावस्या पर दान करने के कुछ लाभ:

पितृदोष से मुक्ति
ग्रहों की दशा में सुधार
धन-धान्य में वृद्धि
सुख-शांति और समृद्धि
मोक्ष की प्राप्ति

सोमवती अमावस्या का पर्व भक्ति, दान और पुण्य का पर्व है। इस पर्व को सच्चे मन से मनाने से भगवान शिव और पितरों की कृपा प्राप्त होती है। यह भी ध्यान रखें कि सोमवती अमावस्या के दिन कुछ विशेष कार्य नहीं किए जाने चाहिए, जैसे मांस, मदिरा और तामसिक भोजन का सेवन न करें। क्रोध, झूठ और बुराई से दूर रहें। किसी भी जीव को नुकसान न पहुंचाएं।

हथेली के इस हिस्से पर खुजली कराती है धनलाभ, जानें क्या कहता है शकुन शास्त्र

शकुन शास्त्र एक प्राचीन भारतीय विज्ञान है जो विभिन्न प्राकृतिक लक्षणों और घटनाओं का महत्वाकांक्षी अध्ययन करता है और उन्हें भविष्य में घटनाएं की पूर्वानुमान करने के लिए उपयोग किया जाता है। यह परंपरागत भारतीय संस्कृति में विश्वास किया जाता है कि विभिन्न प्राकृतिक घटनाओं और लक्षणों के माध्यम से हम आने वाले समय की घटनाओं को प्राथमिक रूप से जान सकते हैं। शकुन शास्त्र में, विभिन्न प्राकृतिक लक्षणों का अध्ययन किया जाता है, जैसे कि पक्षियों का व्यवहार, पशुओं की आवाज़, वन्य जीवन, चींटियों की चाल, पर्वतों की स्थिति, भूमि और वायु के प्रदर्शन, और अन्य प्राकृतिक घटनाएं। इन प्राकृतिक लक्षणों के आधार पर, विभिन्न समय की घटनाओं की भविष्यवाणी की जाती है। शकुन शास्त्र का उपयोग लोगों द्वारा विभिन्न विशिष्ट घटनाओं की पूर्वानुमानित समय समेत विवाह, शुभ घटनाओं के लिए तारीख़ा चयन, और अन्य सामाजिक और आर्थिक निर्णयों के लिए किया जाता है।

दाएं हाथ के अंदर..

अंगूठे के पास:- धन लाभ, नया अवसर - यदि आपको लगातार इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह धन प्राप्ति का संकेत हो सकता है। यह नौकरी में वृद्धि, उपहार, या किसी अन्य माध्यम से धन प्राप्ति हो सकती है।

तर्जनी के पास:- सफलता, यात्रा - यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता का संकेत हो सकता है। यह यात्रा का भी संकेत हो सकता है, जो आपको नई संभावनाओं से जोड़ सकता है।

मध्यमा के पास:- मान-सम्मान, प्रसिद्धि - यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह समाज में मान-सम्मान और प्रसिद्धि प्राप्ति का संकेत हो सकता है।

अनामिका के पास:- प्रेम संबंधों में सफलता - यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह आपके प्रेम संबंधों में सफलता का संकेत हो सकता है। यह आपके प्रियजन के साथ आपके संबंधों को मजबूत कर सकता है।

कनिष्ठिका के पास:- शिक्षा, ज्ञान - यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह शिक्षा और ज्ञान में सफलता का संकेत हो सकता है। यह आपके ज्ञान और कौशल को बढ़ाने का अवसर प्रदान कर सकता है।

दाएं हाथ के बाहर..

अंगूठे के पास:- धन हानि, स्वास्थ्य समस्याएं - यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह धन हानि या स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकता है। आपको सावधान रहना चाहिए और अपनी योजनाओं पर ध्यान देना चाहिए।

तर्जनी के पास:- कार्य में बाधा, परेशानी - यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह आपके कार्य में बाधा या परेशानी का संकेत हो सकता है। आपको अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

मध्यमा के पास:- मान-हानि, अपमान - यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह आपके मान-सम्मान में कमी या अपमान का संकेत हो सकता है। आपको अपने कार्यों और व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए।

अनामिका के पास:- प्रेम संबंधों में परेशानी - यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह आपके प्रेम संबंधों में परेशानी का संकेत हो सकता है। आपको अपने प्रियजन के साथ खुलकर बातचीत करनी चाहिए और गलतफहमियों को दूर करना चाहिए।

कनिष्ठिका के पास:- शिक्षा में बाधा, विफलता - यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह शिक्षा में बाधा या विफलता का संकेत हो सकता है। आपको अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

बाएं हाथ के अंदर:

अंगूठे के पास: खर्च, चिंता, परेशानी - यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह अनावश्यक खर्च, चिंता या परेशानी का संकेत हो सकता है। आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना चाहिए और सकारात्मक सोच रखनी चाहिए।

तर्जनी के पास: धन हानि, स्वास्थ्य समस्याएं - यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह धन हानि या स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकता है। आपको सावधान रहना चाहिए और अपनी योजनाओं पर ध्यान देना चाहिए।

मध्यमा के पास: मान-हानि, अपमान - यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह आपके मान-सम्मान में कमी या अपमान का संकेत हो सकता है। आपको अपने कार्यों और व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए।

अनामिका के पास: प्रेम संबंधों में परेशानी - यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह आपके प्रेम संबंधों में परेशानी का संकेत हो सकता है। आपको अपने प्रियजन के साथ खुलकर बातचीत करनी चाहिए और गलतफहमियों को दूर करना चाहिए।

कनिष्ठिका के पास: शिक्षा में बाधा, विफलता - यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह शिक्षा में बाधा या विफलता का संकेत हो सकता है। आपको अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

बाएं हाथ के बाहर:

अंगूठे के पास: धन लाभ, नया अवसर :- यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह धन प्राप्ति या नया अवसर प्राप्त करने का संकेत हो सकता है। यह नौकरी में वृद्धि, उपहार, या किसी अन्य माध्यम से धन प्राप्ति हो सकती है।

तर्जनी के पास: सफलता, यात्रा :- यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह किसी महत्वपूर्ण कार्य में सफलता या यात्रा का संकेत हो सकता है। यह यात्रा आपको नई संभावनाओं से जोड़ सकती है।

मध्यमा के पास: मान-सम्मान, प्रसिद्धि :- यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह समाज में मान-सम्मान और प्रसिद्धि प्राप्ति का संकेत हो सकता है।

अनामिका के पास: प्रेम संबंधों में सफलता :- यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह आपके प्रेम संबंधों में सफलता का संकेत हो सकता है। यह आपके प्रियजन के साथ आपके संबंधों को मजबूत कर सकता है।

कनिष्ठिका के पास: शिक्षा, ज्ञान :- यदि आपको इस स्थान पर खुजली हो रही है, तो यह शिक्षा और ज्ञान में सफलता का संकेत हो सकता है। यह आपके ज्ञान और कौशल को बढ़ाने का अवसर प्रदान कर सकता है।

घर संसार

बागीचे के लिए बनाएं खुद खाद

बागीचे में अपने द्वारा बनाई गई का इस्तेमाल करें। ये खाद न केवल पैसे बचाती है बल्कि पर्यावरण के हिसाब से भी काफी अच्छी होती है। अगर आप सोंच रहें हैं कि इसको बनाने के लिए आपको बाजार से कुछ सामान खरीदने की जरूरत पड़ेगी तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं हैं। घर में खाद कैसे बनाते हैं हम आपको बताते है-

खाद बनाने की विधी-

1. कूड़ा कचरा खाद

बस आपको करना केवल यह होगा कि आपके घर का जितना भी कूडां-कचरा हो उसे सम्भाल कर फेंके जिससे वह आपके बागीचे में काम आ सके। अगर आपके घर के पीछे या बागीचे में थोड़ी सी जगह है तो आप वहां पर गड्ढा खोद कर उसमें खाद को रख सकते हैं। ध्यान रखें कि इस खाद को बनाने के दौरान कोई भी प्लास्टिक का सामान इसमें न मिले। अगर किचन का कूड़ा निकले तो पहले उसे देख लें कि कहीं उसमें प्लास्टिक बैग वगैरह न हों। अगर आपके घर में पालतू जानवर हैं और तो उनके मल को खाद के लिए प्रयोग करें। खाद तभी तैयार होगी जब उसके अंदर गर्मी पहुंचेगी। और यह गर्मी संकोचन से पैदा होगी। इसलिए जितना हो सके उतना कूड़ा इक्ठ्ठा करें। इससे खाद पर दबाव पड़ेगा और काम जल्दी होगा। गड्ढे पर ध्यान दें की कहीं वह सूख न गया हो अगर ऐसा होता है तो उसे समय समय पर गीला करते रहें। अगर वह सूखा हुआ है तो खाद बनने की विधी अपने आप ही रुक जाएगी। अपने घर के बागीचे के लिए संपूर्ण पौष्टिक वाला खाद बनाने के लिए आप जितना हो सके, अंडे के छिलके, किचन से निकली सड़ी सब्जियों का भरपूर प्रयोग कर सकते हैं।

खेतों के लिए खाद

2. गोबर की खाद्

गोबर की खाद बनाना बहुत सरल होता हे किसानों के घर पर जो गाय भैस बेल या अन्य पालतू पशु से जो गोबर प्राप्त होता हे उससे गोबर खाद् तैयार किया जाता हे खाद् बनाने के लिए इसमे ज़मीन के अंदर 20 से 25 फिट लंबे और 5 से 7 फिट चौड़े एवं 10 फिट गहरा गड्ढा बनाना पड़ता हैं। ये गड्ढा पशुओं की संख्या के अनुसार छोटा मोटा भी कर सकते है। अब उसमे गोबर और पशुओं के खाया हुआ चारा सुखला आदि जो बचा हुआ पदार्थ को उस खड्डे में डाला जाता हैं फिर उसमें पानी डाला जाता हे उस गड्ढे को गोबर और पानी से भर के ऊपर गोबर से ढाक दिया जाता हे 3 महीने में सारा गोबर सड़ कर एक अच्छी खाद् बन जाती है। इस खाद् में नाइट्रोजन,फास्फोरस,और पोटाश की मात्रा होती है।

3. केंचुए गोबर खाद

केंचुए गोबर को खाद के रूप में परिवर्तित करते हम सभी अच्छी तरह जानते हैं कि भूमि में पाये जाने वाले केंचुए मनुष्य के लिए बहुपयोगी होते हैं। विश्व विख्यात जीव वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन ने अपने 40 वर्षों के अध्ययन के बाद बताया। इसके बाद हुए अध्ययनों से केंचुओं की उपयोगिता उससे भी अधिक साबित हो चुकी है जितनी कि डार्विन ने कभी कल्पना की थी। भूमि में पाये जाने वाले केंचुए खेत में पड़े हुए पेड़-पौधों के अवशेष एवं कार्बनिक पदार्थों को खा कर छोटी-छोटी गोलियों के रूप में परिवर्तित कर देते हैं जो पौधों के लिए देशी खाद का काम करती है। इसके अलावा केंचुए खेत में ट्रैक्टर से भी अच्छी जुताई कर देते हैं जो पौधों को बिना नुकसान पहुँचाए अन्य विधियों से सम्भव नहीं हो पाती। केंचुओं द्वारा भूमि की उर्वरता, उत्पादकता और भूमि के भौतिक, रासायनिक व जैविक गुणों को लम्बे वक्त तक अनुकूल बनाये रखने में सहायता मिलती है।

बीमारियों में फायदेमंद है अदरक का पानी

अदरक को रसोई में ज्यादातर मसाले के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें बहुत सारे विटामिन, मैग्जीन और कॉपर मौजूद होते हैं जो शरीर की कई आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। अदरक के पानी में एंटी कैंसर प्रापर्टी पाई जाती है जो आपको कैंसर से दूर रखने में मददगार साबित होती है। अदरक में एंटीबैक्टीरियल पाया जाता है जिससे सर्दी-खांसी जैसी समस्या आपसे दूर रहती है।

बच्चों को सूखा रोग से कैसे बचाएं..?

सूखा रोग यानी रिकेट्स ज्यादातर उन बच्चों में होता है, जिनके शरीर में विटामिन डी और कैल्शियम की कमी होती है। यदि पाचन-क्रिया खराब होती है, तो बच्चों को दूध और अन्य ठोस पदार्थ आसानी से नहीं पच पाते हैं। ऐसी हालत में बच्चे का शरीर बिल्कुल सूख जाता है और कमर भी बिल्कुल पतली पड़ जाती है। बच्चा हर समय रोता रहता है। उसे पतले दस्त होने लगते हैं तथा दोनों ओर के स्तनों का मांस भी सूखता चला जाता है। त्वचा में झुरियां पड़ जाती हैं। यह रोग कुपोषण (कमजोरी), जिगर की खराबी और बच्चे को डराने के कारण हो जाता है।

बीमारी के लक्षण

अगर बच्चा एक साल का हो जाने पर भी खड़े होने में असमर्थ हो तो ऐसी हालत में बच्चे को सूखा रोग यानी रिकेट्स होने की आशंका ज्यादा रहती है। बच्चे को उठने या बैठने में परेशानी, पेट की बीमारी, खांसीजु काम, माथे पर पसीना, शिरगत तालु का देर से भरना, दूध के दांतों का देर से निकलना, पेट में गैस भरना, हाथ-पैरों की वक्रता होना, विकृत छाती इस

रोग के सामान्य लक्षण हैं। यह रोग पांच प्रकार का माना गया है। पहले प्रकार का रोग सूखा रोग दूषित भोजन के कारण के कारण होता है। दूसरे प्रकार का रोग बच्चे के बढ़ने के लिए अच्छे भोजन की जरूरत पड़ती है। मां के दूध में ये तत्व पूरी मात्र में नहीं होते हैं अथवा अन्न और दूध दोनों का सेवन करने वाले बच्चों को पौष्टिक तत्वों से युक्त भोजन नहीं मिलता और रोगी सूखने लगता है। तीसरे प्रकार का रोग फेफड़ों के विकार कारण होता है। चौथे प्रकार का सूखा रोग अक्सर दूषित अन्न खाने वाले बच्चों को होता है। खराब भोजन के करने से किसी बुरे रोग का लगना और सही उपचार न हो पाने के कारण रोग पुराना हो जाने के कारण शरीर के अंगों का खराब हो जाना इस रोग का मुख्य कारण है।

बच्चे को क्या खिलाएं

बच्चे को कच्चे लाल टमाटर का रस एक महीने तक रोजाना पिलाने से सूखा रोग (रिकेट्स) में आराम आता है और बच्चा

सेहतमंद और अच्छा हो जाता है। सूखा रोग में टमाटर का सेवन बच्चों के लिए बहुत ही लाभकारी है। अंगूर का रस जितना ज्यादा हो सके बच्चे को पिलाना लाभकारी है। इस रस को टमाटर के रस के साथ मिलाकर पिलाने से भी बच्चा सेहतमंद और तंदुरुस्त होता है। रात को तीन बादाम भिगोकर और सुबह उसे पीसकर दूध में मिलाकर बच्चे को पिलाने से सूखा रोग ठीक हो जाता है। बैंगन को अच्छी तरह से पीसकर उसका रस निकालकर उसके अंदर थोड़ा सा सेंधानमक मिला लें। इस एक चमच रस को रोजाना दोपहर के भोजन के बाद कुछ दिनों तक बच्चे को पिलाने से सूखा रोग में आराम आता है।

इस तरह पाएं प्रोफेशनल लुक

ऑफिस में स्मार्ट एवं परफैक्ट लुक पाने के लिए महिलाओं को अपनी ड्रैसिंग सैंस में कई तरह के बदलाव लाने पड़ते हैं। हर सुबह कामकाजी महिलाएं अपने वॉर्डरोब में से ऐसे ऑऊटफिट्स निकालती हैं, जो स्टाइलिश होने के साथ-साथ उन्हें एक बेहतरीन ऑफिस लुक भी दें। यही कारण है कि उनकी कलैक्शन में कई तरह के आऊटफिट्स होते हैं। यदि आप चाहें तो अलग से आकर्षक लुक पाने के लिए तथा स्वयं में अधिक परफैक्शन लाने के लिए कॉलर्स वाली पोशाकें भी अपने वार्डरोब में एड कर सकती हैं, जो आप को अधिक प्रोफैशनल लुक देंगी। आइए जानते हैं कि किस प्रकार के कॉलर वाली पोशाकें आप ट्राई कर सकती हैं।

स्ट्रेट कॉलर- यदि परफैक्ट कॉपरेरेट लुक चाहिए तो टिपिकल स्ट्रेट कॉलर वाली शर्ट ट्राई करें। इसे पहन कर आप अपने ऑफिस स्टाइल में एंड्रोजिनी लुक जोड़ सकती हैं। इस प्रकार के कॉलर वाली शर्ट्स ट्राऊजर्स के साथ तो

स्टाइलिश लगती ही हैं, साथ ही जब आप इसे पैंसिल स्कर्ट के साथ पहनती हैं, तो ये आपकी ड्रेसिंग को और भी हाई बना देती हैं।

पीटर पैन कॉलर- फैमिनिन लुक वाले इस कॉलर की ड्रैसेज आपकी ऑफिस लुक को फ्रेश बनाती हैं। चाहे आपको कांन्फ्रेंस में जाना हो या फिर कोई मीटिंग अटैंड करनी हो, आप पीटर पैन कॉलर शर्ट को ट्राऊजर्स के साथ पेयर करें। इस बात का ध्यान रखें कि यह कॉलर सादा हो। यदि आपका यह कॉलर शर्ट से अलग या कंट्रास्ट में भी हो, तो भी यह बहुत अच्छा लगेगा जैसे सैमन पिंक शर्ट के साथ लगा व्हाइट कॉलर। ये कॉलर शर्ट्स, टॉप, वन पीस ड्रैस, ट्यूनिक एवं कुर्ती में भी आते हैं, इसलिए आप इसे विविध प्रकार से ट्राई कर सकती हैं।

डॉग ईयर कॉलर- ये डॉगी के कान की तरह दिखता है जो वर्क प्लेस ड्रेंसिंग में काफी पहना जा रहा है। इसकी शर्ट्स को मॉडर्न ड्रैसअप पसंद करने वाली महिलाएं कॉपरेरेट लुक में पहन रही हैं। वे इसे डेनिम और ट्राऊजर्स के साथ पहनती हैं जो उन्हें सिंपल लुक भी देता है। इस कॉलर में आप अन्य ड्रेंसिंग भी पहन सकती हैं ।

मैंडरीन कॉलर- ऑफिस के लिए मैंडरीन एक रिफ्रैशिंग कॉलर है। आप इसमें शर्ट्स ही नहीं बल्कि ट्यूनिक, वन पीस ड्रैस, टॉप एवं कुर्ते भी पहन सकती हैं जो ऑफिस में पहने हुए बेहद अच्छे लगते हैं। वैस्टर्न वियर्स पहनती हैं तो इसकी लाइट शेड वाली शर्ट्स भी पहन सकती हैं।

धर्म/अध्यात्म

जानिए रुद्राक्ष के महत्व और फायदे

हिन्दू धर्म में रुद्राक्ष धारण को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हिन्दू धर्म के अनुसार रुद्राक्ष के मूल भाग मे ब्रह्मा मध्यभाग में विष्णु और उसका मुख भगवन शंकर अर्थात रूद्र माना जाता है। रुद्राक्ष के सभी बिंदुओं पर सभी देवताओं का वास होता है। यह एक्यूप्रेशर पद्धति से हमारे शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होता है। रुद्राक्ष दुर्लभ अत्यंत वस्तु है, जो नेपाल और हिमालय में बहुतायत में पाया जाता है।

रुद्राक्ष की उत्पत्ति

कहा जाता है कि सती की मृत्यु पर शिवजी को बहुत दुख हुआ और उनके आंसू अनेक स्थानों पर गिरे जिससे रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष सामान्यतया पांचमुखी पाए जाते हैं, लेकिन एक से चैदहमुखी रुद्राक्ष का उल्लेख शिव पुराण, पद्म पुराण आदि में मिलता है। रुद्राक्ष के मुख की पहचान उसे बीच से दो टुकड़ों में काट कर की जा सकती है। रुद्राक्ष को मुखों के आधार पर उनका वर्गीकरण किया गया है और इन्हीं के अनुरूप उनके फल होते हैं।

एक मुखी रुद्राक्षः इसे धारण करने वाले जातक को ब्रह्म हत्या जैसे पाप से मुक्ति मिलती है। एक मुखी रुद्राक्ष के दर्शन करने मात्र से ही पाप नष्ट होते

दो मुखी रुद्राक्षः दो मुखी रुद्राक्ष शिव और शक्ति का दूसरा स्वरूप माना गया है। इससे गौ वध जैसे पाप भी नष्ट हो जाते है। दो मुखी रुद्राक्ष को विश्व का कारण बीज कहा गया है।

तीन मुखी रुद्राक्षः तीन मुखी रुद्राक्ष सत्व राज तम का स्वरूप माना गया है। तीन मुखी रुद्राक्ष को ब्रह्मा, विष्णु और शंकर की महत्ता माना गया है। इसे धारण करने वाला जातक त्रिकालदर्शी हो जाता है।

चार मुखी रुद्राक्षः इस रूद्राक्ष को ब्रम्हा जी का दुसरा रूप माना गया है। इसे धारण करने वाले जातक को हत्या करने के पाप से मुक्ति मिलती है।

पंच मुखी रुद्राक्षः इस रूद्राक्ष को ब्रम्ह स्वरूप माना गया है। इसे धारण करने वाले जातक को सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है।

छः मुखी रुद्राक्षः इस रूद्राक्ष को कार्तिकेय का स्वरूप माना गया है। अनेक प्रकार के चर्म रोग, हदय रोग, नेत्र रोग दुर होते है।

सात मुखी रुद्राक्षः सात आवरण वाला इस रूद्राक्ष होता है। इसकों धारण करनं वाले जातक को स्त्री सुख मिलता है।

आठ मुखी रुद्राक्षः यह रूद्राक्ष पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश, सूर्य और चंद्र स्वरूप है। इसे धारण करने वाले जातक को स्वर्ग की प्राप्ति होती है। सारे कष्ट दूर हो जातें है।

नौ मुखी रुद्राक्षः यह रूद्राक्ष नव शक्ति का प्रतीक होता है। इसे धारण करने वाले जातक नंवनाथ हो जाता है।

दस मुखी रुद्राक्षः यह रूद्राक्ष भगवान के दसों अवतारों का का प्रतीक होता है। इसे धारण करने वाले जातक का दसों इन्द्रीयों से किए गए समस्त पापों का नाश होता है।

ग्यारह मुखी रुद्राक्षः यह रूद्राक्ष एकादश महारूद्र वीर, भद्र आदि के प्रतिबिंब माना गया है, ऐसा कहा जाता है कि श्रद्धा विश्वास पूर्वक धारण करने वाली बांझ स्त्री भी गर्भवती हो जाती है।

बारह मुखी रुद्राक्षः यह रूद्राक्ष सूर्य का स्वरूप होता है। एवं यह बारह ज्योतिर्लिंगों का प्रतीक है, इसे धारण करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होतें है। मानसिक शारीरिक परेशनियां हो जाती है।

तेरह मुखी रुद्राक्षः यह रूद्राक्ष विश्वेश्वर का प्रतीक होता है। इसको धारण करने से मनोकामना पूर्ण हाती है।

चौदह मुखी रुद्राक्षः यह रूद्राक्ष भुवनेश्वर का स्वरूप होता है। यह चौदह विद्या, चौदह लोक, चौदह इन्द्र का प्रतीक होता है। इसे धारण करने से मानसिक, शारीरिक, आर्थिक एवं पारिवारिक कष्ट दूर होते है।

गौरीशंकर रुद्राक्षः गौरीशंकर दो जुडे रूद्राक्ष को पुराणों में गौरीशंकर रूद्राक्ष कहा गया है। इसे धारण करने से सभी प्रकार की मनोकामना पूर्ण होती है। गौरीशंकर रूद्राक्ष पूजाघर में रखना शुभ फलदायक होता है।

ताजमहल : भारत की शान और एक प्यार की निशानी

ताजमहल भारत के आगरा शहर में स्थित एक विश्व धरोहर मक़बरा है। इसका निर्माण कार्य 1632 में शुरु हुआ और 1653 में बनकर तैयार हुआ। ताजमहल भारत की शान और प्रेम का प्रतीक चिह्न माना जाता है। इसका निर्माण मुग़ल सम्राट शाहजहाँ ने, अपनी पत्नी मुमताज़ महल की याद में करवाया था। आगरे का ताजमहल आज सम्पूर्ण विश्व का ताज बन गया है । यहां एक वक्राकार गेट के जरिए पहुंचा जा सकता है। ताजमहल को 40 मीटर ऊंची सममितीय मीनारों से सजाया गया है। हर मीनार तीन भाग में बंटा हुआ है और इसमें दो बालकॉनी है। यह भारतीय और विदेशियों के आकर्षण का केन्द्र है ।

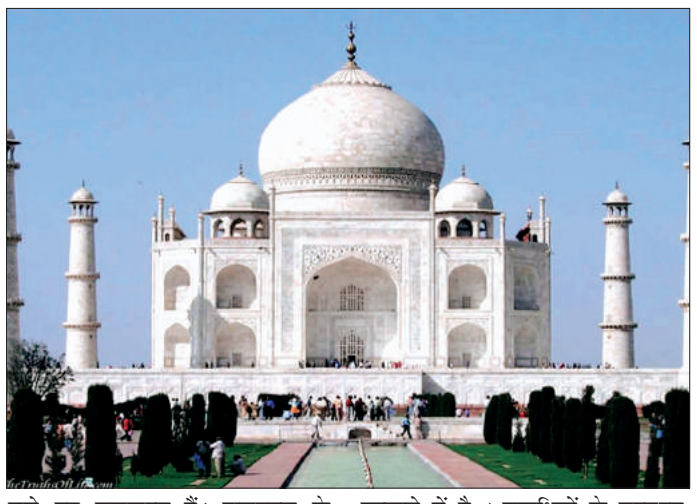

ताजमहल का मुख्य आकर्षण

ताजमहल के विशाल द्वार के दोनों ओर सफेद पत्थरों पर कुरानों की आयतें लिखी हुई हैं । इसके बाद एक छोटा सा संग्रहालय है जिसमें मुगल सम्राटों के अस्त्र-शस्त्र और चित्र सुरक्षित रखे हुए हैं । मुख्य भवन के दोनों तरफ सुन्दर वृक्षों की पंक्तियाँऔर पानी के फव्वारे से सजे हुए जलकुण्ड हैं। ताजमहल के सफेद चबूतरों और चारों तरफ की दीवारों, 275 फुट ऊंचे विशाल गुम्बद और छोटे-छोटे अन्य गुम्बदों से इसकी शोभा दुगुनी हो जाती है माना जाता है ताजमहल के बड़े गुम्बद के नीचे दो प्रेमियों (शाहजहाँ और मुमताज महल) की कब्रें हैं, वास्तविक समाधि नीचे तहखाने में है । समाधियों के बहुमूल्य पत्थरों पर सुन्दर नक्काशी की हुई है । चारों तरफ संगमरमर की सुन्दर जालियाँ है। समाधियाँ मोमबत्ती के प्रकाश की सहायता से दिखाई जाती हैं । सुगन्धित धूप बत्तियों से वातावरण को महकाया जाता है । मुमताज महल की समाधि पर आयतें लिखी हुई हैं

कुछ खास बातें

» यह सफेद रंग के संगमरमर से बना हुआ है जो बहुत ही चमकदार दीखता है जो राजपूताने की खानों से आया था ।

» ताजमहल यमुना नदी के किनारे बना हुआ है अति सुन्दर प्रतीत होती है शाम के समय यहाँ काफी ठंडक रहती है और नजारे बहुत ही सुन्दर दिखाई देते है।

» शाहजहाँ और मुमताज महल के प्रेम का प्रतीक जो दो दिलों के प्रेम की कहानी कह रहा है ।

» इसे बनवाने के बाद कारीगर के हाथ कटवा दिए गए थे ताकि ऐसी सुन्दर ईमारत दोवारा कोई न बना सके।

» ताजमहल दुनिया के सात अजूबों में गिना जाता है ।

» इसे बनवाने में 20 -22 वर्ष लगे और बीस हजार मजदूरों ने काम किया ।

» शरद् पूर्णिमा की चाँदनी रात में ताजमहल अद्भुत और अतिसुन्दर दिखाई देता है ।

» इसमें कई उठे हुए रास्ते हैं, जो बाग को 16 फूलों की क्यारियों में बांटता है।

» हर साल ताजमहल को लगभग 9 से 10 मिलियन लोग देखने आते है। जिसमें से केवल 70 फीसदी लोग भारतीय होते है यहाँ पूरे संसार से लोग गुमने आते है ।

रेसिपी

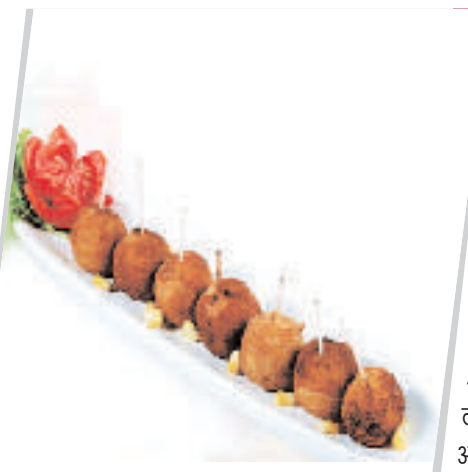

बेबी फ्रिटर्स

सामग्री

2 आलू (उबले हुए)
2 क्यूब्स चीज
1/2 कप ब्रैडक्रंब्स
तेल तलने के लिए
12 स्टिक्स
1/2 कप मकई दाना(उबला व कटा)
4 चम्मच मैदा
लालमिर्च और नमक स्वादानुसार
आमचूर स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले एक बाउल में उबले आलू, नमक, मिर्च, मकई व आमचूर को डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण की गोलगोल छोटी-छोटी बॉल्स बनाकर बीच में थोड़ा सा चीज भर कर स्टिक लगा दें। अब एक कटोरी में मैदे का घोल तैयार करके रख लें। पहले बॉल्स को मैदे के गोल में डिप करें और फिर ब्रैडक्रंब्स लपेटें और तेल में फ्राई करें। बेबी फ्रिटर्स तैयार है इन्हें सॉस के साथ सर्व करें।

मूली मकई की रोटी

सामग्री

1/2 कप कसी हुई मूली
1 कप मकई का आटा
1 टी-स्पून अधरक-लहसुन का पेस्ट
1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
1 टेबल-स्पून तेल
नमक स्वादअनुसार
तेल , पकाने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, पर्याप्त मात्रा में गुनगुने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 6 भाग में बांट लें। आटे के प्रत्येक बाग को 2 पलासटिक शीट के बीच रखकर, 125 मिमी। (5) व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक रोटी को थोड़े तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

खाली पेट नींबू पानी पीने से बीमारियां रहेंगी कोसों दूर

नींबू खाने के स्वाद को और भी बढ़ा देता है। सलाद,चाट या सब्जी पर नींबू निचोड़ कर खाने का अलग ही मजा है। गर्मी के मौसम में तो नींबू खाने के साथ-साथ नींबू पानी पीने से भी बहुत फायदा मिलता है। इससे प्यास तो बुझ ही जाती है,साथ-साथ यह ताजगी भी बनाएं रखता है। वैसे तो नींबू पानी का सेवन दिन में 2 बार जरूर करना चाहिए लेकिन अगर रोजाना सुबह खाली पेट इसका सेवन करेंगे तो इससे बहुत सारे फायदे मिव सकते हैं।

1. पाचन क्रिया बेहतर

सुबह गुनगुने पानी में नींबू और शहद डालकर पीने से शरीर में पाचक रस बनना शुरू हो जाता है। इससे भूख लगनी शुरू हो जाती है और ये पाचन क्रिया को बेहतर रखने में भी मददगार है।

2. विटामिन सी से भरपूर

शरीर के लिए विटामिन सी बहुत जरूरी है। इससे रोगों से लडने में मदद मिलती है। सुबह के समय इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर हो जाती है। जो छोटी-छोटी इंफैक्शन जैसे सर्दी,खांसी,जुखाम को बचाव रखता है।

3. त्वचा में निखार

इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट के गुण होते हैं। जो त्वचा में निखार बनाए रखते हैं। जिससे त्वचा के दाग-धब्बे साफ हो जाते हैं।

4. मुंह की दुर्गंध दूर

नींबू पानी मुंह की दुर्गंध को दूर करने में मददगार है।यह बॉडी को डिटॉक्स करने का काम करता है।

5. वजन करें कम

मोटापे से परेशान हैं तो सुबह खाली पेट गरम पानी, नींबू और शहद का सेवन करने से पेट में जमा चर्बी कम होनी शुरू हो जाती है। इससे मेटाबॉलिजम भी बढ़ता है।

6.जोड़ों के दर्द से राहत

जोड़ों के दर्द की से परेशान है तो सुबह नींबू पानी पीना शुरू कर दें। आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

56वीं राष्ट्रीय खो-खो चैम्पियनशिप के पुरुष और महिला वर्ग के खिताबी मुकाबले तय

नई दिल्ली,01 अप्रैल (एजेंसियां) । नई दिल्ली में चल रही 56वीं राष्ट्रीय खो खो चैम्पियनशिप के पुरुष और महिला वर्ग के खिताबी मुकाबले खेले जायेंगे। इससे पहले खेले गए पुरुष वर्ग के एक क्वॉर्टर फाइनल मुकाबले में केरल की टीम ने 8 अंक और एक पारी से रेलवे की टीम को पराजित कर दिया।

रेलवे के राम जी कश्यप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं कर्नाटक और ओडिशा के बीच खेला गया एक अन्य क्वॉर्टर फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक रहा। जिसमें ओडिशा ने 4 अंको से जीत दर्ज की और इस तरह मैच का स्कोर ओडिशा का 28 अंक और कर्नाटक का 24 अंक रहा। दिन का एक अन्य क्वॉर्टर फाइनल मुकाबला काफी दिलचस्प रहा जिसमें आंध्रप्रदेश ने 36 अंक और कोल्हापुर की टीम ने 42 अंक का स्कोर किया। इस तरह कोल्हापुर 6 अंक से जीतने में कामयाब रहा। अंतिम क्वॉर्टर फाइनल मुकाबला रोमांच से भरपूर रहा जिसमें पश्चिम बंगाल की टीम ने 20 और महाराष्ट्र की टीम ने 22 अंक अर्जित किये और महाराष्ट्र इस मैच में 2 अंक से विजयी रहा। महिला वर्ग के क्वॉर्टर फाइनल मैच में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और कोल्हापुर के बीच हुए मैच में 18-14 से एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने ये मुकाबला 4 अंको की बढ़त से जीत लिया।

दिन के एक अन्य क्वॉर्टर फाइनल मैच में महाराष्ट्र का सामना पश्चिम बंगाल से हुआ। जिसमें 38-16 के स्कोर से महाराष्ट्र ने 22 अंको से एकतरफा जीत दर्ज की। गुजरात बनाम ओडिशा के बीच हुए मुकाबले में 12-22 के स्कोर से ओडिशा ने एक इनिंग और 10 अंको से मैच को अपने नाम किया। महिला क्वॉर्टर फाइनल के आखिरी मुकाबले में मेज़बान दिल्ली और कर्नाटक के बीच खेला गया। दिल्ली से अपने प्रशंसकों को निराश ना करते हुए 26-20 के स्कोर के साथ 6 अंक से मैच अपने नाम किया।

दोपहर तीन बजे महिला वर्ग और 4 बजे पुरुष वर्ग के खिताबी मुकाबले होंगे। वही दिन के पहले सत्र में दोनों वर्गों के सेमीफाइनल मुकाबले खेले जायेंगे। इसके उपरांत पुरस्कार वितरण के साथ भव्य समापन समारोह का आयोजन होगा।

न्यूज ब्रीफ

हॉकी इंडिया ने महिला राष्ट्रीय कैंप के लिए 60 सदस्यीय दल का किया ऐलान

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने 60 सदस्यीय महिला दल की घोषणा की, जो 1 से 7 अप्रैल तक होने वाले ट्रायल कैंप के लिए साई, बेंगलुरु में रिपोर्ट करेगी। यहां 6 और 7 अप्रैल को भविष्य के कोचिंग शिविरों और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन दौरों के लिए टीम में से 33 खिलाड़ियों की छंटनी होगी। पुणे में हाल ही में संपन्न सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद 60 खिलाड़ियों के ग्रुप को शॉर्टलिस्ट किया गया है। यह चयन पूरे टूर्नामेंट में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न राज्यों की होनहार प्रतिभाओं की पहचान करता है। एक विज्ञप्ति में बताया गया है, अब इन खिलाड़ियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। वे भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए अंतिम 33 सदस्यीय कोर संभावित ग्रुप में जगह बनाने की दौड़ में हैं। फिलहाल, नए मुख्य कोच की नियुक्ति से पहले सभी खिलाड़ी महिला हॉकी टीम की कोच अंकिता बी.एस. को रिपोर्ट करेंगी। इस ट्रयल ग्रुप पर टिप्पणी करते हुए हॉकी इंडिया के हाई-परफॉर्मेंस डायरेक्टर हरमन क्रूज ने कहा, 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप सोने की खान साबित हुई। हमने राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में टीमों में से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को चुना है, भले ही वे पहले राष्ट्रीय सेटअप में शामिल रहे हों। अब हमारे पास राष्ट्रीय टीम में रहे खिलाड़ियों और दमदार क्षमता दिखाने वाले खिलाड़ियों का एक अच्छा मिश्रण है। आगे बढ़ने का उद्देश्य भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य संभावित खिलाड़ियों के लिए सर्वश्रेष्ठ 33 खिलाड़ियों को चुनना है।

जैनिक सिनर ने जीता मियामी ओपन का खिताब, ग्रिगोर दिमित्रोव को दी मात

फ्लोरिडा। मियामी ओपन 2021 और 2023 में उपविजेता रहे जैनिक सिनर ने हार्ड रॉक स्टेडियम में पुरुष एकल फाइनल में ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-3, 6-1 से हराकर मियामी ओपन 2024 खिताब अपने नाम किया. ऑस्ट्रेलियन ओपन और रॉटरडैम के बाद इस साल वर्ल्ड नंबर 3 खिलाड़ी के लिए यह तीसरा खिताब है. इस सीजन में उनका स्कोर 22-1 है और मियामी ओपन जीतने वाले पहले इटालियन हैं. इस शानदार प्रदर्शन के बाद वो जल्द रैंकिंग में एक पायदान ऊपर नंबर 2 पर पहुंच जाएंगे। जैनिक सिनर ने कहा, यह मेरे लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन था. खासतौर पर सेमीफ़ाइनल और फ़ाइनल मेरे लिए अधिक महत्वपूर्ण है। रैंकिंग में नंबर 2 पर पहुंचना मेरे लिए अद्भुत अहसास है. खेल एक अलग चीज है और जीवन उससे बहुत अलग है। मैं यहां पहुंच कर खुश हूं और हर पल का आनंद ले रहा हूं। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। 22 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले सेट में, पांचवें और नौवें गेम में दो ब्रेक प्वाइंट को भुनाया और 42 मिनट में सेट समाप्त किया. दूसरे सेट में, सिनर को चौथे और छठे गेम में भी दो ब्रेक मिले और स्कोर को 5-1 तक ले गए। इसके बाद उन्होंने 1 घंटे और 13 मिनट में जीत हासिल की। उन्होंने फर्स्ट सर्व प्वाइंट के 88 प्रतिशत अंक (24 में से 21) जीते। जहां तक सीज़न के शेष भाग की बात है, सिनर को अभी भी लगता है कि बहुत कुछ सुधार किया जाना बाकी है।

हजारीबाग पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी की हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार

जमशेदपुर। झारखंड के हजारीबाग जिले से जमशेदपुर के एक पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी की हत्या करने के आरोप में एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यहां की एक पुलिस टीम ने अपने हजारीबाग पुलिस के सहयोग से 20 दिनों से लापता प्रशांत कुमार सिन्हा का क्षत-विक्षत शव बरामद किया यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने कहा कि आरोपी काजल सुमन (28) और उसके मित्र रौनक कुमार (19) को पुलिस टीम ने हजारीबाग के चड़वा पुल के नीचे से प्लास्टिक की बोरी में बंद सिन्हा का शव बरामद करने के बाद गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी हजारीबाग के लोहसिंघना इलाके के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि हत्या के पीछे सिन्हा और काजल के बीच पैसों को लेकर विवाद माना जा रहा है। काजल ने रौनक के साथ मिलकर साजिश रची और कुछ दिन पहले हजारीबाग के हासमियां मोहल्ले में रौनक के गौशाला में सिन्हा की गला दबाकर हत्या कर दी। सिन्हा के परिजनों ने 22 मार्च को यहां बिरसानगर थाने में सिन्हा के लापता होने की प्राथमिकी दर्ज करायी थी।

मुंबई की लगातार तीसरी हार, राजस्थान ने लगाई जीत की हैट्रिक, रियान पराग चमके

मुंबई, 01 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ गया। 17वें सीजन में टीम को अपने ही होम ग्राउंड पर राजस्थान रॉयल्स ने 6 विकेट से हरा दिया। राजस्थान की यह सीजन में लगातार तीसरी जीत रही। सोमवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई ने पहले बैटिंग की। टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 125 रन बनाए। ट्रेंट बोल्ट और युजवेंद्र चहल ने 3-3 विकेट लिए। मुंबई से तिलक वर्मा ने 32 और हार्दिक पंड्या ने 34 रन बनाए। 126 रन का टारगेट राजस्थान ने 15.3 ओवर में हासिल कर लिया। टीम से रियान पराग ने फिफ्टी लगाई, वह 54 रन बनाकर नॉटआउट रहे। मुंबई के लिए आकाश मधवाल ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

राजस्थान के लिए रियान पराग ने फिफ्टी लगाई। वह 39 बॉल में 54 रन बनाकर नॉटआउट रहे। 16वें ओवर में पराग ने जेराल्ड कूट्ज़ी के खिलाफ 2 सिक्स और एक चौका लगाकर मैच खत्म किया। राजस्थान को चौथा झटका रविचंद्रन अश्विन के रूप में लगा। उन्हें आकाश मधवाल ने कैच आउट कराया। अश्विन ने 16 रन बनाए। राजस्थान के टॉप-3 बैटर्स कुछ खास नहीं कर सके। यशस्वी जायसवाल ने 10, संजू सैमसन ने 12 और जोस बटलर ने 13 रन बनाए। आकाश मधवाल ने मुंबई को तीसरी सफलता दिलाई, उन्होंने जोस बटलर को फाइन लेग पर कैच आउट कराया। बटलर ने 16 बॉल पर 13 रन बनाए। इससे पहले मधवाल ने संजू सैमसन को बोल्ड किया। मधवाल मुंबई के लिए इस सीजन पहला ही मैच खेल रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन लगातार दूसरे मैच में कुछ खास नहीं कर सके। उन्हें आकाश मधवाल ने बोल्ड किया। सैमसन 10 बॉल पर 12 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने पारी में 3 चौके लगाए। क्वेना मफाका ने मुंबई इंडियंस को पहले ही ओवर में सफलता दिला दी। उन्होंने आखिरी बॉल पर यशस्वी जायसवाल को कैच आउट कराया। यशस्वी ने 6 बॉल पर 10 रन बनाए। बई इंडियंस अपने ही होम ग्राउंड पर 125 रन ही बना सकी। आईपीएल के 17वें सीजन में यह सबसे छोटा स्कोर रहा। इससे पहले गुजरात टाइटंस की टीम चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ ने 143 रन बनाए थे। मुंबई से कोई भी बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका, तिलक वर्मा ने 32 और हार्दिक पंड्या ने 34 रन बनाए। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के साथ नमन धीर और डेवाल्ड ब्रेविस ने गोल्डन डक बनाया। तीनों पहली-पहली बॉल पर ही कैच आउट हो गए। तीनों को बोल्ट ने पवेलियन भेजा। नांद्रे बर्गर ने राजस्थान को 9वां विकेट दिलाया, उन्होंने टिम डेविड को स्क्वेयर लेग पर कैच आउट कराया। डेविड 24 बॉल में 17 रन बनाकर आउट हुए। बर्गर ने इससे पहले ईशान किशन को भी पवेलियन भेजा था। युजवेंद्र चहल ने जेराल्ड कूट्ज़ी के रूप में तीसरा विकेट लिया। 17वें ओवर में चहल ने कूट्ज़ी को शॉर्ट कवर पोजिशन पर कैच आउट कराया। कूट्ज़ी ने 9 बॉल पर 4 रन बनाए। चहल ने अपने स्पेल के 4 ओवर में महज 11 रन दिए और 3 विकेट झटक लिए। मिडिल ऑर्डर बैटर तिलक वर्मा भी अपनी टीम को 100 रन के पार ले जाने से पहले ही आउट हो गए। वह 14वें ओवर में युजवेंद्र चहल का शिकार हो गए। चहल ने ऑफ स्टंप के बाहर फ्लाइटेड बॉल फेंकी, लेकिन तिलक शॉर्ट थर्ड मैन पर रवि अश्विन के हाथों कैच हो गए। तिलक ने 29 बॉल पर 32 रन बनाए। नंबर-7 पर बैटिंग करने उतरे पीयूष चावला ज्यादा देर नहीं टिके। वह 3 ही रन बनाकर आउट हो गए, उन्हें आवेश खान ने बैकवर्ड पॉइंट पोजिशन पर कैच आउट कराया। शिमरोन हेटमायर ने डाइव लगाकर बेहतरीन कैच पकड़ा। 10वें ओवर में हार्दिक पंड्या को युजवेंद्र चहल ने कैच आउट कराया। उन्होंने तीसरी बॉल पर बड़ा शॉट लगाने की कोशिश की लेकिन लॉन्ग ऑन पर रोवमन पॉवेल के हाथों कैच हो गए। हार्दिक 34 रन बनाकर आउट हुए, इसी के साथ उनकी तिलक वर्मा के साथ 56 रन की पार्टनरशिप भी टूट गई।मुंबई इंडियंस ने पहले पावरप्ले में 4 विकेट गंवाए। रोहित शर्मा, नमन धीर और डेवाल्ड ब्रेविस खाता भी नहीं खोल सके, वहीं ईशान किशन ने 16 रन बनाए। ट्रेंट बोल्ट को 3 और नांद्रे बर्गर को एक विकेट मिला। मुंबई ने 4 विकेट के बावजूद रन बनाने की स्पीड नहीं घटाई और 6 ओवर में 46 रन बना लिए।

बोपन्ना 44 की उम्र में बने मास्टर्स विजेता एबडेन के साथ जीता पुरुष युगल खिताब

नई दिल्ली,01 अप्रैल (एजेंसियां) । रोहन बोपन्ना ने 44 वर्ष की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यु एबडेन के साथ मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल का खिताब जीत लिया। भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने फाइनल में क्रोएशिया के इवान डोडिग और अमेरिका के ऑस्टिन क्राजिसेक को 6-7 (3), 6-3, 10-6 से पराजित किया। इस जीत के साथ बोपन्ना एटीपी मास्टर्स पुरुष युगल का खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उन्होंने बीते वर्ष 43 वर्ष की उम्र में इंडियन वेल्स में जीते गए खिताब के अपने ही रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। यह उनका 26वां एटीपी पुरुष युगल खिताब है। वह अब तक 14 एटीपी मास्टर्स और 63 एटीपी टूर्नामेंट के पुरुष युगल के फाइनल में पहुंच चुके हैं। बोपन्ना इस जीत के साथ पुरुष युगल में फिर से विश्व नंबर की कुर्सी पर काबिज हो गए हैं।

बोपन्ना सबसे उम्रदराज विश्व नंबर एक-बोपन्ना ने जीत के बाद कहा कि वह मास्टर्स 1000 और ग्रैंड स्लैम में अच्छा करना चाहते हैं। रिकॉर्ड को आगे जारी रखना अच्छा है। सभी नौ एटीपी मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले बोपन्ना, लिएंडर पेस के बाद दूसरे भारतीय हैं। पहले सेट में बोपन्ना-एबडेन 6-5 से आगे थे और उनके पास तीन सेट प्वाइंट भी थे, लेकिन उन्होंने सर्विस गंवा दी और टाईब्रेकर भी हार बैठे। हालांकि इसके बाद दोनों ने जबरदस्त वापसी करते हुए दूसरा सेट भी जीता और सुपरटाईब्रेकर जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। बोपन्ना 44 की उम्र में विश्व नंबर एक बनने वाले भी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। यहां भी वह अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेंगे।

गंभीर बीमारी से जूझ रहीं कोलिंस बनीं विजेता-गर्भाशय को प्रभावित करने वाली दर्दनाक बीमारी एंडोमेट्रियोसिस से जूझ रहीं विश्व नंबर 53 गैर वरीय अमेरिका की डेनियल कोलिंस ने चौथी वरीय कजाखस्तान की एलीना रिबाकीना को 7-5, 6-3 से पराजित कर महिला एकल का खिताब जीत लिया। 30 वर्षीय कोलिंस ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दौरान अपनी बीमारी का खुलासा करते हुए कहा था कि यह सत्र उनका अंतिम हो सकता है। अपने गृह राज्य में खेल रहीं कोलिंस ने यह खिताब मार्टिना नवरातिलोवा और आंद्रे अगासी की मौजूदगी में भारी समर्थन के बीच जीता। विजयी बैकहैंड क्रासकोर्ट लगाते ही कोलिंस 10 सेकंड के लिए बिना हिले झुक गईं। ट्रॉफी लेने के दौरान उनकी आंखों में आंसू थे। कोलिंस ने कहा कि उन्होंने काफी टेनिस और कुछ फाइनल खेले, लेकिन इससे ज्यादा उनके और कोई करीब नहीं है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

खालिस्तानियों के साथ ...

जो ब्रिटिश धरती पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की उपस्थिति के साथ मेल खाता है। और जब अमेरिकी विदेश विभाग अपने स्वयं के लोकतांत्रिक मुद्दों की अनदेखी करते हुए केजरीवाल की निष्पक्ष जांच के लिए बोलता है, तो ऐसे में क्या त्यौरियां नहीं चढ़ेंगी?

जर्मनी और अमेरिका ने केजरीवाल की हिरासत पर बयान दिए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, हम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी सहित इन कार्रवाइयों पर बारीकी से नजर रखना जारी रखेंगे। मिलर ने कहा, हम निष्पक्ष, पारदर्शी और समय पर कानूनी प्रक्रियाओं को अंजाम तक पहुंचाने का समर्थन करते हैं और हमें नहीं लगता कि इस पर किसी को आपत्ति होनी चाहिए। साथ ही, मिलर ने भारत के आंतरिक मामलों में अमेरिकी हस्तक्षेप के बारे में और सवाल उठाते हुए कांग्रेस के बैंक खातों को फ्रीज करने पर भी टिप्पणी की। भारत ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए दोनों देशों के राजनयिकों को तलब कर आपत्ति दर्ज कराई और यह स्पष्ट किया कि केजरीवाल की गिरफ्तारी भारत का घरेलू मामला है।

ऐसे में आपा के कार्यों और गठबंधनों की जांच जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय हस्तियों के साथ केजरीवाल के कथित संबंध और अमेरिकी विदेश विभाग की अचानक उभरी दिलचस्पी एक गहरी उलझन का संकेत देती है। क्या ये घटनाक्रम भारत में स्थापित राजनीतिक व्यवस्था को अस्थिर करने की सोची-समझी रणनीति का संकेत दे रहे हैं? अरविंद केजरीवाल के मुकदमे की पारदर्शिता और बैंक खातों को फ्रीज करने के कांग्रेस के आरोपों पर सवाल उठाने का अमेरिकी विदेश विभाग का दुस्साहस, उनकी अपनी चुनावी प्रणाली से जुड़े विवादों को देखते हुए पाखंड लगता है। इनमें पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सोशल मीडिया अकाउंट को निलंबित करना और प्रमुख एप स्टोर्स से पार्लर को हटाना शामिल है। आरोपों से पता चलता है कि ट्रम्प के ट्विटर प्रतिबंध के बाद कई उपयोगकर्ता पार्लर पर चले गए, जिससे ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफार्मों को वित्तीय नुकसान हुआ। इसके कारण गूगल, एप्पल और अमेजन को अपने एप स्टोर से पार्लर को बाहर करना पड़ा। अन्य प्लेटफार्मों की तुलना में कहीं कम गंभीर उल्लंघन के लिए की गई ये कार्रवाइयां ऐसी हैं, जो यह रेखांकित करती हैं कि अन्य देशों की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की जांच से पहले अमेरिका को अपनी आंतरिक चुनौतियों से निपटने की जरूरत है।

अरविंद केजरीवाल के मामले में निष्पक्ष और पारदर्शी कानूनी प्रक्रिया की वकालत करने वाले अमेरिका के हालिया बयानों के जवाब में उचित प्रक्रिया के प्रति भारत की सराहनीय प्रतिबद्धता को उजागर करना महत्वपूर्ण है। भारत ने पूरी लगन से यह सुनिश्चित किया है कि केजरीवाल को अपने पद की गरिमा और सम्मान के साथ अपनी रक्षा करने का हर अवसर मिले। ईडी द्वारा केजरीवाल को नौ बार पूछताछ के लिए समन भेजा इस बात का उदाहरण है कि जांच एजेंसी ने धैर्य रखा और कानूनी प्रोटोकॉल का पालन किया। महत्वपूर्ण बात यह है कि सुनवाई और कार्यवाही कानून के दायरे में सावधानीपूर्वक संचालित की गई है। इसके अतिरिक्त, खुद केजरीवाल ने शीर्ष स्तरीय कानूनी प्रतिनिधित्व का लाभ उठाया है, जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी भी शामिल हैं। यह राजनीतिक संबद्धता या कद की परवाह किए बिना निष्पक्ष और निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए भारत के अटूट समर्पण को रेखांकित करता है।इस तरह के अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप का समर्थन करने में आपा की संभावित भूमिका पर विचार करने पर कहानी और अधिक जटिल हो जाती है। विशेष रूप से, फरवरी 2020 में जब डोनाल्ड ट्रंप भारत के दौरे पर थे, उस दौरान उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दंगे हुए। दुनिया में भारत की छवि बिगाड़ने के लिए दंगों के लिए जो समय चुना गया, वह आपा की उनमें संलिप्ता का संदेह पैदा करता है। क्या वैश्विक मंच पर भारत की छवि को खराब करने के लिए इन दंगों को आपा के भीतरी तत्वों द्वारा भड़काया या समर्थित किया गया होगा? ऐसी घटनाओं के बाद अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी और केजरीवाल का मौन समर्थन उनके इरादों और भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करने में उनके संभावित सहयोग पर सवाल उठाता है।ऐसे समय में जब भारत चुनावी माहौल चरम पर है, अरविंद केजरीवाल ईडी की हिरासत में हैं और उनके कथित युवा नेता राघव चड्ढा बड़ी सहजता से ब्रिटेन चले जाते हैं। इससे हर किसी को आश्चर्य हो रहा है और मन यह सवाल उठ रहा है कि क्या वह भारत पर दबाव बनाने के लिए संदिग्ध संगठनों के साथ गठजोड़ करने के लिए ब्रिटेन गए हैं या दिव्य दृष्टि पाने के लिए आंख की सर्जरी करा रहे हैं?

राजनीति और अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की इस गंदी दुनिया में आपा के मंसूबों और विदेशी खिलाड़ियों के साथ उनके विचित्र संबंधों पर सवाल उठाना महत्वपूर्ण है। क्या वे भारत की राजनीति को अस्थिर करने की योजना में अनजाने मोहरे हैं या इसके लिए सहर्ष प्रस्तुत हैं? जैसे-जैसे कहानी सामने आ रही है, यह स्पष्ट हो रहा है कि आपा की पारदर्शिता और जवाबदेही के दावे उतने ठोस नहीं हैं, जितने लगते हैं। अब परदा हटाने और उन लोगों को जिम्मेदार ठहराने का समय आ गया है, जो इसमें शामिल हैं। अमेरिका को इस वास्तविकता के साथ जागना चाहिए कि भारत बदल रहा है। यह नया भारत है, जिसका सामना करना उसके लिए जरूरी है।

कच्चातिवु द्वीप...

पिछले 20 वर्षों में भारत के 6,180 मछुआरों को श्रीलंका ने हिरासत में लिया। इस दौरान श्रीलंका ने मछली पकड़ने वाली 1175 नौकाओं को भी जब्त किया। विडंबना यह है कि कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दिए जाने की शर्तों में यह भी शामिल था कि भारत के मछुआरे वहां भी मछली पकड़ेंगे। लेकिन श्रीलंका ने बाद में ऐसा नहीं होने दिया। भारत सरकार ने भी कभी इसकी सुध नहीं ली। कच्चातिवु एक छोटा सा वीरान द्वीप है जो भारत और श्रीलंका के बीच हिंद महासागर में स्थित है। यह 285 एकड़ में फैला हुआ है और 14वीं सदी में ज्वालामुखी विस्फोट से बना था। यह द्वीप कभी 17वीं शताब्दी में मदुरई के राजा रामानद के अधीन था। ब्रिटिश शासनकाल में यह द्वीप मद्रास प्रेसीडेंसी के पास आया। 1921 में श्रीलंका और भारत दोनों ने मछली पकड़ने के लिए भूमि पर दावा किया और विवाद अनसुलझा रहा। आजादी के बाद इसे भारत का हिस्सा माना गया।

न हम बाधा...

तमिलनाडु के एक मीडिया चैनल को दिए अपने ताजा इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि न तो हम जांच एजेंसियों के काम में बाधा डालते हैं और न ही उनकी कार्रवाई में कोई दखल देते हैं। वे निष्पक्ष और स्वतंत्र तौर पर जांच करती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन मामलों की जांच फिलहाल ईडी द्वारा की जा रही है, उनमें से 3 फीसदी से भी कम मामले राजनीति से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मौजूदा समय में ईडी करीब 7000 मामलों की जांच कर रहा है, जिनमें से 3 प्रतिशत से भी कम मामले राजनीति से जुड़े हैं। उनके (विपक्षी सरकार के) 10 वर्षों के कार्यकाल में ईडी ने सिर्फ 35 लाख रुपए जब्त किए थे। वहीं हमारी सरकार में करीब 2200 करोड़ रुपए जब्त किए गए हैं।विपक्ष के सरकार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने के आरोपों पर पीएम मोदी ने कहा कि जांच एजेंसियों के मामला दर्ज करने की प्रक्रिया पहले जैसी ही है और सत्ता में कौन है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। विभिन्न विभाग पहले मामला दर्ज करते हैं और उसके बाद ही ईडी कार्रवाई करती है। पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) पहले से मौजूद है, लेकिन उन्होंने (विपक्ष) इसका इस्तेमाल ही नहीं किया। उन्होंने न्यायपालिका का हथियार की तरह इस्तेमाल किया क्योंकि उन्हें पता है कि मोदी की भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई नहीं रुकेगी। उन्हें (विपक्ष) लगता है कि वे अदालतों के जरिए इन संस्थाओं को रोक सकते हैं।

केजरीवाल को...

अरविंद केजरीवाल की पेशी के दौरान पत्नी सुनीता, आपा नेता सौरभ भारद्वाज, आतिशी, गोपाल राय समेत कई नेता मौजूद रहे। बीती 28 मार्च को अरविंद केजरीवाल को कोर्ट ने राहत नहीं दी थी और एक अप्रैल तक के लिए ईडी की रिमांड पर भेज दिया था। ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। ईडी के वकील एएसजी राजू ने कहा कि केजरीवाल जांच में सहयोग नहीं कर रहे है। केजरीवाल जांच से जुड़े सवालों के सीधे जवाब नहीं दे रहे है। अदालत को ये सब बताने का मकसद है कि ईडी आगे भी केजरीवाल की हिरासत की मांग कर सकता है।

उन्हें केवल...

एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जहां उन्होंने एक समुद्री सीमा खींची, और समुद्री सीमा खींचने में कच्चातिवु को सीमा के श्रीलंकाई पक्ष पर रखा गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और डीएमके ने इस मामले को इस तरह से लिया है मानो इस पर उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं थी। जयशंकर ने कहा, हम जानते हैं कि यह किसने किया, यह नहीं पता कि इसे किसने छुपाया। हमारा मानना है कि जनता को यह जानने का अधिकार है कि यह स्थिति कैसे उत्पन्न हुई।

कच्चातिवु द्वीप मसले के चलते श्रीलंका द्वारा भारतीय मछुआरों के पकड़े जाने की घटना की जानकारी देते हुए जयशंकर ने कहा, पिछले 20 वर्षों में, 6184 भारतीय मछुआरों को श्रीलंका द्वारा हिरासत में लिया गया है और इसी समय काल में 1175 भारतीय मछली पकड़ने वाली नौकाओं को श्रीलंका द्वारा जब्त किया गया है। पिछले पांच वर्षों में कच्चातिवु मुद्दा और मछुआरे का मुद्दा संसद में विभिन्न दलों द्वारा बार-बार उठाया गया है। यह संसद के सवालों, बहसों और सलाहकार समिति में सामने आया है। तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने मुझे कई बार पत्र लिखा है और मेरा रिकॉर्ड बताता है कि मौजूदा मुख्यमंत्री को मैं इस मुद्दे पर 21 बार जवाब दे चुका हूं। यह एक जीवंत मुद्दा है जिस पर संसद और तमिलनाडु हलकों में बहुत बहस हुई है। यह केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच पत्राचार का विषय रहा है।

जयशंकर ने कहा, सत्य यह है कि आज हम वास्तव में न केवल यह जानते हैं कि यह किसने किया और किसने इसे छुपाया बल्कि यह भी जानते हैं कि 1974 के कच्चातिवु समझौते के लिए जिम्मेदार पार्टियां कौन थी और 1976 में मछुआरों का अधिकार कैसे समाप्त किया गया। आप सभी जानते हैं कि कौन जिम्मेदार है। आज जनता के लिए यह जानना जरूरी है, जनता के लिए निर्णय करना जरूरी है। यह मुद्दा वास्तव में जनता से बहुत लंबे समय तक छिपाया गया है। उन्होंने कहा कि यह नरेंद्र मोदी सरकार ही है जो यह सुनिश्चित करने पर काम करती रही है कि भारतीय मछुआरों को रिहा किया जाए। उन्होंने कहा, हमें एक समाधान तलाशना होगा। हमें श्रीलंकाई सरकार के साथ बैठना और इस पर बातचीत करना होगा। जयशंकर ने दावा किया कि तमिलनाडु के लोगों को लंबे समय तक इस मुद्दे को लेकर गुमराह किया जाता रहा है और वह जनता को सूचित करने के लिए इस मामले पर बात कर रहे हैं।

भारत का द्वीप...

उस समय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री करुणानिधि ने इसका पुरजोर विरोध किया था। इसके खिलाफ साल 1991 में तमिलनाडु विधानसभा में प्रस्ताव पास किया गया और इस द्वीप को वापस लेने की मांग की गई। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंचा।

आयकर चोरी...

सुप्रीम कोर्ट में कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी के खिलाफ बलपूर्वक कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। आयकर विभाग की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि 1700 करोड़ रुपए की रिकवरी के मामले में लोकसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस पार्टी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी। आयकर विभाग ने मामले की सुनवाई जून तक टालने की मांग की। मेहता ने कहा कि हम नहीं चाहते कि चुनाव के दौरान किसी राजनीतिक पार्टी के लिए मुसीबत खड़ी करें।

आयकर विभाग के नोटिस के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के सामने आयकर विभाग की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अपना बयान दर्ज कराया। मेहता ने कहा कि कांग्रेस एक राजनीतिक पार्टी है और चूंकि चुनाव चल रहे हैं, ऐसे में हम कांग्रेस पार्टी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। कांग्रेस की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए और उन्होंने आयकर विभाग के इस कदम का स्वागत किया।

आयकर विभाग ने रविवार को कांग्रेस पार्टी को नया नोटिस भेजा था, जिसमें 1745 करोड़ रुपए के टैक्स के भुगतान की मांग की गई थी। इसके साथ ही आयकर विभाग कांग्रेस पार्टी को कुल 3567 करोड़ रुपए की रिकवरी का नोटिस भेज चुका है। ताजा नोटिस 2014-15 (663 करोड़ रुपए) और 2015-16 (करीब 664 करोड़ रुपए), 2016-17 (करीब 417 करोड़ रुपए) से संबंधित है। कांग्रेस का आरोप है कि अधिकारियों ने राजनीतिक दलों को मिलने वाली कर छूट खत्म कर दी है और पार्टी पर टैक्स लगा दिया है। कांग्रेस नेताओं से जब्त की गई डायरियों में जो तीसरे पक्ष की एंट्रियां हैं, उनके लिए भी कांग्रेस पर टैक्स लगा दिया गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि कर अधिकारियों ने पिछले वर्षों से संबंधित टैक्स डिमांड के लिए पार्टी के खातों से 135 करोड़ रुपए पहले ही निकाल लिए हैं। इसे लेकर कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

बैंकिंग प्रणाली ...

केंद्रीय बैंक होने के नाते, आरबीआई ने बाजार व अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रवर्तक के रूप में काम किया है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि हाल के वर्षों में दिवाला और दिवालियापन संहिता के अधिनियमन और लचीले मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण को अपनाने जैसे सुधारों ने हमें बैंकिंग प्रणाली की चुनौतियों से निपटने और मूल्य स्थिरता को अधिक प्रभावी ढंग से बनाए रखने के कार्य में मदद की है।

आज की दुनिया में हो रहे तेजी से हो रहे बदलावों को देखते हुए... रिजर्व बैंक लगातार उभरते रुझानों का मूल्यांकन कर रहा है और बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने के लिए आवश्यक नीतिगत उपाय कर रहा है।

पीएम मोदी को 80 मनकों की माला पहनाएगा यूपी : योगी

बुलंदशहर, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत का भरोसा जताते हुए कहा है कि इस बार प्रधानमंत्री मोदी को 80 मनकों की माला पहनाई जाएगी। सीएम योगी ने सोमवार को बुलंदशहर में प्रबुद्धजनों के सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की दंगा पॉलिसी के कारण प्रदेश को काफी नुकसान उठाना पड़ा। आये दिन दंगा, कर्फ्यू और अराजकता के कारण न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी। यहां तक कि बुलंदशहर को अराजकता और आतंक का पर्याय बना दिया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारों के संरक्षण में आमजन की आवाज को दबाने का कार्य किया जाता था, मगर आज प्रदेश में गुंडे और अपराधी खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं और आम जनता के भीतर सुरक्षा का भाव उत्पन्न हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी सरकार जब आती है तो बुलंद इरादे से बुलंदशहर की तरह ही विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करते दिखती है। कभी स्वर्गीय कल्याण सिंह जी की कर्मभूमि के रूप में इस धरती को पहचाना जाता था। महाभारत कालीन इस भूमि को मां गंगा और मां यमुना का आशीर्वाद प्राप्त है। मगर, पिछली सरकारों की गुंडा पॉलिसी ने इसे अपराध और आतंक का पर्याय बना दिया था। गलत हाथ में वोट जाता है तो गुंडागर्दी फैलती है, जब वोट सही जगह दिया जाता है तो मोदी जी के नेतृत्व में विकास ही विकास दिखता है। एक वोट अराजकता भी ला सकता है और एक वोट आस्था का सम्मान और आजीविका के अवसरों में वृद्धि भी करता है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के गांव गांव में सदियों से गाया जाता था कि होली खेले रघुबीरा, अवध में, मगर अयोध्या में सदियों तक रामलला होली नहीं खेल सके और पहली बार 500 साल बाद अयोध्या में रामलला ने खूब होली खेली है। यह परिवर्तन ही तो है। जो कभी असंभव लगता था, वह संभव हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों के संरक्षण में आमजन की आवाज को बंद कर दिया जाता था। व्यापारी, बेटी, नौकरीपेशा, किसान और युवा सब असुरक्षित थे। सुरक्षित केवल गुंडे और कुछ चुनिंदा परिवार थे। मगर, आज गुंडे असुरक्षित हुए हैं और जनता सुरक्षित महसूस कर रही है। एक वोट हमारी किस्मत की तस्वीर और तकदीर दोनों को बदल सकता है। लोकतंत्र का सदुपयोग भविष्य को सुनहरा बना सकता है और दुरुपयोग हमारे भविष्य को बर्बाद कर सकता है। मुख्यमंत्री ने बुलंदशहर को इस बात के लिए धन्यवाद दिया कि 2017 के बाद से हर चुनाव में यहां से भाजपा को भारी मत प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी ने भी कल्पना नहीं की होगी कि बुलंदशहर से गंगा एक्सप्रेस वे होकर गुजरेगा। इसके साथ ही बुलंदशहर में मेडिकल कॉलेज का भी सपना साकार हुआ है। खुर्जा की क्रॉकरी को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी इंग्लैंड यात्रा के दौरान यहां के ओडीओपी को ब्रिटिश प्रधानमंत्री को भेंटकर के इसकी अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग की है। मुख्यमंत्री ने प्रबुद्धजनों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी को समाज को मानसिक रूप से तैयार करना होगा। हमें जातिवाद नहीं बल्कि राष्ट्रवाद चाहिए। हमें परिवारवाद नहीं, सबका साथ सबका विकास चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने केवल समाज को जाति, मत-मजहब के नाम पर बांटने का कार्य किया। दंगाइयों को प्रश्रय देकर राजनीतिक रोटियां सेंकी गईं और हम भी सज्जनता के कायल होकर जाति की हवा में बह जाते थे, दुष्परिणाम हमारी पीढ़ियों को झेलना पड़ा है।

मुख्यमंत्री ने यूपी का मतलब अनलिमिटेड पोटेंशियल बताते हुए कहा कि हमारा प्रदेश असीमित संभावनाओं वाला प्रदेश है। उन्होंने कहा कि यहां असीमित संभावनाएं न होतीं तो श्रीराम, श्रीकृष्ण, भगवान शिव, मां दुर्गा और मां गंगा-यमुना का आशीर्वाद इस धरती को न मिला होता। हमारे पास सबसे उर्वरा भूमि है, सबसे अच्छे हस्तशिल्पी और सबसे योग्य युवा हैं, तो हम किसी के सामने हाथ क्यों फैलाएं। हम अपनी ऊर्जा और स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ेंगे और यूपी के माध्यम से भारत के विकास में अपना योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि जिस यूपी को पिछली सरकारों ने बदहाल बना दिया था, वही यूपी आज मोदी जी के नेतृत्व मे देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बन रहा है। जहां पहले कोई निवेश नहीं करना चाहता था, वहां 10 लाख करोड़ का निवेश धरातल पर उतर चुका है, जिसमें से 40 हजार करोड़ का निवेश अकेले बुलंदशहर में हुआ है।

पिछली सरकारों की दंगा पॉलिसी ने फैलाई अराजकता : सीएम योगी

हाथरस, बुलंदशहर और गौतमबुद्ध नगर में प्रबुद्धजन सम्मेलन

हाथरस/बुलंदशहर/ गौतमबुद्धनगर, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को तीन जनपदों में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए धुआंधार प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले हाथरस में प्रबुद्धजनों को संबोधित किया और पार्टी प्रत्याशी के लिए वोट की अपील की। सीएम योगी इसके बाद बुलंदशहर और गौतमबुद्ध नगर में पार्टी का प्रचार किया। मुख्यमंत्री ने प्रबुद्धजनों से अपने अपने लोकसभा क्षेत्र में घर-घर जाकर आमजन को एक-एक वोट की ताकत समझाने की अपील की।

सीएम योगी ने पिछली सरकारों पर भी प्रदेश में दंगा पॉलिसी के जरिए अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य की सभी 80 सीटों को जीतकर प्रधानमंत्री मोदी को 80 मनकों की माला पहनाई जाएगी।

हाथरस में प्रबुद्धजनों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकसित भारत, सर्वांगीण विकास ही मोदी की गारंटी है। विकसित भारत में बिना भेदभाव हर व्यक्ति, जाति-समुदाय को सम्मान व आगे बढ़ने का अवसर मिले। बेटी-व्यापारियों को समान सुरक्षा की गारंटी हो, जहां अराजकता नहीं बल्कि कानून का राज हो। जातिवाद-परिवारवाद नहीं, सबका साथ-सबका विकास हो और यही विकसित भारत की परिकल्पना का आधार है। मोदी की गारंटी को हमने जमीनी धरातल पर उतरते देखा है, इसलिए पूरे देश को मोदी की गारंटी पर विश्वास है। मोदी पर अंगुली उठाने वाले भारत के विकास में अवरोधक हैं। यह विकसित भारत के मार्ग के बैरियर हैं। हमें इन बैरियर को हटाना होगा और मोदी जी के नेतृत्व में सुरक्षित व समृद्ध भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने पार्टी प्रत्याशी अनूप वाल्मीकि प्रधान के लिए मतदान की अपील की।

बुलंदशहर में प्रबुद्धजनों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत का भरोसा जताते हुए कहा है कि इस बार प्रधानमंत्री मोदी को 80 मनकों की माला पहनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की दंगा पॉलिसी के कारण प्रदेश को काफी नुकसान उठाना पड़ा। आये दिन दंगा, कर्फ्यू और अराजकता के कारण न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी। यहां तक कि बुलंदशहर को अराजकता और आतंक का पर्याय बना दिया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारों के संरक्षण में आमजन की आवाज को दबाने का कार्य किया जाता था, मगर आज प्रदेश में गुंडे और अपराधी खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं और आम जनता के भीतर सुरक्षा का भाव उत्पन्न हुआ है। उन्होंने पार्टी प्रत्याशी भोला सिंह के लिए मतदान की अपील की।

गौतमबुद्ध नगर में प्रबुद्धजनों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनता-जनार्दन खुश तो हम खुश।

हमारे लिए इससे अधिक खुशी कुछ भी नहीं। लोग कहते हैं कि अपराधियों पर कार्रवाई करते हैं, डर नहीं लगता है।

मुझे डर नहीं लगता, पब्लिक की सुरक्षा में मेरी सुरक्षा: सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने गौतमबुद्ध नगर में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को किया संबोधित

गौतमबुद्धनगर, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनता-जनार्दन खुश तो हम खुश। हमारे लिए इससे अधिक खुशी कुछ भी नहीं।

लोग कहते हैं कि अपराधियों पर कार्रवाई करते हैं, डर नहीं लगता है। मैं कहता हूं कि पब्लिक की सुरक्षा में मेरी सुरक्षा निहित है। एक सरकार थी जो कर्फ्यू लगाती थी, एक सरकार है जो शानदार कांवड़ यात्रा निकाल रही है। उन्हें कर्फ्यू प्यारा था, हमें जनता की खुशहाली प्यारी है। 10 वर्ष में देश के अंदर बना सकारात्मक वातावरण अभिभूत करने वाला है। एक तरफ स्वार्थी परिवार है जो गौतमबुद्ध नगर को अभिशप्त बना लेता है तो दूसरी तरफ मोदी का परिवार है, जो कुर्सी की चिंता किए बिना नोएडा में विकास कार्य करता है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। वे सोमवार को जीएल बजाज ऑडिटोरियम, नॉलेज पार्क में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने नोएडा से डॉ. महेश शर्मा को तीसरी बार सदन में भेजने की अपील की। सीएम ने कहा कि यह वही जनपद है, जो 2017 के पहले मुख्यमंत्रियों के लिए अभिशप्त हुआ करता था। तब मैं समझ नहीं पाया था कि आखिर गौतमबुद्धनगर यूपी का भाग है, लेकिन मुख्यमंत्रियों के लिए अभिशप्त क्यों है। मैंने सूची देखी

और अनुमान लगाया। यह सीएम के लिए अभिशिप्त इसलिए था कि यहां की नौकरशाही जनता को कंगाल करती थी और खुद व अपने संरक्षकों को मालामाल करती थी।

2017 में यहां आकर मैंने समस्याओं को करीब से देखा। जनप्रतिनिधियों ने सभी समस्याओं को तन्मयता व धैर्य से मेरे सामने रखा और कहा कि समाधान होगा तो गौतमबुद्धनगर न सिर्फ नई पहचान को स्थापित करेगा, बल्कि ग्रोथ इंजन के रूप में यूपी को अलग पहचान दिलाएगा।

सीएम ने कहा कि मैं जहां भी गया, वहां कुछ अधिकारी आए। वे बोलते थे कि हम यहां कार्य कर रहे हैं और बूढ़े मां-बाप के लिए नोएडा में एक फ्लैट के लिए पैसा जमा किया है। 10-12, 15 साल हो गए पर फ्लैट नहीं मिले। हमने अथॉरिटी से कहा कि कमेटी की रिपोर्ट लागू करो। हर एक बायर्स को उसका अधिकार मिलना चाहिए। यह प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाइए। सभी के सकारात्मक सोच का परिणाम है कि यूपी आज नए रूप में पहचाना जा रहा है।

सीएम ने कहा कि हमारे जनप्रतिनिधियों ने आदर्श जनप्रतिनिधि के रूप में खुद को स्थापित किया। वह लोकतंत्र पर विश्वास करने वालों के लिए उदाहरण है। सीएम ने संस्मरण सुनाया कि कोरोना के दौरान एक प्रतिष्ठान को जमीन आवंटन हुई थी। 2022 के अंत में वे लोग मेरे पास आए कि हमें उद्घाटन करना है। मुझे विश्वास नहीं हुआ कि जिस सेंटर में हजारों करोड़ रुपए लगे हों, वह इतना जल्दी तैयार हो गया। मैंने रिपोर्ट मांगी तो पता चला कि यह बनकर तैयार हो चुका है। इसके आने के बाद 40 हजार करोड़ के नए निवेश के प्रस्ताव आ जाएंगे और हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। मैंने मैसेज किया कि मेरे आने के पहले सभी जनप्रतिनिधियों को आमंत्रण दे दीजिएगा, जिस पर वह चौंकते हुए बोले कि नोएडा में भी सांसद-विधायक हैं। मैं अचरज में पड़ा तो उन्होंने बताया कि मेरी पूरी जिंदगी जिस राज्य व क्षेत्र में व्यतीत हुई, यदि वहां मैं इतना बड़ा निवेश करता तो लोग जीना हराम कर देते, लेकिन गौतम बुद्ध नगर में कोई सांसद-विधायक कहने नहीं आया कि यह कार्य मैं लूंगा, मेरे लोग रहेंगे। अच्छे लोग जनप्रतिनिधि चुने जाते हैं तो सकारात्मक माहौल पैदा होता है।

सीएम ने कहा कि पहले निवेश यहां से पलायन होता था, सात वर्षों में दुनिया से यहां निवेश आ रहा है। मोदी जी को तीसरा कार्यकाल दीजिए, तीन वर्ष के भीतर ही तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत को स्थापित करेंगे। इसमें यूपी व नोएडा की बड़ी भूमिका होगी। दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर के नाम पर दे रहे हैं। 2017 के पहले जेवर के नाम से लोग कांपते थे। अब हालात बदल चुके हैं। यह एयरपोर्ट अब निवेश ला रहा है। कुछ ही वर्षों में यूपी की इकॉमनी में अकेले यह एयरपोर्ट एक लाख करोड़ की वृद्धि करने वाला है।

सीएम ने कहा कि गौतमबुद्ध नगर सकारात्मक सोच के साथ बढ़ने वाला जनपद है। सीएम ने कहा कि यहां हर किसी को डॉ. महेश शर्मा बनना होगा, उन्हें चुनाव लड़ाने के लिए लगना पड़ेगा, लेकिन अति आत्मविश्वास नहीं होना चाहिए। युद्ध और चुनाव पूरी सतर्कता, मजबूती व सावधानी से लड़े जाने चाहिए। हर एक वोट डॉ. महेश शर्मा को दिलवाना है। मोदी जी के गले में उप्र के 80 मनकों की जो माला पड़नी है, उसमें गौतमबुद्ध नगर की माला सर्वाधिक वोटों की होनी चाहिए। क्योंकि यहां सबसे अधिक निवेश आया है और आर्थिक प्रगति के साथ यहां सब कुछ मिला भी है। आपको मेट्रो, डेडिकेटेड फ्रेड कॉरिडोर के ईस्टर्न-वेस्टर्न जंक्शन, एयरपोर्ट, मेडिकल डिवाइस पार्क, फिल्म सिटी, प्रति व्यक्ति आय वाले जनपद की सौगात भी नोएडा को मिल गई। अब आपसे केवल यही अपेक्षा है कि हमने यहां आने का अभिशाप तोड़ा है तो आपको वोट देने पोलिंग बूथ पर जरूर जाना है।

इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर ब्रजेश सिंह, राज्यसभा सांसद कांता कर्दम, नोएडा के सांसद व लोकसभा प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसौदिया, विधायक पंकज सिंह, तेजपाल नागर, धीरेंद्र सिंह, लक्ष्मी राज, मीनाक्षी सिंह, विधान परिषद सदस्य नरेंद्र भाटी, श्रीचंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, भाजपा के जिलाध्यक्ष गजेंद्र मावी, महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

ओवैसी ने मुख्तार अंसारी के बेटे को लगाया गले

गाजीपुर, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

माफिया मुख्तार की मौत के बाद एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी रविवार को मुहम्मदाबाद पहुंचे। ओवैसी ने मुख्तार अंसारी की मौत पर शोक जताने रविवार की देर रात पहुंचे। ओवैसी लखनऊ से सीधे मुहम्मदाबाद में सांसद अफजाल अंसारी के फाटक स्थित आवास पर पहुंचे। इस दौरान समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी थी।

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी भी मुख्तार अंसारी की मौत पर शोक जताने रविवार की देर रात पहुंचे। वह लखनऊ से सीधे मुहम्मदाबाद में सांसद अफजाल अंसारी के फाटक स्थित आवास पर पहुंचे। जहां फाटक पर मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को गले लगाया। वहीं, उनके साथ खाना भी खाया।

40 मिनट तक बातचीत भी हुई। उधर, इसके पहले ओवैसी के आने की खबर लगने पर समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी थी । मुख्तार अंसारी के भतीजे व विधायक शोहेब अंसारी ने माइक लेकर लोगों से जाने की अपील किया।

उधर, पुलिस ने फिर से फाटक के पास बैरिकेडिंग कर दिया। साथ ही फोर्स की तैनात कर दिया और मीडिया कर्मियों को भी बैरिकेडिंग के बाहर गया। उधर, मुख्तार अंसारी के भतीजे व विधायक शोहेब अंसारी ने माइक लेकर लोगों से जाने की अपील किया।

मुलाकात के बाद ओवैसी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मरहूम मुख्तार अंसारी के घर गाजीपुर जाकर उनके खानदान को पुरसा दिया, इस मुश्किल वक्त में हम उनके खानदान, समर्थक और चाहने वालों के साथ खड़े हैं। उन्होंने शायराना अंदाज में कहा कि इंशा अल्लाह इन अंधेरों का जिगर चीरकर नूर आएगा, तुम हो फिरौन तो मूसा भी जरूर आएगा।

कांग्रेस ने दिया अखिलेश यादव को अपने दफ्तर में आने को न्यौता

लखनऊ, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में एक अप्रैल को शाम पांच बजे होली मिलन समारोह और दो अप्रैल को शाम छह बजे रोजा इफ्तार का आयोजन किया जाएगा। इन दोनों कार्यक्रमों के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने अखिलेश यादव को न्यौता भेजा है। दोनों कार्यक्रमों में शामिल होने की अपील की है। इस कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय भी मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम में अखिलेश यादव जाएंगे या नहीं इसकी चर्चाएं राजनीतिक गलियारों में अभी से होनी शुरू हो गई हैं।

सपा से जुड़े नेताओं ने इशारों में इस बात के संकेत दिया कि अखिलेश यादव के जाने की संभावना कम है लेकिन इस संभावना से पूरी तरह से इंकार भी नहीं किया जा सकता। चूंकि दोनों दल एक साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं तो ऐसे में दोनों दलों के नेताओं को एक-दूसरे के कार्यालय में जाना सामान्य बात है। वह चाहे किसी मीटिंग के लिए हो या फिर किसी उत्सव में।

कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और पार्टी यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय दो बार सपा के कार्यालय में जा चुके हैं। दोनों ही बार सीट बंटवारे के लिए यह नेता सपा के दफ्तर में गए थे।

उधर में दिल्ली में सपा के नेता भी कांग्रेस दफ्तर जाते रहे हैं। अखिलेश यादव के लिए कांग्रेस के दफ्तर जाना एक दुविधा भरा फैसला है। राजनीतिक जानकार कहते हैं क्योंकि सपा और कांग्रेस का वोट बैंक बहुत हद तक एक जैसा है और दोनों पार्टियां ज्यादातर मौके पर एक-दूसरे के खिलाफ ही लड़ती हैं ऐसे में अखिलेश यादव गठबंधन के बाद भी एक किस्म की दूरी बनाकर रखना चाहेंगे। एक दूसरी वजह यह है कि सपा का उदय ही कांग्रेस के विरोध में हुआ था ऐसे में उनका कांग्रेस पार्टी के दफ्तर जाना दूरगाम राजनीति के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

इच्छा मृत्यु मांगने वाली महिला जज को फिर मिली धमकी

बांदा, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

न्यायिक अधिकारी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाकर चर्चा में आईं महिला जज ने इस बार धमकी भरा पत्र मिलने की शिकायत की है। शहर कोतवाली पुलिस ने इस मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाल अनूप दुबे ने बताया कि आरोपी का पता लगाने के लिए संबंधित पोस्ट ऑफिस के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएंगे। जिले में तैनात एक महिला जज ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके आवास पर 28 मार्च को पंजीकृत डाक से धमकी भरा पत्र आया है।

पत्र आरएन उपाध्याय नामक व्यक्ति की ओर से भेजा जाना बताया गया है। लिफाफे पर मोबाइल नंबर 9415802371 भी लिखा है।

महिला जज ने आशंका जताते हुए तहरीर में तीन लोगों के नाम देकर कहा है कि पत्र भेजने की साजिश में ये भी शामिल हो

सकते हैं। उन्होंने तहरीर में यह भी उल्लेख किया है कि उनके प्रार्थना पत्र पर उच्च न्यायालय के माध्यम से यौन उत्पीड़न की जांच की जा रही है। शहर कोतवाल अनूप दुबे ने बताया कि महिला जज की तहरीर कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

महिला जज ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को पत्र लिखकर इच्छा मृत्यु की मांग की थी। करीब चार माह पूर्व सोशल मीडिया में यह पत्र वायरल हुआ था। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं करता है। पत्र में बाराबंकी जिले में तैनाती के दौरान एक न्यायिक अधिकारी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था। इसकी जांच अभी भी जारी है। मामला चर्चा में आने के बाद जज की सुरक्षा में दो महिला सिपाहियों समेत तीन पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। पत्र में महिला जज ने इंसाफ न मिलने का जिक्र करते हुए काफी हताशा भी जताई थी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 02 अप्रैल, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अत्तापुर के शीतला माता मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अत्तापुर के रामबाग स्थित शीतला माता मंदिर में शीतला सप्तमी के अवसर पर सोमवार को रात्रि 12:15 बजे से ही क्षेत्र के मारवाड़ी लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। जो सोमवार दोपहर 2 बजे तक चला। मारवाड़ी महिलाएं सज धज कर पिछले दिन बनाई गई विभिन्न तरह की प्रसाद सामग्री एवं पानी से भरी झारी लेकर माता के दरबार पहुंची तथा घंटो लाइन में ठहरकर माता के दरबार में अनेक तरह की बनाई गई प्रसाद सामग्री शीतला माता को अर्पित कर मनौती मांगी। इस अवसर पर भीड़ इतनी थी कि अपने नंबर को पहले पाने के लिए महिलाओं के मध्य आपस में खट्टी-मीठी नोक झोंक भी चलती रही लेकिन जय माता दी के नारो ने उसको भी ठंडा कर दिया। मंदिर पुजारी के अनुसार आज करीब दो हजार परिवारों ने शीतला माता के दर्शन करें।

जुबली हिल्स में भाजपा समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी के सिकंदराबाद उम्मीदवार जी. किशन रेड्डी ने जुबली हिल्स स्थित आरपी शर्मा के निवास पर भाजपा के समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं के लिए एक सभा आयोजित की। सभा में सभी को पीएम मोदी के विकसित भारत एवं देश की उन्नति और व्यापार में भारत को तीसरे स्थान पर पहुंचाने कोलेकर चर्चा हुई। सभा में मोदी की गारंटी एवं 2047 के विकसित भारत के सपने को सरकार करने के लिए तीसरी बार मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने की एक स्वर से संकल्प लिया गया और अबकी बार 400 पार और हम सब मोदी परिवार के नारे को सच्चाई में बदलने की जरूरत है और वह तभी संभव होगा जब हम सब मिलकर एक तरफ भारतीय जनता पार्टी को वोट करें। इस अवसर पर उपस्थित चिंतल रामचंद्र रेड्डी, सुरेश शर्मा, प्रेम सिंह राठौड़, गौतम राव, सतीश कुमार जाजू, रमेश कुमार बंग, पुरुषोत्तम अटसनिया, सोहनलाल कड़ेल, वेणु खंडेलवाल, मुकेश जैन, आरके जैन, रिधीश रिद्धीश जागीरदार, नंदू लाहोटी, उमेश शर्मा, प्रदीप जाजू, डीपी तिवारी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

चार गाड़ियों में ले जाई जा रही 233 गायों को कटने से बचाया गया

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोरक्षा दल टाइगर फोर्स एवं गौरक्षा दल तेलंगाना, ध्यान फाऊंडेशन, हिंदू तख्त के तत्वावधान में गाय बचाओ के विशेष अभियान में चार गाड़ियों में भरी 233 गायों को पुलिस की सहायता से कटने से बचाया गया। गाड़ियों में भरे अवैध गोवंश को हैदराबाद के कत्लखाने में ले जाया जा रहा था। पहली गाड़ी फलकनुमा थाना क्षेत्र में पकड़ी गई जिसमें 58 गोवंश बरामद किए गए। दूसरी गाड़ी चंद्रायणगुट्टा थाना क्षेत्र में पकड़ी गई जिसमें 79 गोवंश बरामद हुए।

कोठुर थाना क्षेत्र में तीसरी गाड़ी पकड़ी गई जिसमें 16 गोवंश बरामद हुए। चौथी गाड़ी में 80 गोवंश बरामद हुए। कुल 233 गोवंश को बचाकर गायों को जीवन दान दिया गया। बचाए गए गोवंश को वहां की पुलिस की सहायता से जियागुड़ा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला तथा श्री हनुमान टेंपल गौशाला शादनगर में सुरक्षित छोड़ा गया।

यह जानकारी राष्ट्रीय गौरक्षा दल के महासचिव एवं टीटीडी गौ संरक्षक कोटी श्रीधर ने दी। उन्होंने बताया कि गौरक्षा के इस महाअभियान में गोरक्षादल तेलंगाना के अध्यक्ष कालू सिंह, गौरक्षा दल टाइगर फोर्स के अध्यक्ष दीपक सिंह, गौज्ञान फाऊंडेशन के नितेश विजय वर्गीय, युग तुलसी फाउंडेशन के के. शिव कुमार, बीजेपी तुक्कुगुड़ा काउंसलर यादगिरी अन्ना, गोरक्षा दल तेलंगाना के जनरल सेक्रेटरी पवन रेड्डी, रविंदर गौड, डॉ. इरम पुरणाम शांति गुप्ता, गौरक्षा दल सिटी प्रेसिडेंट शंकर यादव, केदार सिंह, अक्षय चरी, विशाल कोठुर, लाल संतोष सिंह, तरुण सहित अन्य गौ रक्षक मौजूद रहे।

राजगढ़ नागरिक परिषद ने मनाया होली मिलन समारोह

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ताज वेलसन सिकंदराबाद में राजगढ़ (राजस्थान) निवासी एवं हैदराबाद प्रवासियों ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया। परिषद के अध्यक्ष चंपालाल बैद ने सभी को होली के इस महापर्व की बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर मैजिसियन एवं होली फोटो देख कार्नर तथा ढ़प एवं चंग होली के गीतों का कार्यक्रम भी रखा गया।

परिषद के उपाध्यक्ष अंजनी कुमार सरावगी ने मारवाड़ी पगड़ी बंधवा कर हर परिवार का स्वागत किया। महामंत्री रविंद्र मरोदिया ने सभी सदस्य परिवारों को समय पर आकर व्यवस्था का आनन्द लेने की याद दिलाई।

सहमंत्री महेश शर्मा ने कहा कि राजगढ़ के अब भी बहुत से परिवार हैं, जो परिषद से नहीं जुड़े हैं वे सभी जुड़े ताकि हमारे परिवार का विस्तार हो, हम सब एक दूजे से परिचित हों।

कोषाध्यक्ष सुधीर सरावगी ने बड़े श्रम से सभी कार्यों को कुशलता पूर्वक संपन्न करवाया। बच्चों एवं बड़ों को उनके खेल प्रतियोगिता में वरीयता के हिसाब से पारितोषिक प्रदान किए गए। होली मिलन समारोह में प्रमोद अग्रवाल, ओमप्रकाश मोहता, आदित्य शर्मा, नंदलाल सरावगी, राजेंद्र सरावगी, मंगतूराम सुरेका, महेन्द्र शर्मा, प्रहलादराय शर्मा, आशीष जैन, सुरेश गदैया, राजेश गदैया, सुरेंद्र गदैया, गोविंद सारड़ा, महेंद्र पारीक, कमल पारख, मोहित मारवल, हनुमान मोहता, ओमप्रकाश अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, रतन नाहरा, आनंद सरावगी, प्रहलाद गोयल, नितिन सुरेका, पवन नाहटा, धीरज नाहटा, पूनीत भूतड़ा, हरिश कंदोई, रिधकरण सुराणा, संदीप मरोदिया इत्यादि परिवारों ने भाग लिया।

अवध चेतना मंच के तत्वावधान में कोमपल्ली के दोला से दानी में होली मिलन समारोह मनाया गया। अवध चेतना मंच के सदस्य ओ.एन. त्रिपाठी, आरएस तिवारी, एसएम पाण्डेय, डीएस तिवारी, राम पूजन मिश्रा, आरएस मिश्रा एवं अन्य होली मिलन समारोह में मौजूद रहे।

अग्रवाल समाज सोमाजीगुड़ा बेगमपेट शाखा का फूलों की होली कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज सोमाजीगुड़ा बेगमपेट शाखा का फूलों की होली का कार्यक्रम हिमायतनगर स्थित होटल ब्लू बेसिल में आयोजित किया गया। शाखा की मानद मंत्री कविता अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्व प्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना की गई। शाखा द्वारा फूलों की होली का कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास से किया गया। शाखा अध्यक्ष ने सभी उपस्थित सदस्यों को होली की शुभकामनाएं दी एवं सभी का स्वागत किया।

अध्यक्ष हरीशचंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष डॉ. महेश तोडी, मानद मंत्री कविता अग्रवाल, संयुक्त मंत्री दिलीप चैनवाला, कोषाध्यक्ष विष्णु गुप्ता, केंद्रीय समिति सदस्य संगेश अग्रवाल सहित कई अन्य सदस्यों ने बढ़चढ़ कर कार्यक्रम में भाग लिया।

केंद्र सरकार की आयुष्यमान भारत योजना अंतर्गत आधार-मोबाइल पंजीकरण कार्य सोमवार को कनकदुर्गा भवन काचीगुडा में किया गया। इस आयोजन में दिनेश गोसर और रिद्धिश जागीरदार ने सहयोग प्रदान किया। अवसर पर उपस्थित डीपीएन मूर्ति, प्रवीण गाला, इंदिरा गोसर, तोरल जागीरदार, यूपीएससी सुल्तान बज़ार के एमपीएचए ए. रमादेवी, सहयोगी ठाकुर गायत्री, आर. कल्यानी, आर. संध्या एवं अन्य।

केन्द्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने जिनेश्वरधाम में तीर्थंकर भगवान के किए दर्शन

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री शांतिनाथ जिनेश्वरधाम काचीगुडा परिसर में केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, गुर्जर रत्न प्रदीप संघवी एवं तपस्वी रत्न ताराचंद हेणीया का अभिनंदन उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। श्री अचलगच्छ जैन संघ हैदराबाद सिटी के ट्रस्टी अनीष छेडा ने बताया कि काचीगुडा स्थित शांतिनाथ जिनेश्वरधाम में पधारे केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी का श्री अचलगच्छ जैन संघ के चेयरमेन रमणीक लीलाधर नागडा, मैनेजिंग ट्रस्टी पोपटभाई छेडा, जैन राजनीतिक चेतना मंच के रिद्धीश जागीरदार, दिनेश गोसर, योगेश गोसर, श्री दिव्य श्रावक सामायिक मंडल के नवीन मारू, हरखचंद सावला, प्रवीण काराणी आदि ने उनका शॉल-माला एवं पगडी द्वारा सम्मान किया।

श्री कच्छी गुर्जर जैन समाज माटुंगा मुंबई द्वारा डाहीवेन करमचंद शेठ को समाजरत्न से अलंकृत करने पर कच्छी गुर्जर जैन समाज के चेयरमेन प्रदीप संघवी, हैदराबाद जैन संघ में सबसे ज्यादा तपस्या करने वाले तपस्वी श्रावक ताराचंदभाई हेणीया का दिवय श्रावक सामायिक मंडल की ओर से अभिनंदन किया गया।

केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने श्री शांतिनाथ मंदिर जिनेश्वरधाम पधारकर 16वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ एवं जिन बिंबो के दर्शन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तत्पश्चात संघ की ओर से उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम मे श्री अचलगच्छ जैन संघ के चेयरमेन रमणीक लीलाधर नागडा, मेनेजींग ट्रस्टी पोपटभाई छेडा, ट्रस्टी अनीष छेडा, जयेश विनोद नागडा, विपुल देवचंद गाला, प्रदिप गांगजी नागडा, भरत हरखचंद शाह, तलकशी गडा, जैन राजनीतिक चेतना मंच के रिद्धीश जागीरदार, दिनेश गोसर, योगेश गोसर, श्री दिव्य श्रावक सामायिक मंडल के नवीन मारू, प्रवीण काराणी, रतिलाल छेडा, हरखचंद सावला, ताराचंद हेणीया, हेमंत गडा, जीतेन्द्र गडा, तलकशी गडा, धवल मारू, प्रकाश मामणीया, मणिलाल सावला, शांतिलाल मारू, जय सावला, भूपेन्द्र हेणीया, जयंत गडा, राजेश गडा, विजय देढिया, रमेश सावला, धवल मारू, हिरालाल सातुंडा, पार्षद उमा यादव, पूर्व पार्षद रमेश यादव, भाजपा नेता सुर्यप्रकाश सिंह, अशोक, मीलींद आदि बडी संख्या मे श्रावक उपस्थित थे।

श्रृंग ऋषि ब्राह्मण समाज के भवन निर्माण को लेकर बैठक आयोजित

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्रृंग समाजोत्थान समिति उज्जैन द्वारा महाकाल की नगरी व कुंभ मेले का प्रमुख स्थल होने की वजह से उज्जैन में सिखवाल समाज के सम्पूर्ण भारत से काफी परिवार आते रहते हैं, अतः उनकी सुविधा हेतु ठहरने व भोजन व्यस्था हेतु महर्षि श्रृंग संस्थान समिति उज्जैन द्वारा शहर से कुछ ही दूरी पर डेढ़ बीघा भूमि ख़रीद ली गई है। जिस पर विशाल भवन जिसमें सौ कमरे, श्रृंग मंदिर, भोजनशाला हाल एवं अन्य उपयोगिता हेतु निर्माण कार्य होंगे। इसी क्रम में अनिल उपाध्याय की पहल पर हैदराबाद में सोमवार को एक बैठक रखी गई। संस्था संरक्षक किशन गोपाल तिवाड़ी, महा सचिव महेश तिवारी व कोषाध्यक्ष प्रवीण भट्ट ने भूमि क्रय से निर्माण तक की समस्त जानकारी पटल पर रखी।

संस्था के कोषाध्यक्ष प्रवीण भट्ट ने कहा कि 2028 के प्रथम चरण में ही सिंहस्थ कुंभ मेला उज्जैन में आ रहा है उससे पहले ही निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने का लक्ष्य है। बैठक में मुरलीधर तिवारी इंदौर, बृजेश तडवा तिवारी, रामदेव नागला, चंद्रभान व्यास, नरेश पाण्डया, घनश्याम तिवारी, जय प्रकाश नागला नांदेड़, कैलाश तिवारी अहमदाबाद, भागीरथ पांडे, दिनेश पांड्या, घनश्याम उपाध्याय, श्रीनिवास नागला निजामाबाद के अलावा काफी सदस्य उपस्थित रहे। किशन गोपाल तिवारी द्वारा उपरोक्त निर्माण में सभी स्वजाति बंधुओं से तन-मन-धन से सहयोग की अपील की व संरक्षक के धन्यवाद प्रस्ताव के पश्चात बैठक का समापन हुआ।

दमरे ने वित्त वर्ष 2023-24 में माल ढुलाई व्यवसाय में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया

हैदराबाद 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) ने पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान माल ढुलाई व्यवसाय में अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया है, जो प्रारंभिक लोडिंग और कमाई दोनों में रिकॉर्ड-तोड़ उपलब्धि द्वारा चिह्नित है।

जोन ने अपने इतिहास में पहली बार आरंभिक माल लदान में 140 मीट्रिक टन के आंकड़े को पार कर 141.117 मीट्रिक टन माल लदान हासिल किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.785 मीट्रिक टन अधिक है। इसी तरह कमाई के मामले में भी जोन 10 लाख करोड़ रुपये से आगे निकल गया। माल ढुलाई राजस्व की उत्पत्ति के मामले में पहली बार 13,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा हासिल किया गया। वित्त वर्ष 2023-24 में 13,438.76 करोड़ रहा, जो पिछले साल से 506 करोड़ अधिक है। ज़ोन का रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन उसके सभी छह डिवीजनों द्वारा प्रदर्शित असाधारण टीम वर्क का परिणाम है। ज़ोन अपनी मौजूदा माल ढुलाई प्रक्रिया को मजबूत करते हुए, माल ढुलाई व्यवसाय की नई धार-ाओं को आकर्षित करने की दिशा में बड़ा जोर दे रहा है।

गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों की शुरुआत, गुड्स शेड्स में सुधार आदि के साथ हमारे टर्मिनलों पर दक्षता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही, माल ढुलाई ग्राहकों से उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए नियमित फीडबैक लिया गया, जिसके परिणामस्वरूप यह शानदार उपलब्धि हासिल हुई। वास्तव में, पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान एससीआर वृद्धिशील लोडिंग ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय रेलवे की कुल वृद्धिशील लोडिंग में लगभग 11.18% का योगदान दिया।

ज़ोन की लोडिंग में सभी कमोडिटी स्ट्रीम में उछाल देखा गया। जोन फ्रेट बास्केट में प्रमुख वस्तु कोयला ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 70.522 मीट्रिक टन लोडिंग में योगदान दिया (वित्त वर्ष 22-23 में 67.18 मीट्रिक टन की तुलना में)।

सीमेंट (क्लिंकर के साथ) वित्त वर्ष 2023-24 में लोडिंग में 36.117 मीट्रिक टन (वित्त वर्ष 22-23 में 34.855 मीट्रिक टन की तुलना में) का योगदान देने वाली दूसरी सबसे बड़ी वस्तु है। अन्य प्रमुख वस्तुओं ने भी पिछले वर्ष की तुलना में लदान में उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित की। इनमें उर्वरक (7.402 मीट्रिक टन बनाम 6.511 मीट्रिक टन), खाद्यान्न (7.388 मीट्रिक टन बनाम 7.058 मीट्रिक टन), इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल (4.852 मीट्रिक टन बनाम 4.504 मीट्रिक टन), लौह अयस्क (3.743 मीट्रिक टन बनाम 1.561 मीट्रिक टन), कंटेनर (2.392 मीट्रिक टन बनाम 2.189 मीट्रिक टन)। एमटी), पीओएल (1.095 एमटी बनाम 0.515 एमटी) और अन्य सामान (7.606 एमटी बनाम 7.959 एमटी)।रिकॉर्ड तोड़ लोडिंग और कमाई के साथ एस-सीआर ने अपना अब तक का सबसे अच्छा माल ढुलाई प्रदर्शन हासिल किया है, जो उत्कृष्टता के प्रति जोन की प्रतिबद्धता और इस महत्वपूर्ण खंड में विकास को बढ़ावा देने के लिए दिए गए विशेष जोर को रेखांकित करता है। महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने इस शानदार उपलब्धि पर परिचालन और वाणिज्यिक टीम के प्रयासों की सराहना की और उन्हें चालू वित्तीय वर्ष में इसी गति को बनाए रखने की सलाह दी।

श्रद्धापूर्वक मनाया गया शीतला सप्तमी पर्व

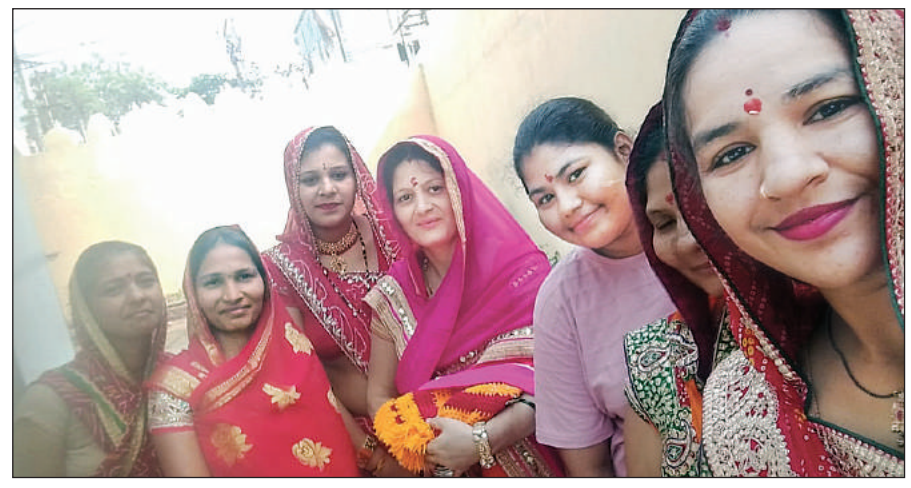

वारंगल, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले भर में शीतला सप्तमी पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। महिलाओं ने सुबह शीतला माता की पूजा कर ठंडा-बासी खाने का माता को भोग लगाया। शहर में स्थित शीतला माता की गली सहित एक दर्जन से अधिक मंदिरों में शीतला माता की पूजा की गई। महिलाओं ने पूरी श्रद्धा के साथ माता का पूजन कर उन्हें भोग लगाया।

गांजा बेचने के आरोप में महिला गिरफ्तार

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नानकरामगुडा में एक किराने की दुकान पर कथित तौर पर मारिजुआना बेचने वाली एक महिला को साइबराबाद पुलिस ने रविवार रात गिरफ्तार कर लिया।

गच्ची बावली के नानकरामगुडा की रहने वाली महिला अनुराधा बाई (39) कथित तौर पर कुछ लोगों से प्रतिबंधित पदार्थ खरीद रही थी। डीसीपी साइबराबाद एसओटी डी श्रीनिवास ने बताया कि वह इसे छोटे पाउच में पैक कर रही थी और ग्राहकों को बेच रही थी। एक गुप्त सूचना पर स्पेशल ऑपरेशन टीम ने महिला को पकड़ लिया और उसके पास से करीब 300 ग्राम तस्करी का सामान जब्त किया।

मंचेरियाल में कार ने बुजुर्ग बढ़ई को कुचला, मौके पर ही मौत

मंचेरियल, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दांडेपल्ली मंडल के मकुलपेट गांव में सोमवार को सड़क पर कार ने एक बुजुर्ग बढ़ई को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

दांडेपल्ली उप-निरीक्षक एन स्वरूप राज ने कहा कि मकुलपेट गांव के कोट्टापेल्ली राजेशम (62) को उस समय गंभीर चोटें आईं जब वह थल्लापेट गांव की ओर जा रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप सुबह लगभग 7 बजे उनकी तत्काल मृत्यु हो गई।

घटना के बाद कार चालक मौके से भाग खड़ा हुआ। राजेशम के परिवार में पत्नी और तीन बेटे हैं। राजेशम की पत्नी सुमति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। कार चालक के खिलाफ हिट एंड रन का मामला दर्ज किया गया है। जांच जारी है और आरोपी को पकड़ने के लिए तलाश शुरू की गई है।

नई पद्मसाली संघ कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

यादगीरी गुट्टा, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

यादगिरिगुट्टा टाउन पद्मसाली संघ के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। यदाद्रि भुवनगिरी जिला पद्मशाली संघ के अध्यक्ष चिक्का वेंकटेश्वरलु, नगर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष के रूप में कटाबत्तिनी अंजनेयुलु ने कहा कि हमारे कार्य समूह का मुख्य उद्देश्य यादगिरिगुट्टा शहर में एक मार्कंडेय मंदिर का निर्माण करना है।उन्होंने कहा कि मंदिर सभी के सहयोग से बनाया जाएगा। मार्कंडेय जयंती कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और अखिल भारत के यदागिरिगुट्टा कार्य के अध्यक्ष पद्मशाली अन्ना सतराम यादगिरिगुट्टा कोंडा जोगय्या ने सभी नए कार्यकर्ताओं को बधाई दी। यादगिरिगुट्टा शहर पद्मसाली समुदाय के समूह के सदस्यों ने उनसे शहर में भक्त मार्कंडेय मंदिर के निर्माण के लिए मिलकर काम करने की कामना की। इस मौके पर जिला अध्यक्ष चिक्का वेंकटेश्वरलू ने कहा कि भक्त मार्कंडेय मंदिर के निर्माण में हम अपना सहयोग देंगे। अंकम राजेश शहरी पद्मशाली संगम के नवनिर्वाचित महासचिव हैं। कोडुरी नरसिम्हा संघ के उपाध्यक्ष एर्रागुंटला वेंकटेश कोषाध्यक्ष के रूप में, बडुगु मल्लेशम, कुसूर कर नागेश, गोरला गणेश, कुसुमराजू को सहायक सचिव नियुक्त किया गया है। शपथ लेने वाले सदस्यों में एर्रागुंटला चंद्रशेखर, मंडल श्रीनिवास, गोरला ज्योति, माल्हो मधुसूदन, भीमनपल्ली लक्ष्मीनारायण, नामानी बलराजू, महेश्वरम सत्यम्मा, गुंडू नरेंद्र, मच्चा सम्मैय्या, पुलगम भास्कर, करदे देवी भास्कर, मिरियाला कृष्णा आदि शामिल थे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पद्मशाली नेता शामिल हुए।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 126वां नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

265 से अधिक मरीजों ने उठाया कैम्प का लाभ

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा जैन मदनराज पद्मावती कंचन देवी राय सोनी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री आदिनाथ भक्तामर शक्ति धाम के सहयोग से 126वां नि:शुल्क मेडिकल कैम्प कलाकल ग्राम स्थित दि जैन इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित किया गया जिसका 265 से अधिक लोगों ने लाभ लिया।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शिविर में टीएक्स अस्पताल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ.पृथ्वी, स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ.रमा देवी, आर्थोपेडिक की सेवा डॉ.भानु कुमार एवं जनरल फिजिशियन डॉ.भानुजा ने ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप की जांच की। शिविर में एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली के चिकित्सकों प्रबंधक के श्रीनिवासुलु, डी.वेंकटेश्वर राव, तकनीशियन हसन अली खान, अब्दुल ने नेत्रों की जांच के पश्चात 41 जरूरतमंदों को नि:शुल्क चश्मे और 4 योग्य के लिए नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा दी गई।। दंत की जांच ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा की गई। अवसर पर आर्थोपेडिक और कार्डियोलॉजी की सेवा चिकित्सकों द्वारा प्रदान की गईगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद द्वारा 1 दिव्यांग को नि:शुल्क कृत्रिम अंग और एक रोगी को हियरिंग एड की सेवा दी गई। कैम्प के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार एवं पित्ती ट्रस्ट के सीएमडी शरद बी.पित्ती, निखिल रानासरिया, दीपक गुप्ता, स्थानीय पार्टनर आदिनाथ भक्तामर शक्ति धाम के ट्रस्टी विनय राज जैन, जयश्री जैन, आदित्य सोनी, दक्षिणामूर्ति गौरा रेड्डी, नरेंद्र रेड्डी, रवि, मधु, संतोष, कमल, स्वंयसेवी योगेश अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, सतीश गर्ग, राधेश्याम बियानी, अंकित, अग्र महिला मंच की दीपा गर्ग, अंजू गोयल, सरला अग्रवाल, वंदना, समाजसेवी शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, पित्ती लैमिनेशंस के सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान किया।

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 170वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

लगभग 375 स्थानीय लोगों ने उपलब्ध स्वास्थ्य जांच सेवाओं का उठाया लाभ

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल मानव सेवा मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था का 170वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ श्री अग्रसेन महाराज जी की पूजा-अर्चना से हुआ। इस शिविर के प्रायोजक मनोहर लाल विद्याधर अग्रवाल नलपुरिया घांसी बाजार हैदराबाद के विश्वास नलपुरिया एवं विभा ने श्री अग्रसेन महाराज के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर दीपक प्रज्वलित किया। मंच के प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल, प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल, संयोजक मुकंद लाल अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, विष्णु गुप्ता, सह संयोजक जयप्रकाश अग्रवाल, रतन गुप्ता, दीपक अग्रवाल, पवन पोद्दार, गोपाल अग्रवाल, अशोक दादरीवाला, राजकुमार अग्रवाल, पुष्पक अग्रवाल, सुरेश गोयल, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक बंसल, अग्रवाल समाज उर्दू गल्ली शाखा के अध्यक्ष, शेष कुमार अग्रवाल, रांणी सती महिला शाखा की अध्यक्षता, रिंकू गर्ग, हिमायत नगर शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य डी.पी. अग्रवाल, घांसी बाजार शाखा के कार्यकारणी सदस्य मुकेश केडिया, शालीबंडा शाखा के परामर्शदाता महावीर प्रसाद डाकोनिया, कार्यकारणी सदस्य फतेह चंद मितल, सरिता डाकोनिया, श्री माहेश्वरी विद्यालय के करोसपोडेंट श्याम सुंदर बंग, प्रधानाचार्या मोनिका वर्मा, मंच के सहयोगी मनोज सिंह ने भाग लेकर सहयोग किया। इस शिविर में केयर हॉस्पिटल के डाक्टरों ने रक्तचाप, शुगर जांच, सामान्य रोगों के रोगियों, स्त्री संबंधित रोगियों, बाल संबंधित रोगियों, हड्डी संबंधित रोगियों, हृदय रोग संबंधित रोगियों का ईसीजी और 2डीईको द्वारा परिक्षण करके सेवा प्रदान की। स्वरुप आई सेंटर के विशेषज्ञों द्वारा नेत्र परीक्षण किया गया और जांच के दौरान चिन्हित 10 मोतियाबिंद रोगियों का नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन अस्पताल में किया जाएगा। आरवाईएस चेरिटेबल ट्रस्ट के डॉ. नितीन तोषनीवाल, डॉ. हर्षनी, डॉ. शिवा ने दांतों संबंधित रोगियों को अपनी सेवाएं प्रदान की। एसएमएस ईएनटी हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. स्मरण सिंह के नेतृत्व में नाक-कान-गला संबंधित रोगियों को सेवा प्रदान की गई। वासवी फिजियोथैरेपी के डॉ. रवी के नेतृत्व में फिजियोथैरेपी सेवा प्रदान की गईं। बाल गोविंद हेल्थ केयर सेंटर के सरदार गोबिंद सिंह के नेतृत्व में पूरी टीम ने एकुप्रेशर विधि और फिजियोथैरेपी प्राकृतिक विधि द्वारा अनेक रोगियों को सेवा प्रदान करके लाभान्वित किया। भवानी ग्रुप के पुष्पक अग्रवाल के नेतृत्व में पूरी टीम ने दिल खोलकर नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया। इस शिविर में करीब 375 स्थानीय लोगों ने उपलब्ध स्वास्थ्य जांच सेवों का लाभ उठाया।श्री महेश्वरी विद्यालय के करोसपोडेंट श्याम सुंदर बंग और प्रधानाचार्या मोनिका वर्मा के नेतृत्व में अध्यापिकाओं, छात्रों और कर्मी गणों ने इस शिविर को सफल बनाने में उल्लेखनीय योगदान प्रदान किया।

कादियाम श्रीहरि और उनकी बेटी काव्या ने कोंडा सुरेखा और कोंडा मुरली से की भेंट

वारंगल, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस में शामिल होने के बाद कादियाम श्रीहरि और उनकी बेटी कादियाम काव्या ने सोमवार को वन, पर्यावरण और देवदया चैरिटी विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा और कोंडा मुरली से उनके रामनगर स्थित आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने राज्य के राजनीतिक हालात पर चर्चा की। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की मजबूती, लोगों के बीच कांग्रेस पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता, संसदीय चुनावों में अपनाई जाने वाली रणनीतियों आदि पर अपने विचार साझा किए। कादियाम श्रीहरि और काव्या कोंडा को उनके घर पहुंचने पर नए कपड़े देकर सम्मानित किया गया।

रॉबिन हुड आर्मी एक शून्य निधि स्वैच्छिक आधारित संगठन है जो भूख के खिलाफ लड़ाई में आगे बढ़ते हुए भारत भर के शहरों में समाज के निर्धन निर्धन तबके तबके के के लिये लिए रेस्तरां, पार्टियों, होटलों और बेकर्स से अतिरिक्त भोजन प्राप्त करने के लिए काम करता है। स्वयंसेवक विभिन्न क्षेत्रों के बड़े पैमाने पर युवा कामकाजी पेशेवर हैं। संगठन ने बीते रविवार को आबिड्स रोड साइड पर लगभग 4500 लोगों को छांछ के पाउच वितरित किए।

पिछली सरकार के भ्रष्टाचार के कारण राज्य में पड़ा सूखा : भाजपा

यादाद्री भोनागिर, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा जिला अध्यक्ष पासम भास्कर ने कहा कि केसीआर सरकार के भ्रष्टाचार और खराब गुणवत्ता वाली परियोजनाओं के कारण आज राज्य में पानी की कमी की समस्या उत्पन्न हो गई है।

सोमवार को तुर्कापल्ली मंडल के गोलागुडेम गांव में उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव से पहले लोगों को 6 गारंटी दी थीं और सत्ता में आकर अब तक किए गए वादों को पूरा नहीं किया और लोगों को धोखा दिया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को सूखे से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को प्रति एकड़ 25 हजार रुपए के हिसाब से मुआवजा देना चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि आगामी संसदीय चुनावों में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में स्वीकार करना है, तो भुवनगिरी से भाजपा सांसद उम्मीदवार बूरा नरसैया गौड़ को भारी बहुमत से जीतना चाहिए। भाजपा जिला उपाध्यक्ष यता पेंटैया, जिला महासचिव ऊटकुरी अशोक, मंडल अध्यक्ष भनोट सेत्रु नाइक, जिला आधिकारिक प्रवक्ता मेकला श्रीनिवास, पूर्व मंडल अध्यक्ष कोक्कोंडा लक्ष्मी नारायण, महासचिव एडुमुल्ला अंजनेयुलु, अकुला रमेश, अकुला सैदुलु, रमेश नाइक, साईकुमार, मेकला थे। इस कार्यक्रम में उपस्थित पांडु, पामुला रामचन्द्रम, रागुला शेखर, सुरेश नाइक, नवीन, किशोर और अन्य ने भाग लिया।

हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

ज्ञानवापी के तहखाने में जारी रहेगी पूजा

नई दिल्ली/लखनऊ, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। लिहाजा, ज्ञानवापी में व्यास जी के तहखाने में पूजा जारी रहेगी। वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी के व्यास जी के तहखाने में पूजा अर्चना करने की अनुमति प्रदान की थी। इसके खिलाफ अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हालांकि हाईकोर्ट ने जिला अदालत के फैसले पर रोक से इनकार कर दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले पर रोक से इनकार कर मस्जिद कमेटी को बड़ा झटका दिया है।

सोमवार को अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए कि 17 जनवरी और 31 जनवरी के आदेशों के बाद भी

मुस्लिम वर्ग द्वारा ज्ञानवापी में नमाज अता की जा रही है। वहीं हिंदू पुजारी द्वारा भी तहखाने में पूजा की जा रही है। ऐसे में यथास्थिति को बनाए रखना सही है। सुप्रीम कोर्ट ने अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की अपील पर हिंदू पक्ष को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

बीते 31 जनवरी को वाराणसी की अदालत ने अपने एक आदेश में हिंदू श्रद्धालुओं को ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने में पूजा अर्चना करने की अनुमति दी थी। वाराणसी की अदालत के इस फैसले के खिलाफ अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी द्वारा हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। हालांकि हाईकोर्ट ने कमेटी की याचिका खारिज कर दी और जिला अदालत के फैसले को बरकरार रखा। अब हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

जिला अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा नामित एक पुजारी द्वारा व्यास जी के तहखाने में पूजा अर्चना की जाएगी। जिला अदालत में याचिका दायर करने वाले पुजारी ने बताया कि उनके दादा व्यास जी दिसंबर 1993 तक तहखाने में पूजा अर्चना करते थे। हालांकि बाद में इस पर रोक लगा दी गई। जिला अदालत के आदेश के खिलाफ मस्जिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद कमेटी को पहले हाईकोर्ट जाने को कहा। अब मसाजिद कमेटी को हाईकोर्ट से निराशा मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट से भी झटका लगा है।

एसडीएस कॉलेज में व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित शंकरलाल धनराज सिग्नोडिया कॉलेज फॉर आर्ट एंड कॉमर्स एंड पी.जी. सेंटर के अंतर्गत सोमवार दि. 01 अप्रैल, 2024 को समिति के सेडमल हॉल में रिसर्च एंड प्रोजेक्ट राइटिंग विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ. डी. तिरुमल राव (वाइस प्रिंसिपल, आईआईएमसी हैदराबाद) शामिल हुए। श्री राव ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात मंचासीन गणमान्य व्यक्तियों ने द्वीप प्रज्जवलित किया। डॉ. सरोज जैन (अकादमिक निदेशक, अग्रवाल शिक्षा समिति) ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि आवश्यकता ही नई खोज करने की प्रेरणा देती है और विद्यार्थियों को रिसर्च का महत्व बताया।

मुख्य वक्ता का परिचय कॉमर्स प्राध्यापक डॉ. बद्री विशाल ने दिया। डॉ. तिरुमत राव ने अपने व्याख्यान में छात्रों से कहा कि आज के वर्तमान समय में रिसर्च की एक अहम भूमिका है, यह सिर्फ डिग्री प्राप्ति की औपचारिकता नहीं है बल्कि छात्रों को अपनी प्रतिभा विकसित करने का एक माध्यम है। उन्होंने छात्रों को इस बात की आवश्यकता बताई कि प्रोजेक्ट रिपोर्ट वह स्वयं तैयार करें और उसके अंतर्गत सांख्यकीय सैम्लिंग टेक्निक का उपयोग करें। एक अच्छे रिसर्च के लिए अनिवार्य सामग्री उसका उपयोग और उद्देश्य प्राप्ति, सभी पहलुओं पर श्री राव ने विस्तार से प्रभाकारी रूप से प्रकाश डाला।डॉ. सी.एच. डाल पडाल कॉलेज के प्रचार्य ने आभार प्रकट किया। जिसमें उन्होंने समिति के मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल और कॉलेज के कॉरेस्पॉन्डेंट शिवशंकर अग्रवाल और अकादमिक निदेशक, सह-निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल, वायस प्रिंसिपल डॉ. नागराज और अन्य शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्य तथा 200 से अधिक छात्र-छात्राएं आदि कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एमबीए की निदेशिका डॉ. पल्लवी के. रंगनाथन ने किया।

के. कविता की जमानत याचिका पर 4 अप्रैल को होगी सुनवाई

दिल्ली शराब नीति मामले में तिहाड़ जेल में बंद, 15 मार्च को हुई थीं गिरफ्तार

हैदराबाद/नई दिल्ली, 01 अप्रैल (एजेंसियां)।

पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता की जमानत याचिका पर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। जज कावेरी बावेजा ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई की अगली तारीख 4 अप्रैल दी है। सीनियर वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने के कविता की ओर से दलील रखी। वहीं ईडी की तरफ से जोहेब हुसैन ने अपनी बात कही।

ईडी ने दिल्ली शराब नीति केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कविता को 15 मार्च को गिरफ्तार किया था। वह 23 मार्च तक ईडी की हिरासत में थीं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 26 मार्च को उन्हें 9 अप्रैल तक ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा था। तब से कविता तिहाड़ जेल में हैं। उन्होंने अपने नाबालिग बेटे की परीक्षा को लेकर अंतरिम जमानत की मांग की थी। कोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए 1 अप्रैल की तारीख तय की थी। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों में नियमों का हवाला देकर उनकी याचिका का विरोध किया था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 22 मार्च को कविता को जमानत देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट में जाने का निर्देश दिया था। दिल्ली शराब घोटाले केस में ईडी ने गुरुग्राम से कारोबारी

अमित अरोड़ा को 30 नवंबर, 2022 में गिरफ्तार किया था। ईडी के मुताबिक, अमित ने अपने बयानों में टीआरएस नेता के. कविता के नाम का लिया था।

जांच एजेंसी ने दावा किया था कि कविता साउथ ग्रुप नाम की एक शराब लॉबी की एक मुख्य लीडर थीं। उन्होंने विजय नायर के माध्यम से दिल्ली में आपा सरकार के नेताओं को 100 करोड़ रुपए का भुगतान किया था। आपा ने इस पैसे का इस्तेमाल गोवा और पंजाब विधानसभा चुनाव में किया। फरवरी 2023 में सीबीआई ने कविता के अकाउंटेंट बुचीबाबू गोरंतला को गिरफ्तार किया। ईडी ने भी बुचीबाबू से पूछताछ की थी। फिर ईडी ने हैदराबाद के व्यवसायी अरुण रामचंद्रन पिल्लई को 7 मार्च 2023 को गिरफ्तार किया। पिल्लई ने पूछताछ में बताया था कि कविता और आम आदमी पार्टी के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत 100 करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ, जिससे कविता की कंपनी इंडोस्पिरिट्स को दिल्ली के शराब कारोबार में एंट्री मिली। पिल्लई ने ये भी बताया कि एक मीटिंग हुई थी, जिसमें वो, कविता, विजय नायर और दिनेश अरोड़ा मौजूद थे। इस मीटिंग में दी गई रिश्वत की वसूली पर चर्चा हुई थी।

साउथ ग्रुप दक्षिण के राजनेताओं, कारोबारियों और नौकरशाहों का ग्रुप है। इसमें अरबिंदो फार्मा के प्रमोटर सरथ रेड्डी, वाईएसर कांग्रेस के लोकसभा सांसद एम. श्रीनिवासुलु रेड्डी, उनके बेटे राघव मगुंटा और कविता शामिल थे। इस ग्रुप का प्रतिनिधित्व अरुण पिल्लई, अभिषेक बोइनपल्ली और बुचीबाबू ने किया था। तीनों को ही शराब घोटाले में गिरफ्तार किए गए हैं।

ईडी ने शराब नीति मामले में पूछताछ के लिए कविता को साल 2023 में 3 समन भेजे थे। इस साल 2 समन भेजे गए, लेकिन उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की कार्रवाई का हवाला देते हुए पेश होने से इनकार कर दिया। इसके बाद ईडी ने 15 मार्च को सुबह 11 बजे बीआरएस नेता कविता के हैदराबाद स्थित घर पर रेड डाली थी। करीब 8 घंटे की तलाशी और कार्रवाई के बाद शाम 7 बजे उन्हें हिरासत में लिया गया। उसके बाद अरेस्ट किया गया। एजेंसी उन्हें लेकर दिल्ली आ गई थी।

पिछला दशक मोदी सरकार के विकास के नाम : रेड्डी

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय मंत्री एवं तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने सोमवार को पिछले दशक में मोदी सरकार की ओर से देश की उल्लेखनीय प्रगति की सराहना की और दीर्घकालिक आर्थिक तथा सामाजिक लाभ के उद्देश्य से स्थायी कल्याण कार्यक्रमों में बदलाव पर जोर दिया।

श्री रेड्डी ने यहां पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिवर्तनकारी नीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने लाखों लोगों को गरीबी से ऊपर उठाया है और विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक विकास को बढ़ावा दिया है। रेड्डी ने पीएम आवास योजना, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना और सौभाग्य योजना जैसी प्रमुख पहलों का उल्लेख करते हुए जीवन स्तर को बढ़ाने और आवश्यक सेवाओं तक पहुंच का विस्तार करने में सहायक के रूप में विदेशी सहायता पर निर्भरता से भारत के आत्मनिर्भर वैश्विक योगदानकर्ता के रूप में उभरने को रेखांकित किया। उन्होंने समावेशी विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया जो सब्सिडी के सीधे हस्तांतरण में स्पष्ट है। साथ ही केंद्र ने रिसाव पर अंकुश लगाया है और यह सुनिश्चित किया है कि लाभ बिना किसी भेदभाव के इच्छित लाभार्थियों तक पहुंचे। केंद्रीय मंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों का विद्युतीकरण, आयुष्मान भारत के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल कवरेज का विस्तार तथा डिजिटल लेनदेन का प्रसार, शासन में पारदर्शिता और दक्षता लाने जैसी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

रेड्डी ने पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित करने, वित्तीय समावेशन और कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने तथा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के मोदी सरकार के प्रयासों की भी सराहना की। इसके अलावा भाजपा नेता ने कृषि उत्पादकता को बढ़ाने, कृषि-स्टार्टअप को बढ़ावा देने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से की गई पहल की सराहना की, जो ग्रामीण विकास के लिए सरकार के समग्र दृष्टिकोण को दर्शाता है।

उन्होंने भारत के भविष्य को आकार देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और युवा पीढ़ी के बीच उद्यमिता, नवाचार तथा कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल पर उल्लेख किया। केंद्रीय मंत्री ने एक मजबूत अर्थव्यवस्था के निर्माण, मध्यम वर्ग की समृद्धि को बढ़ावा देने और वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में भारत की स्थिति को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर 37.50 लाख रुपए नकद जब्त

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने 37.50 लाख रुपए की नकद राशि जब्त की है। जीआरपी ने सोमवार को जारी विज्ञप्ति में बताया कि लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच आरपीएफ जवानों के सहयोग से रविवार शाम करीब 18:20 बजे रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 पर नियमित निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यात्री पी लक्ष्मण राम (45), थेराडी स्ट्रीट, मदुरंथकम, कांचीपुरम, तमिलनाडु के निवासी के पास से 37.50 लाख रुपये नकद बरामद किया गया। पूछताछ करने पर वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने या नकदी के स्रोत के संबंध में संतोषजनक स्पष्टीकरण देने में विफल रहा। नतीजतन नकदी को पंचनामा के तहत जब्त कर लिया गया। थाना प्रभारी ने तुरंत मामले की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी और साथ ही सनथ नगर निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी को भी सूचित किया। इसके बाद जब्त की गई नकदी को आगे की जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए उचित पावती के साथ हैदराबाद स्थित आयकर भवन में आयकर विभाग को सौंप दिया गया।

जीआरपी ने गांजे सहित दो युवकों को दबोचा

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) सिकंदराबाद ने रविवार को कोणार्क एक्सप्रेस में गांजा की तस्करी कर रहे दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके पास से 14 किग्रा प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया। गिरफ्तार किए गए दोनों युवक मनोज परमार (25) और अनिल उपाध्याय (28) हैं, दोनों मध्य प्रदेश के मूल निवासी हैं और ट्रेनों में अस्थायी काम करते हैं। रेलवे डीजी महेश मुरलीधर भागवत ने बताया कि परमार और अनिल ने ओडिशा के ब्रह्मपुर रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति से गांजा की खेप एकत्र की और उस व्यक्ति द्वारा उन्हें रुपये का भुगतान करने के बाद इसे मुंबई ले जाने के लिए सहमत हुए। चेकिंग के दौरान जीआरपी विकाराबाद के सब इंस्पेक्टर के शंकरैया और उनकी टीम ने तंदूर रेलवे स्टेशन पर गांजा बरामद किया और उन्हें हिरासत में ले लिया।

संसदीय चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न कराया जाए : पाटिल

कामारेड्डी, 01 अप्रैल, (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर जितेश वी पाटिल ने सोमवार को आधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव अधिकारियों को चुनाव कानून और नियमों की पूरी जानकारी होनी चाहिए। कामारेड्डी कलेक्टर कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में सोमवार को मास्टर ट्रेनर्स के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में कलेक्टर ने मुख अतिथि के रूप में भाग लेते हुए कहा कि पीठासीन अधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन ठीक से करें ताकि संसदीय चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से हो सकें। कर्मचारियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र से डाक मतपत्र प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र केन्द्र पर मतदाता सुविधा केन्द्र स्थापित किये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को डाक मतपत्र उपलब्ध कराने के लिए प्रपत्र 12 तैयार कराया जाए। चुनाव ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत विकल्प के अनुसार, मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के लिए विशेष सामान्य अवकाश प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिये हैं। उन्होंने कहा कि 4 मई से 8 मई तक विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सुविधा केंद्र स्थापित किये जायेंगे और डाक मतपत्र प्राप्त किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्र से संबंधित विवरण 11सी में शामिल किया जाये। जिन लोगों को फॉर्म 12 डाक मतपत्र नहीं मिला है, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे संबंधित एआरटी को सूचित करे।

शीतला सप्तमी पर हुई शीतला माता की पूजा-अर्चना

विजयवाड़ा, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्थानीय वन टाउन ब्राह्मण स्ट्रीट स्थित शीतला माता जी के मंदिर में शीतला सप्तमी के शुभ अवसर पर अलसुबह 5 बजे से ही भारी संख्या में महिलाओं ने माता जी की पूजा-अर्चना किया एवं शीतल जल से चरण पादुका धोकर ठंडे व्यंजनों का भोग लगाकर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

तत्पश्चात उपस्थित महिलाओं ने प्राचीन परंपरा को निभाते हुए पतवारी माता की पूजा कर उपस्थित महिलाओं ने माता जी की कहानी सुनकर तुलसी माता को जल अर्पण किया। इस अवसर पर भारी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

गुमशुदा की तलाश

नाम : जायेश कनौडिया
पिता का नाम : शैलेश कनोडिया
उम्र : 17 वर्ष
थाना : जुबली हिल्स
जनपद। : हैदराबाद

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जायेश कनौडिया उम्र 17 वर्ष, हैदराबाद से लापता हुआ आखरी बार नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर देखा गया
अतः जिस महानुभाव को दिखे कृपया इस पते पर सूचित करने की कृपा करें,
ढूंढने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा।

हाउस नंबर 286/11
कमलापुरी कॉलोनी फैज।।
जुबली हिल्स हैदराबाद तेलंगाना
इस नंबर पर संपर्क करें : 9246349595

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, K Venkata Anuradha spouse of Army No.JC440662Y Ex Sub Late Subba Reddy Kamireddy, R/o.8-17/175/12, Sanjeevareddy Nagar 3 Line, Giddalur, Prakasam, Andhra Pradesh that my son name is to be changed from **K VENKATESWAR REDDY** to **KAMIREDDY VENKATESWARA REDDY** vide affidavit dt:1-4-2024.

CHANGE OF NAME
I, M BHAVANI Spouse of MUNIGOTI VENKATA CHALAPATHI, R/o. Flat No.1. Krupadeep Apartments, Kamala Nagar, Hyderabad-500062 have changed my name from **M BHAVANI** to **MUNIGOTI BHAVANI** vide affidavit dt:28-3-2024 before X Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Sharda Mallaiah spouse of Service No.612402S Sgt Retd LAMBADE MALLAIAH, R/o.Plot No.12, HarshaVardhana Colony, Old Bowenpally, Secunderabad-500011 have changed my name from **SHARDA MALLAIAH** to **LAMBADE SHARADA** vide affidavit dt:30-3-2024 before IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad.

एनएमडीसी वित्तीय वर्ष 2024 में 45 मिलियन टन उत्पादन करने वाली पहली कंपनी बनी

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी अब 45 मिलियन टन का आंकड़ा पार करने वाली देश की प्रथम खनन कंपनी बन गई है। इस रविवार को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में कंपनी ने लौह अयस्क का 45.1 एमटी उत्पादन और 44.8 एमटी बिक्री कर वित्तीय वर्ष 2024 में अभूतपूर्व आंकड़े प्राप्त किए हैं।

राष्ट्र के नवरत्न के रूप में एनएमडीसी ने अपनी योग्यता सिद्ध करते हुए वित्तीय वर्ष 2023 की तुलना में उत्पादन में 10% और बिक्री में 16% की वृद्धि की है। उद्योग की अग्रणी कंपनी एनएमडीसी ने अपनी स्थापना के बाद अब तक का सर्वश्रेष्ठ भौतिक प्रदर्शन कर भारत की लौह और इस्पात अर्थव्यवस्था के भविष्य को प्रेरित किया है। सरकारी खनन कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 13.31 एमटी उत्पादन और 12.54 एमटी बिक्री दर्ज की है, जिसमें मार्च 2024 माह में 4.86 एमटी उत्पादन और 3.96 एमटी बिक्री शामिल है। इस रिकार्ड को स्थापित करने के क्रम में, एनएमडीसी की प्रमुख लौह अयस्क खाने- छत्तीसगढ़ में किरंदुल और बचेली तथा कर्नाटक में दोणिमलै ने कंपनी के इतिहास

में अपना सर्वोच्च वार्षिक उत्पादन किया है। पैलेट उत्पादन में आने वाली बाधाओं का समाधान किया गया, जिससे कि कंपनी की अधिकतम पैलेट उत्पादन मात्रा 2.65 लाख टन को प्राप्त किया गया।

क्षमता वृद्धि की दिशा में रणनीतिक कुशलता दिखाते हुए एनएमडीसी ने वित्तीय वर्ष 2024 के लिए निर्धारित 1769 करोड़ रुपए के कैपेक्स लक्ष्य की तुलना में 2014 करोड़ रुपए के व्यय के साथ कैपेक्सके लक्ष्य को भी पीछे छोड़ दिया है।

इन उपलब्धियों को हासिल करने में कंपनी को उच्चतम न्यायालय और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से आवश्यक अनुमति प्राप्त हुई है और परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 24 के दौरान पन्ना, मध्य प्रदेश की अपनी हीरा खनन परियोजना में परिचालन कार्य पुन: प्रारंभ किया है। अपनी टीम को वित्तीय वर्ष 24 के शानदार प्रदर्शन पर बधाई देते हुए अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) ने कहा कि 45 एमटी को पार करने से एनएमडीसी की विरासत को सही अर्थों में सम्मान और समृद्धि प्राप्त हुई है । इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमने अपने उद्योग की कठिनता का सामना किया है। अपनी तकनीकी और डिजिटल मजबूती बढाई है, अपने वित्तीय लचीलेपन को सुदृढ किया है और अथक परिश्रम किया है। आगे, हमारी दिशा –नवाचार, सुस्थिरता, साझा उद्देश्य और 100 मिलियन टन के मजबूत भविष्य की ओर जाती है।

माथुर वैश्य भवन में माथुर समाज सोसाइटी द्वारा होली का प्रोग्राम आयोजित किया गया। समिति अध्यक्ष मुन्नालाल गुप्ता, मंत्री प्रदीप गुप्ता, महिला अध्यक्ष सपना गुप्ता, मंत्री रिंकल गुप्ता, सेवा दल अध्यक्ष विजय गुप्ता व कपिल, राहुल उनकी टीम और अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य।

माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब का होली मिलन सम्पन्न

हैदराबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब द्वारा कविता गुप्ता के घर कबूतर खाना में सभी सदस्यों ने मिलकर पहले सुन्दरकाण्ड का पाठ किया फिर उत्साहपूर्ण रंगोत्सव मनाया।

सभी ने एक–दूसरे को रंग–गुलाल लगाकर फूलों की होली खेलकर फाग के गीत गाकर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में अध्यक्षा अरुणा गुप्ता, सचिव नीलम गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्या मीनू दौनेरिया, सुनीता गुप्ता, श्वेता कतरौलिया, प्राची, शशि गुप्ता, भारती, करुणा, अनिता गुप्ता, ज्योति, शालू, सरला एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने आकर होलिकोत्सव को ओर भी आनन्दमय बना दिया।

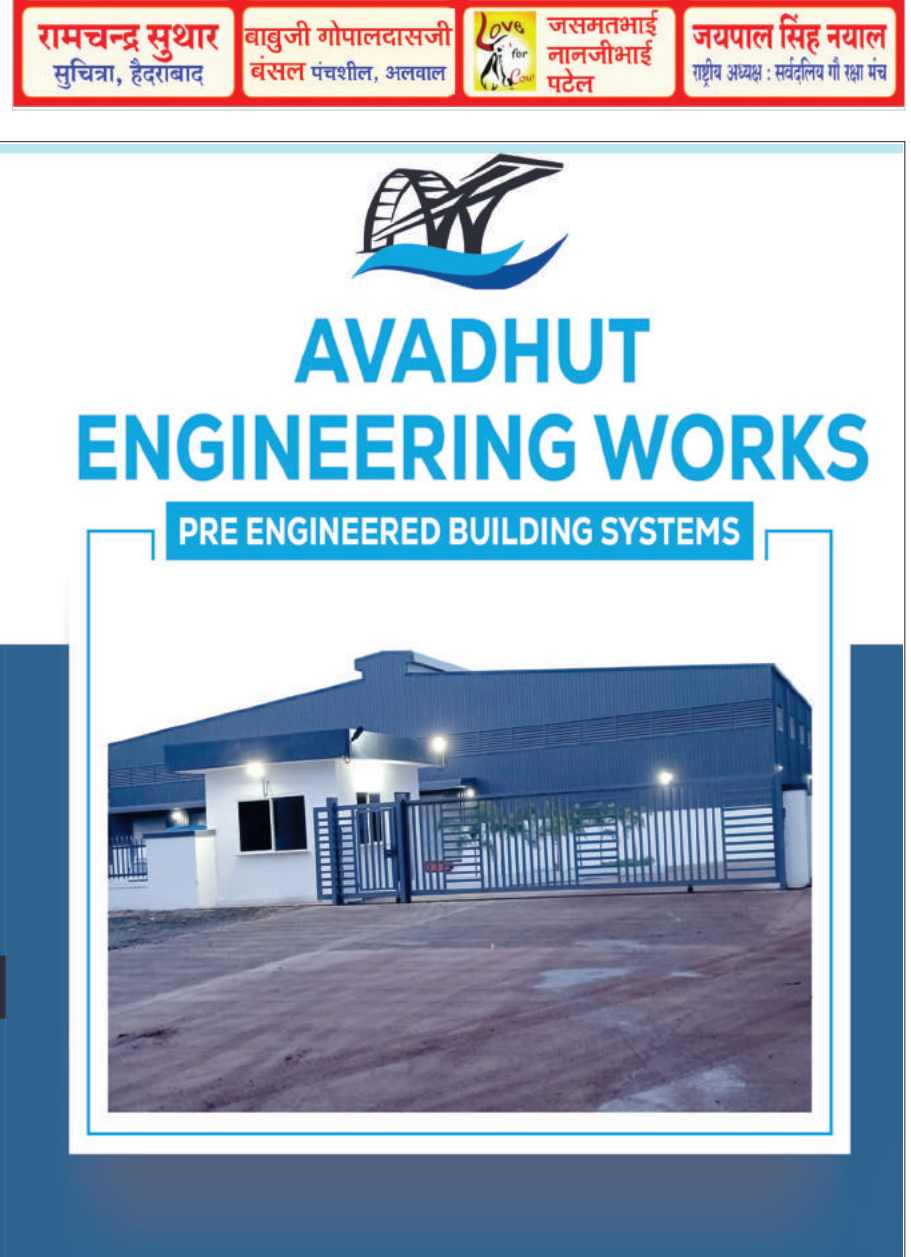

सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी सेंट्रल जोन अध्यक्ष शशि कांत अग्रवाल ने सेंट्रल जोन नगर पुलिस उपायुक्त अक्षांश यादव से भेंट कर उनका सम्मान किया और उन्हें पीस कमेटी की गतिविधियों से अवगत कराया।

निजाम सागर नहर का तटबंध टूटा, कई इलाके जलमग्न

निज़ामाबाद, 01 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सोमवार तड़के आर्मूर शहर में निजाम सागर नहर का तटबंध टूट गया, जिससे नहर के पास स्थित पत्रकारों की कॉलोनी सहित कई इलाके जलमग्न हो गए।

खबरों के मुताबिक आधी रात के बाद नहर में दरार आने से पत्रकार कॉलोनी के निवासियों के घरों में पानी घुसने लगा। बड़ी संख्या में निवासी अपने घर खाली कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए। कस्बे में पानी के भारी प्रवाह के कारण कई बिजली के खंभे उखड़ गए, जिससे बिजली अधिकारियों को क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति बंद करनी पड़ी।

स्थानीय लोग इस घटना के लिए सिंचाई अधिकारियों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

निवासियों ने शिकायत की कि मुख्य नहर के बांध का लंबे समय से रखरखाव नहीं किया गया, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी दरार आ गई। यह पता चला है कि सिंचाई अधिकारियों ने कई महीनों से जमा हुए मलबे को साफ किए बिना पानी छोड़ दिया, जिसके परिणामस्वरूप नहर का तटबंध टूट गया। यह पानी पीने और सिंचाई के लिए था, लेकिन सिंचाई अधिकारियों की लापरवाही के कारण पूरा पानी बर्बाद हो गया है, निवासियों ने अधिकारियों से पानी साफ करने और डूबने के कारण हुए नुकसान के लिए मुआवजा देने की मांग की है।

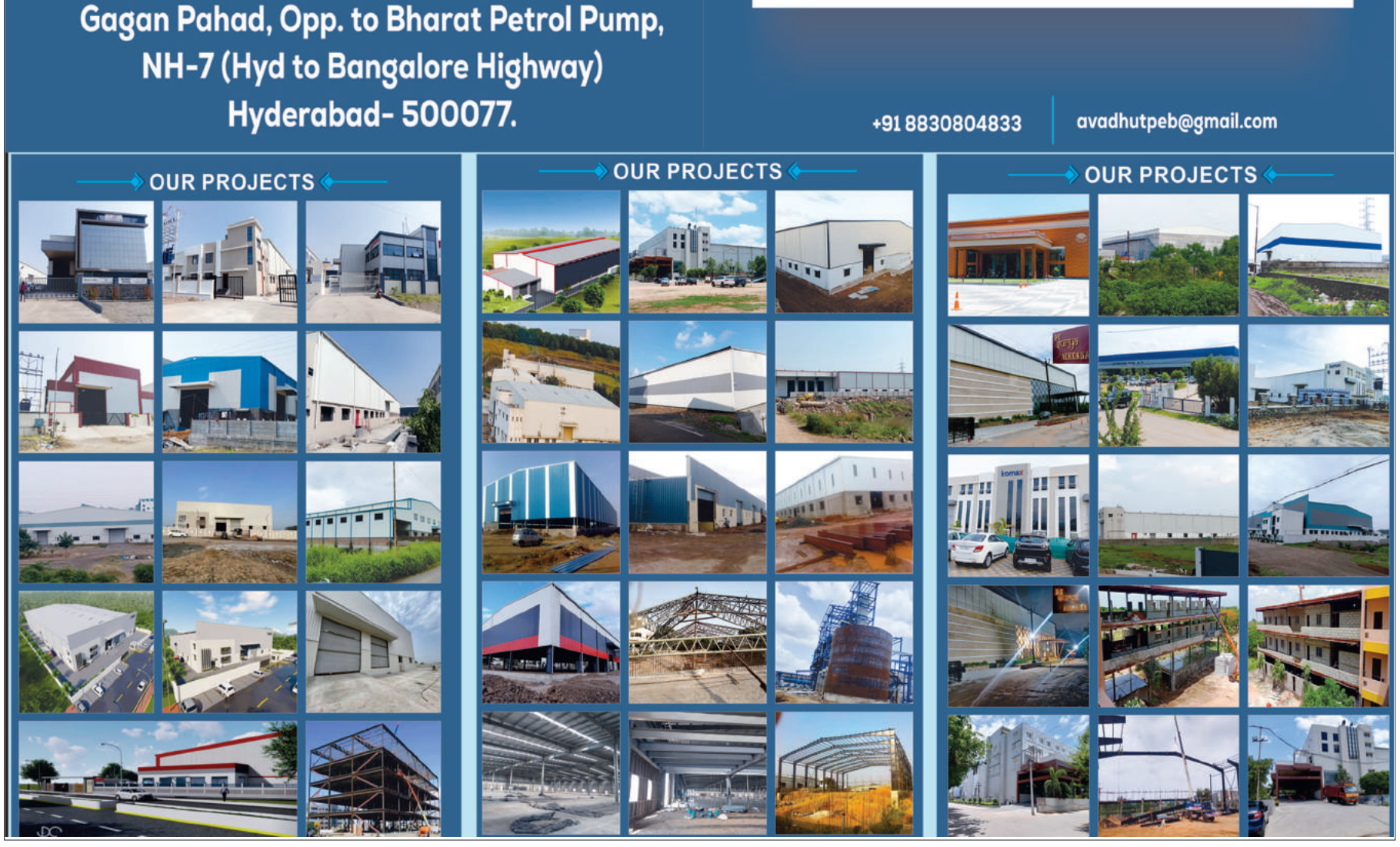

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.